Kangana Ranaut

Claims To Be...

Ranchi ● Sunday, 25 August 2024 ● Year: 02 ● Issue: 217 ● Ranchi Edition ● Page: 12 ● Price: ₹3 ● www.thephotonnews.com

दफोटोनन्यूज Published from Ranchi

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

जमशेदपुर के लोग मुंबई में भी भीड़ से अलग दिखते हैं : साजिद अली

बॉलीवुड इंडस्ट्री के प्रख्यात डायरेक्टर इम्तियाज अली के नक्शेकदम पर चलने वाले उनके भाई साजिद अली पिछले दिनों अपनी फिल्म 'लैला मजनू' के कॉलेज प्रीमियर में बतौर स्पेशल गेस्ट करीम सिटी पहुंचे थे। बता दें, साजिद की इस फिल्म को पूरे देश में री– रिलीज किया गया है। कुछ हफ्ते पहले ही इस फिल्म को कश्मीर समेत मेट्रो सिटी के कई थिएटर्स में री-रिलीज किया गया था। फिल्म हाउसफुल रही और उसने लगभग तीन करोड़ का बिजनेस किया है। साजिद ने फिल्म की 'माउथ पब्लिसिटी' पर दिल खोलकर बातचीत की है। जमशेदपुर के टैलेंट पर साजिद ने कहा कि मुंबई में जमशेदपुर के ऐसे कई टैलेंट से मिल चुका हूं, जो प्रभावित करते हैं। सच कहूं, तो वहां अपने लोगों को देखकर गर्व होता है। जमशेदपुर वालों के बारे में यही कहना चाहगा कि परें देश में हमारे पास जो कॉस्मोपॉलेटिन कल्चर का प्रभाव है, वो शायद ही दुनिया में किसी के पास हो। यही वजह है कि हम भीड़ से अलग होते हैं। यहां के यूथ में भरपूर टैलेंट देखता हूं और चाहता

हूं कि वो बाहर निकलें और खुद को एक्सप्लोर करें। यहां

के टैलेंट को मेरा स्पेशल सपोर्ट हमेशा रहेगा।

🌺 फिल्म 'लैला मजनू' के निर्देशक ने 'द फोटोन न्यूज' की डिजिटल हेड से की विशेष बातचीत

Q. 'लैला मजन्' की सफलता के पीछे माउथ पब्लिसिटी का हाथ है?

녿 हां, इसका सारा श्रेय मैं अपने ऑडियंस को देता हूं। इस बात में कोई दो राय नहीं है कि उनकी वजह से ही मेरी फिल्म को दोबारा रिलीज का सौभाग्य मिला है। वरना कितनी फिल्में आकर चली जाती हैं, लेकिन 'लैला मजनू' का दोबारा रिलीज होना किसी मैजिंक से कम नहीं था। मैं पूरी तरह से अपने दर्शकों-प्रशंसकों का ऋणी हूं और चाहूंगा कि ये प्यार हमेशा बरकरार रहे। माउँथ पब्लिसिटी ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि दर्शक से बढकर कोई नहीं होता है। वो चाहे तो कुछ भी मुमकिन है।



Q. जब २०१८ में रिलीज हुई और डिजास्टर करार दी गई, उस वक्त मनोबल ट्रटा था?

हां. आखिर मैं भी इंसान ही हुं। कॉन्फिडेंस टूटता है और दोबारा उतनी हिम्मत जुटा पाना भी मुश्किल सा हो जाता है। मैं बहुत निराश हुआ था, डिप्रेशन में भी रहा। दरअसल माजरा यह है कि हमने फिल्म के साथ पूरी ईमानदारी बरती थी। फिर भी समझ में नहीं आ रहा था कि आखिरकार कमी कहां रह गई। बतौर डायरेक्टर तो मैंने वही परोसने की कोशिश की, लेकिन जनता को क्यों पसंद नहीं आई? क्या उनका टेस्ट बदल गया? मेरे तरीके में कोई कमी रह गई? मैं पूरी तरह से सेल्फ डाउट पर चला गया था। दोबारा प्रोजेक्ट के लिए हिम्मत जुटानी पड़ती थी, लेकिन ये प्रोफेशन ऐसा है कि आपको मूव ऑन करना पडता है। मैं इस चीज पर निश्चित था कि मैंने और मेरी टीम ने अपने काम से कोई समझौता नहीं किया था। देखिए आखिरकार देर-सबेर उसे वो तवज्जो तो मिल ही गई, जिसकी

Q. इम्तियाज अली से तुलना पर चिंता होती है?

नहीं, आप ऐसा मान सकते हैं कि दो भाई अगर एक फील्ड में हैं, तो तुलना होती रहेगी। हालांकि मैं इम्तियाज का तब से फैन हूं, जब दुनिया उसे नहीं जानती थी। में जानता था कि ये बड़ी चीज है और मैं बचपन से ही उनकी सोच का फैन रहा हूं। अगर फैन का नाम बार-बार उसके आइडियल से लिया जाए, तो इससे बड़ी बात क्या होगी। मुझे बड़ी खुशी होती है कि प्रोडक्शन, प्रेजेंट या राइटिंग में मेरा नाम उनके साथ जुड़ता है। तुलना की सोच ही नहीं सकता। वो हर मायने में मुझसे सीनियर हैं। मैं खुशनसीब हूं कि उनके साथ काम करने का मौका मिलता है।

Q. आपके प्रोजेक्ट्स में उनकी कितनी दखलअंदाजी रहती है और कितने सख्त हैं?

> उनका क्रिएटिव कॉल हमेशा रहता है। सख्त वो मेरे लिए हैं, लेकिन कई बार मेरी क्रिएटिविटी को उन्होंने सराहा है। हां, काम को लेकर वो बहुत ही स्ट्रिक्ट हो जाते हैं। उन्हें किसी भी चीज से छेड़छाड़ या समझौता पसंद नहीं है। हालांकि उनकी मौजूदगी ने मेरे काम को तराशा ही है।

Q. 'लैला मजनु' को लेकर फैंस की कोई बात. जिसने आपको डमोशनल किया हो?

➤ हां, मैं भी देखता रहता हूं। फैंस के रील्स शेयर करने की कोशिश भी करता रहता हुं। एक दिलचस्प किस्सा बताता हुं। फिल्म में एक गाना है. जहां फोन नंबर है, आज भी उस नंबर पर पूरी दुनियाभर से मेसेज आते रहते हैं। वो नंबर मेरे असिस्टेंट डायरेक्टर का है। फैंस के मैसेज पढ़कर मैं कई बार इमोशनल हो जाता हूं।

: 81,086.21 निफ्टी : 24,823.15

सोना

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

O BRIEF NEWS

सांसद विजय हांसदा की पत्नी का निधन

SAHIBGANJ : राजमहल लोकसभा सीट से जेएमएम के सांसद विजय हांसदा की पत्नी का निधन बीती रात को हो गया। इस घटना की जानकारी मिलने के साथ मृख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भावुक पोस्ट सोशल मीडिया पर लिख दुख प्रकट किया है। सीएम ने लिखा है कि झारखंड मुक्ति मोर्चा के वरिष्ठ नेता और लोकसभा सांसद विजय हांसदा की धर्मपत्नी के निधन की खबर अत्यंत हृदय विदारक है। झामुमो परिवार के लिए अपूरणीय क्षति हैं। मरांग बुरु दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें। प्राप्त जानकारी के अनसार सांसद विजय हांसदा की पत्नी कैथरीन हेम्ब्रम (33 वर्ष) का शुक्रवार की रात 9:35 में दिल्ली एम्स में निधन हो गया। सांसद की शादी सात फरवरी 2020 को हुई थी। ईसाई रीति रिवाज से शादी हुई थी। शादी के बाद सांसद की पत्नी गंभीर बीमारी से ग्रसित थी। लम्बे समय से इलाज चल रहा था। आखिरकार दख को सहन को सहन नहीं कर पायी और परिवार को छोड़ चल बसी

असम गैंगरेप : मुख्य आरोपी की डूबकर से मौत

GUWAHATI: असम के नगांव जिले में 14 साल की नाबालिग से गैंगरेप के मुख्य आरोपी तफजुल इस्लाम की शनिवार को डूबने से मौत हो गई। वह पुलिस हिरासत से भागने के दौरान तालाब में कूद गया था। नगांव के सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस स्वप्ननील डेका ने बताया कि आरोपी को शक्रवार को गिरफ्तार किया गया था। शनिवार सुबह ३:30 बजे उसे घटनास्थल पर क्राइम सीन रिक्रिएट करने के लिए लेकर जा रहे थे। एसपी के मुताबिक, आरोपी ने एक पुलिसकर्मी पर हमला किया और हिरासत से भागकर तालाब में कूद गया। पलिसकर्मी भी घायल हो गया और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया।पुलिस ने तुरंत सर्च ऑपरेशन शुरू किया। मौके पर एसडीआरएफ की टीम भी पहुंची। लगभग दो घंटे तलाश के बाद आरोपी का शव तालाब से बरामद किया गया।

झारखंड की आधी आबादी को हमारी सरकार ने दिया सम्मान

भाजपा ने की व्यापारियों की चिंता मैंने देखी सामाजिक सुरक्षा : CM

PHOTON NEWS HAZARIBAGH:

शनिवार को हजारीबाग के सिंदुर मैदान में आयोजित झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड में डबल इंजन की सरकार भाजपा ने चलाई। उससे पहले भी भाजपाई सत्ता में रहे, लेकिन उन्होंने सिर्फ व्यापारियों की सुरक्षा देखी। मैं झारखंड में सामाजिक सुरक्षा को प्राथमिकता दे रहा हुं। यही वजह है कि झारखंड की आधी आबादी को सम्मान दिया है। हेमत सोरेन ने कहा कि सिर्फ 15 दिनों में दिन-रात एक कर पूरे राज्य की 42 लाख महिलाओं को इस योजना में जोडा गया है। यह आंकड़े भी अब पुराने हो चुके हैं। नया आंकड़ा एक नया रिकॉर्ड बना रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य के 33 लाख बुजुर्गों को पहले से पेंशन सरकार दे रही है। अब मंईयां सम्मान योजना में हर महिला को 12,000 रुपये सालाना मिलेगा।

AGENCY NEW DELHI:

इंडियन स्पेस रिसर्च आगेर्नाईजेशन

(इसरो) प्रमुख डॉ. एस सोमनाथ

ने कहा है कि भारत 2027 में

चंद्रयान-4 की लॉन्चिंग करेगा।

उन्होंने बताया कि चंद्रयान-4 का

डिजाइन फाइनल हो चका है।

मिशन को सरकार से मंजरी मिलने

का इंतजार है। चंद्रयान-4 चांद की

सतह से 3-5 किलो मिट्टी और

चट्टान के नमनों को पथ्वी पर

लाएगा। इस स्पेसक्राफ्ट में पांच

अलग-अलग मॉड्यूल होंगे।

2023 में चंद्रमा पर भेजे गए

चंद्रयान-3 में प्रोपल्शन मॉड्यूल

• सब-आर्बिटल में भेजे

गए 53 सैटेलाइट

• ग्लोबल वार्मिग और

में मिलेगी मदद

क्लाइमेट चेंज के रिसर्च

• हजारीबाग में मंईयां सम्मान योजना कार्यक्रम को हेमंत ने किया संबोधित

• 15 दिनों में दिन–रात एक कर ४२ लाख महिलाओं को इस योजना से जोडा गया

६८ साज

मंईयां सम्मान योजना कार्यक्रम में लामुकों के साथ सीएम हेमंत, कल्पना सोरेन व अन्य।

इसरो चीफ डॉ.एस सोमनाथ ने दी जानकारी, कहा- डिजाइन हो चुका फाइनल

2027 में भारत करेगा चंद्रयान-४ की लॉन्चिंग

• राज्य के ३३ लाख बुजुर्गों को पहले से पेंशन दे रही



डबल इंजन की सरकार में भूख से मरते थे लोग

मख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन की सरकार में लोग भख से मरते थे. लेकिन जब हमारी सरकार आई तो कोरोना जैसे संकट में सब कुछ बंद होने के बावजूद भी एक भी व्यक्ति भुख से नहीं मारा, जबिक हमारे यहां ना तो बेहतर अस्पताल सविधा थी और ना ही गांव में चिकित्सकों की मौजूदगी थी। इसके बावजूद हर गांव में आम

नागरिकों के सहयोग से दवा उपलब्ध कराई गई, जबिक दूसरे राज्यों में अफरा–तफरी मची थी और शव जलाने के लिए लकड़ी भी खत्म हो गई थी। सीएम ने कहा कि कोरोना की जंग में भी जनता ने सरकार को पूरा सद्योग किया। दन्हीं महिलाओं ने खाना बनाकर क्वॉरेंटाइन हुए मजदूरों को भोजन उपलब्ध कराया है। आज

चांद की सतह से नमूने उठाने वाला रोबोट तैयार कर रहे वैज्ञानिक

चंद्रयान–४ मिशन कई स्टेज में पूरा होगा।

चांद की कक्षा में पहुंचने के बाद मुख्य

स्पेसक्राफ्ट से 2 मॉड्यूल अलग होकर

सतह पर लैंड करेंगे। दोनों ही मॉड्यूल

चांद की सतह से नमूने इकट्टा करेंगे।

स्पेसक्राफ्ट से जुड़ जाएगा। नमूनों को

होगा और चांद की कक्षा में मुख्य

फिर एक मॉड्यूल चांद की सतह से लॉन्च

पहला मॉड्यूल 2028 में

लॉन्च किया जाएगा, जिसमें

केवल रोबोट्स भेजे जाएंगे। इस

२ मॉड्यूल चांद की सतह पर जाएंगे

झारखंड सरकार एक बेटी के जन्म से लेकर उसकी मृत्यु तक की पूरी योजना रेखांकित कर चुकी हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भाजपा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उन्होंने झारखंडियों को ना तो राशन दिया और ना ही रोजगार। ऐसा कोई घर झारखंड में नहीं है, जहां सरकार की कोई न कोई योजना नहीं पहुंची हो।

धरती पर वापस आने वाले स्पेसक्राफ्ट में

टांसफर करके भेजा जाएगा। इसरो के

वैज्ञानिक चांद की सतह से नमने उठाने

वाला रोबोट तैयार कर रहे हैं। गहराई

है। नमूने इकट्ठा करने के लिए कंटेनर

और डॉकिंग मैकेनिज्म की तकनीक

विकसित की जा रही है।

तक डिल करने तकनीक पर काम हो रहा

स्टेशन में कुल पांच मॉड्यूल

बारी-बारी से अंतरिक्ष में भेजे

• ऐसा कोई घर झारखंड में नहीं है, जहां कोई न कोई योजना नहीं पहुंची हो

मुझे झुठे आरोप में

हेमंत सोरेन ने कहा कि कोरोना काल में झारखंड सरकार के दो–दो मंत्रियों ने जनसेवा के दौरान जान गंवाई। आज स्वर्गीय जगन्नाथ महतो की पत्नी बेबी देवी महिलाओं को सम्मान दिलाने का काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि आज भी झारखंड सरकार लगातार मसीबत झेल रही है। बीजेपी ने राज्य को लूटने के लिए इस सरकार पर कई आरोप लगाए। मुझे झूठे आरोप में जेल भेज दिया। उनके वकील और जज सारे दोस्त हैं । वे झारखंड के आदिवासियों को मूर्ख समझते हैं और उन पर शासन करने का प्रयास करते हैं, लेकिन मैने हाई कोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक की लडाई लडी और कोर्ट ने उनके सारे मंसूबों को विफल कर दिया। उनके सारे द्यंदे निकले। जेल से निकलने के बाद मैं फिर से लोगों की सेवा में निकल चुका हूं।

एसटी-एससी एक्ट तभी लगेगा. जब अपमान में

NEW DELHI : सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर किसी अनुसूचित जाति-जनजाति के व्यक्ति को उसकी

आरोपी को दी जमानत ढिलित विधायक को कहा था माफिया

यह मामला (अत्याचार निवारण)

जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने एक ऑनलाइन मलयालम न्यूज चैनल के एडिटर शाजन स्कारियाँ को अग्रिम जमानत देते हुए यह फैसला सुनाया। स्कारिया पर १९८९ एक्ट की धारा 3(1)(आर) और 3(1)(यू) के तहत केस दर्ज हुआ था। उन पर आरोप था कि उन्होंने एससी समुदाय से आने वाले कुन्नाथुनाड के सीपीएम विधायक पीवी श्रीनिजन को माफिया डॉन कहा था। इस मामले में ट्रायल कोर्ट और केरल हाईकोर्ट ने उन्हें गिरफ्तारी से पहले जमानत देने से इनकार कर दिया था। आरोपी स्कारिया की तरफ से एडवोकेट सिद्धार्थ लूथरा और गौरव अग्रवाल ने दलीलें रखी, जिसे मानते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा-एसटी-एससी समुदाय के किसी सदस्य का जानबूझकर किया गया हर अपमान और उसे दी गई धमकी जाति आधारित अपमान नहीं माना जाएगा। हमें ऐसा कुछ नहीं मिला जो साबित करे कि स्कारिया ने यूट्यूब वीडियो में एसटी-एससी समुदाय के खिलाफ दुश्मनी या नफरत को बढ़ावा देने की

जाति का जिक्र : SC

जाति का नाम लिए बगैर अपमानित किया गया है, तो

एसटी-एससी अधिनियम १९८९ के तहत अपराध नहीं होगा।

जस्टिस जेबी पारदीवाला और कोशिश की है।

कोलकाता रेप-मर्डर केस में सात आरोपियों का हुआ पॉलीग्राफी टेस्ट



AGENCY KOLKATA:

शनिवार को कोलकाता रेप-मर्डर केस के 7 आरोपियों का पॉलीग्राफी टेस्ट हुआ। मुख्य आरोपी संजय रॉय से जेल में, जबिक पर्व प्रिंसिपल संदीप घोष. 4 फेलो डॉक्टर, 1 वॉलंटियर से सीबीआई दफ्तर में पूछताछ की गई। पॉलीग्राफी टेस्ट दिल्ली की सेंट्रल फॉरेंसिक साइंस लैबोरेट्री टीम ने लिया। इधर, कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश के बाद उइक ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। घोष के खिलाफ भ्रष्टाचार की जांच जारी है। सीबीआई ने एफआईआर की कॉपी अलीपुर सीजेएम कोर्ट को सौंप दी है। बता दें कि 9 अगस्त

को कोलकाता के आरजी कर

• दिल्ली की सेंट्रल फॉरेंसिक साइंस लैबोरेटी की टीम ने की जांच • पूर्व प्रिंसिपल के

खिलाफ सीबीआई ने वित्तीय अनियमितता का दर्ज किया केस

हॉस्पिटल में एक ट्रेनी डॉक्टर की रेप के बाद हत्या कर दी गई थी। सबह उनका अर्धनग्न शव मिला था। इसके बाद देशभर में डॉक्टरों ने विरोध प्रदर्शन किया। कोलकाता के डॉक्टर्स लगातार 16वें दिन भी हड़ताल पर रहे। बाकी संगठनों ने हड़ताल खत्म कर दी है।

पुलिस ने हमें किया गुमराह : पीडित परिवार

पीड़ित परिवार ने कहा, हमें सीबीआई की जांच पर भरोसा है। पुलिस ने हमें गमराह करने की कोशिश की थी। राज्य प्रशासन किसी को बचाने की कोशिश कर रहा है। इतने गंभीर अपराध को एक व्यक्ति अंजाम नहीं दे सकता। एजेंसी को दिए एक इंटरव्यू में पिता ने कहा- घटना को 14 दिन हो चुके हैं। लोगों को उइक पर भरोसा है। हमें भी है, लेकिन सीबीआई ने अभी तक केस को सुलझाया नहीं है। टीम को तेजी से काम करने की जरूरत है। हमें हर बीतता दिन एक साल जैसा लगता है। पीडित के पिता ने डॉक्टरों के विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के भी बात कही। उन्होंने कहा कि आरजी कर

अस्पताल में चल रही अनियमितताओं को लेकर सुप्रीम कोर्ट का रुख करने पर अभी कोई फैसला नहीं लिया है। अगर जरूरत पड़ी तो हम इस पर विचार करेंगे। पीड़ित की मां ने कहा-कोलकाता पुलिस कमिश्नर विनीत गोयल ने जांच सही तरीके से नहीं की। वे बहुत जल्दबाजी में थे। हमें उम्मीद है कि मेडिकल कॉलेज में चल रहे रैकेट का पता लगाया जाएगा और कार्रवाई की जाएगी। सीबीआई ने बताया कि अस्पताल के सेमिनार हॉल के दरवाजे की चिटकनी कछ दिन से टूटी थी। यह सबको पता था। इसीलिए डॉक्टर रात 2 से 3 के बीच गई तो बंद

हजारीबाग के सील गेस्ट हाउस में घुसे लोग

नीट पेपर लीक मामले में सबूतों से छेड़छाड़ का प्रयास

नीट पेपर लीक मामले में सबूतों से छेड़छाड़ का प्रयास करने का मामला सामने आया है। सीबीआई ने जांच के दौरान कटकमदाग के जिस गेस्ट हाउस को सील किया था, वहां तीन दिनों से लोगों की आवाजाही के सबृत मिले हैं। यह जानकारी मिलने के बाद दिल्ली और पटना से सीबीआई की टीम हजारीबाग पहुंची और जांच की। टीम ने जांच के दौरान स्थानीय फोटोग्राफर से गेस्ट हाउस की फोटोग्राफी भी कराई। इसके बाद कटकमदाग थाने में सूचना दी। अब कटकमदाग पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। दरअसल सील



गेस्ट हाउस के प्रवेश द्वार के दोनों

ओर दुकान है। इसमें से एक दुकान में दो शटर है। पहला शटर सामने की ओर है। वहीं दूसरा शटर दुकान के भीतर की ओर से है, जो गेस्ट हाउस को कनेक्ट करता है।

चेन्नई के थिरुविदंधई से मोबाइल लॉन्चर के जरिए हुई रॉकेट की लॉन्चिंग

पहला रियूजेबल भारतीय हाइब्रिड रॉकेट रूमी १ लॉन्च

(इंजन), लैंडर और रोवर तीन

मॉड्यूल थे। इसरो चीफ ने यह भी

बताया कि इंडियन स्पेस स्टेशन

शनिवार को भारत ने अपना पहला रियूजेबल हाइब्रिड रॉकेट रूमी 1 लॉन्च किया। चेन्नई के थिरुविदंधई से मोबाइल लॉन्चर के जरिए रॉकेट की लॉन्चिंग हुई। रॉकेट को तमिलनाडु बेस्ड स्टार्टअप स्पेस जोन इंडिया और मार्टिन ग्रुप ने मिलकर बनाया है। हाइब्रिड रॉकेट रूमी 1 के जरिए 3 क्यूब सैटेलाइट और 50 पिको सैटेलाइट को सब आर्बिटल ट्रैजेक्टरी में भेजा गया। ये सैटेलाइट ग्लोबल वार्मिंग और क्लाइमेट चेंज से जुड़े रिसर्च के लिए डेटा इकट्ठा करेंगे। रूमी १ रॉकेट जेनेरिक फ्यूल बेस्ड हाइब्रिड मोटर और इलेक्ट्रिकर्ली ट्रिगर पैराशूट सिस्टम से लैस है। रॉकेट को फ्लेक्सिबिलिटी और रियूजेबल पर फोकस करते हुए खास तरह से डिजाइन किया गया है।

समुद्र में सुरक्षित लैंड करने में सक्षम

हाइब्रिड रॉकेट रूमी १ में इको-फ्रेंडली और कॉस्ट इफेक्टिव मैकेनिज्म है। इसमें सीओ2 ट्रिगर पैराशूट सिस्टम लगा है। इसकी मदद से रॉकेट के कंपोनेंट सुरक्षित समुद्र पर वापस लैंड कर सकते हैं। इससे अंतरिक्ष लॉन्च की लागत कम होगी। रॉकेट के कंपोनेंद्स को आसानी से रिकवर किया जा सकता है। रॉकेट का एयर फ्रेम कार्बन फाइबर, ग्लास फाइबर से बना है। रॉकेट के साथ अंतरिक्ष में भेजी गई तीन क्यूब सैटेलाइद्स एटमॉस्फियर कंडीशन जैसे कॉस्मिक रेडिएशन, यूवी रेडिएशन और एयर क्वालिटी की समीक्षा कर सकेंगी। रपेस जोन वन कंपनी के सीईओ आनंढ मेगालिंगम ने कहा कि इस रॉकेट की मदद से रेडिएशन स्तर, वाइब्रेशन और तापमान

का डेटा इकट्रा किया जा सकेगा।

पिछला लॉन्च था विफल रूमी रॉकेट पूरी तरह से फायरवर्क से

मक्त है। इसमें कोई टीएनटी का उपयोग नहीं किया जाता है। इसमें एक हाइब्रिड मोटर है, जो सामान्य पयूल और एक इलेक्ट्रॉनिक रूप से सक्रिय पैराशूट डिप्लोयर के जरिये संचालित होता है। रूमी 1 रॉकेट ने दक्षता बढाने और ऑपरेशन लागत कम करने के लिए लिक्विड और सॉलिड फ्यूल प्रोपेलेंट के कॉम्बिनेशन का यूज किया। पहला लॉन्च फरवरी २०२३ में किया गया था। उस समय पैराशृट तैनाती की समस्या का सामना करना पड़ा, जिसके परिणामस्वरूप रॉकेट समुद्र में गिर गया और रिकवरी असंभव हो गई। इसी तरह की घटना को रोकने के लिए, टीम ने इस लॉन्च के लिए कई टाइमर शामिल किए थे।

इस रॉकेट की खासियत

रूमी १ एक खास तरह का रॉकेट है, जो दो तरह के सॉलिड फ्यूल और लिक्विड ऑक्सिडाइजर की मदद से मिलकर उड़ता है। इस खास डिजाइन की वजह से रॉकेट में आग लगने का खतरा बहुत कम हो जाता है। इसमें लगे पैराशृट को खोलने के लिए इलेक्ट्रॉनिक सिग्नल का इस्तेमाल होता है। स्पेस जोन इंडिया का लक्ष्य दो-चरण वाले रॉकेट बनाने का है जो 500 किलो तक का सामान ले जा सकें। इसके अलावा कंपनी संयुक्त अरब अमीरात के रेगिस्तान से भविष्य में लॉन्च की संभावनाएं भी तलाश रही है। ये उपग्रह वैश्वक तापमान और जलवायु परिवर्तन पर अनुसंधान उद्देश्यों के लिए डेटा और जानकारी एकत्र करेंगे।

कविता

मुझे खुशी है

एक ऐसे रिश्ते से जिसमें तुम थे,

तुमने आगे बढ़ जाना चुना,

हमेशा से विपरीत थी तुमसे,

मगर मुझे पहाड़ चढ़ना था,

समुंदर मेरे बस की बात न था।

सरल थे, सीधी रेखा की तरह,

मैं टेढ़ी-मेढ़ी सड़क और

तुम्हारा मुझ तक का सफर

केवल एक भटकाव।

तुम मुझमें भटके बहुत,

जो तुम्हें होना चाहिए था,

जिसके तुम अधिकारी थे,

और मैं कुछ भी हो सकती थी

मगर वह मौसम नहीं जिसमें

तुम अब वो पाओगे,

तुम खिल सकते थे।

मैंने कभी न चाहा था तुम्हें भटकाना।

मुझे खेद है

तुम अब वो हो

तुम पलाश थे

तुम्हारा प्रेम समुंदर सा विशाल था,

रिश्ता था

मगर ' मैं' नहीं।



भीमबेटका : अज्ञातवास में पांडवों का ढिकाना

भीमबेटका के यह पाषाण आश्रय पूरी तरह से पुरातात्विक संसाधनों से भरे हुए हैं, जो इसे एक प्रमुख स्थल होने का दर्जा दिलाने के साथ इसके महत्व को भी जाहिर करते हैं। यही वजह है कि इसे यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल में शामिल किया गया है और इस जगह को देखने के लिए दुनिया भर से हर साल लाखों सैलानी आते हैं।

मबेटका को मध्यप्रदेश ही नहीं, बल्कि देश के लोकप्रिय पर्यटक स्थलों में गिना जाता है। यह अपने यहाँ पायी जाने वाली शानदार शैलाश्रय के लिए दुनिया भर में विख्यात है। सदाबहार जंगलों और वन्य जीवन से दूर इस जगह पर मौजूद विशाल चट्टान संरचनाओं में ऐतिहासिक चित्रों को दशार्ने वाले रॉक आश्रयों के पांच समूह मौजूद हैं। इन रॉक आश्रयों में आसपास के गाँवों में रहने वाले लोगों के जीवन, उनकी परंपराओं और संस्कृति के विविध रूपों और यहाँ के चट्टानों के चित्रों में कई महत्वपूर्ण समानता है। भीमबेटका के यह पाषाण आश्रय पूरी तरह से पुरातात्विक संसाधनों से भरे हुए हैं, जो इसे एक प्रमुख स्थल होने का दर्जा दिलाने के साथ इसके महत्व को भी जाहिर करते हैं। यही वजह है कि इसे यनेस्को की विश्व धरोहर स्थल में शामिल किया गया है और इस जगह को देखने के लिए दुनिया भर से हर साल लाखों सैलानी आते हैं। इसलिए हम भी इस जगह को देखने की अपनी इच्छा को नहीं संभाल पाए और हम दिल्ली से सीधे मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल पहुंच गए। भोपाल में कुछ दोस्तों से मिले जिनसे हमें भीमबेटका रॉक शेल्टर के इतिहास के बारे में काफी कुछ पता चला। भीमबेटका रॉक शेल्टर के इतिहास की बात की जाए तो सन 1888 में भारत के पुरातत्व अभिलेखों ने इसे एक बौद्ध स्थलचिह्न के रूप में सूचीबद्ध किया। भीमबेटका के यह पाषाण आश्रय हमारे देश के मनुष्य

के प्रारंभिक जीवन के उत्कृष्ट

ऐतिहासिक अवशेषों को कलात्मक

तरीके से प्रदर्शित करते हैं। इनमें

पाषाण युग के कुछ चित्र हैं जो बाद

में भीमबेटका रॉक आश्रयों में पाए

गए। यह तकरीबन 31,000 वर्ष से

अधिक पुराने हैं और इस जगह के

ऐतिहासिक महत्व को जाहिर करते

हैं। इस जगह पर मौजूद कलात्मक

गुफाओं ने समय के साथ-साथ

अपने आपको निखारने का काम

किया है। यही वजह है कि यह

पर्यटन की दृष्टि से एक आदर्श स्थल

है। चट्टानों पर बने डिजाइन इतने

बढ़िया और उत्कृष्ट हैं कि वैज्ञानिक

भी यह सोचने पर मजबर हो जाते





डूबा हुआ था। इस दौरान हमें

पुराना बताया है। इस जगह पर

मौजूद सभी छोटी-बड़ी गुफाओं को

मिला दें तो इनकी संख्या 500 से

नई दिल्ली

नर्मदा के तट पर मिलेगी शांति

भीमबेटका गुफा को लेकर भीमबेटका की यात्रा के दौरान पौराणिक मान्यताओं के बारे में भी पता चला। भीमबेटका गुफा को आप होशंगाबाद की यात्रा भी कर लेकर ऐसी मान्यता है कि इस जगह सकते हैं। यह काफी अच्छी और पर महाभारत काल में अपने लोकप्रिय जगह है, जो आपको नर्मदा अज्ञातवास के दौरान पांडवों ने इस नदी के सौंदर्य और खुबसुरती से रूबरू जगह को कुछ समय के लिए अपना कराती है। नर्मदा के शांतिपूर्ण नदी तट आश्रय स्थल बनाया था और इस पर बैठकर विश्राम करने का जो लुत्फ जगह पर आकर रहे थे और इसी है, वह इसी जगह पर आकर ही उठाया वजह से महाबली भीम के नाम पर जा सकता है। यह पूरा जिला प्रकृति के इस जगह का नाम भीमबेटका पड़ा। खुबसुरत उपहारों और ऐतिहासिक रायसेन स्थित भीमबेटका की इन महत्व के स्मारकों से भरा है। इसका नाम होशंगाबाद 'शाह होशंग' के नाम गुफाओं में हमारे पूर्वजों द्वारा बनाई गई तरह-तरह की पेंटिंग्स मिलती पर पडा है, जो कभी मालवा क्षेत्र के हैं, जिन्हें देखकर कोई भी उस राजा हुआ करते थे। इस जगह पर समय के जीवन और माहौल का आकर आप एक शांत सर्द हिल स्टेशन अनुमान लगा सकता है। इन पर समय बिताने के साथ-साथ पचमढ़ी गुफाओं में मौजूद चित्रकारी को और आदमगढ़ की खूबसूरत पहाड़ियों पुरातत्वविदों ने 1000 वर्षों से भी का नजारा देख सकते हैं।

> भोजेश्वर मंदिर की दीवारों पर मनमोहक छवियां

सर्दियों का मौसम बेहतर

भीमबेटका की यात्रा वर्ष के किसी भी महीने में की जा सकती है, लेकिन सबसे अच्छा और उपयुक्त समय अक्टूबर से अप्रैल के मध्य सर्दियों का होता है। इन महीनों के दौरान, इन स्थलों की यात्रा के लिए दिन ठंडे होते हैं, अन्यथा गर्मी के दिनों में यहाँ बहुत ज्यादा गर्मी होती है। गर्मी का यह मौसम अत्यधिक आई और बहुत

गर्म होता है, जिससे घूमना और यहाँ की सुंदरता को देखना असहज हो जाता है। इस जगह पर भीमबेटका रॉक शेल्टर के आसपास घमने की कई महत्वपूर्ण जगहें हैं। हम सबने सबसे पहले भीमबेटका की सैर की, जो अद्भुत था। फिर होशंगाबाद, भोजेश्वर मंदिर और अंत में

बिल्कुल ही नजदीक है। इस जगह पर लोग अपनी आस्था और श्रद्धा को जाहिर करने के लिए आते हैं। यह मंदिर अन्य मंदिरों से थोड़ा अलग लगता है। इस मंदिर की दीवारों पर घोड़ों, हाथियों, पशु सवारों और लड़ाकू जानवरों की छवियां उकेरी गई हैं जो उस समय की कहानियों को दशार्ती हैं। इस जगह पर मौजूद गुफाओं में बाघ, शेर, हाथी, मगरमच्छ और सरीसृप अच्छी तरह से प्रदर्शित किए गए हैं, जिसे देखने के लिए देश के कोने-कोने से सैलानी आते हैं।

भोपाल से 45 किमी दूर

भोपाल से होकर ही ज्यादातर लोग भीमबेटका देखने के लिए जाते हैं, जो इस जगह से महज 45 किमी की दूरी पर स्थित है। झीलों के इस शहर में आकर आपको ऐसा लगेगा कि किसी जादुई दुनिया में आ गए हैं। इस जगह की भौगोलिक स्थिति और

आपके अंतर्मन को जीवंत कर देंगे। इस जगह के पर्यटन स्थल काफी खूबसूरत और जीवन आधुनिक कला और संस्कृति से भरपूर है। इस जगह पर आप आएँगे और इसे समझने की कोशिश करेंगे तो आपका मन करेगा कि इस जगह पर हमेशा हमेशा के लिए बस जाएं।

द्रेन या हवाई यात्रा, पसंद

भीमबेटका रॉक शेल्टर मध्य भारत में स्थित सबसे आकर्षक स्थल है। यदि आप भी इस साइट पर जाने के इच्छुक हैं तो आपके लिए परिवहन के सभी तरह के साधन मौजूद हैं। यह दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और बेंगलुरु जैसे सभी नगरों से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। निम्नलिखित परिवहन साधन हैं जो आपकी यात्रा को आरामदेह बनाएँगे। भीमबेटका के लिए कोई सीधी भोजेश्वर मंदिर भीमबेटका के यात्रा के वक़्त परस्पर बदलते दृश्य उड़ान नहीं है, पर राजा भोज अच्छा लगेगा।

हवाई अड्डा, जिसे लोग भोपाल एयरपोर्ट के नाम से भी जानते हैं, केवल 48 किमी दूर है। आप भोपाल हवाई अड्डे पर पहुंचकर टैक्सी लेकर भीमबेटका पहुंच सकते हैं। भीमबेटका का निकटतम रेलवे स्टेशन भी भोपाल ही है, जो केवल 45 किमी दूर है। इस रेलवे स्टेशन से ट्रेन मार्ग चुनें और बाद में टैक्सी किराए पर लेकर भीमबेटका पहुंच सकते हैं। भोपाल देश के सभी महानगरों से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। सार्वजनिक परिवहन और निजी वाहनों के जरिए इस जगह पर आसानी से पहुंचा जा सकता है। लेकिन कठिन रास्तों की वजह से बसों और टैक्सियों से लम्बा सफर करना थकाने वाला होता है।

सम्भव है कि इस यात्रा में थोड़ा ज्यादा समय लगे, लेकिन यह आपकी यात्रा के खबसरत अनुभवों में शामिल हो जाएगी। इन जगहों पर जाकर आपको बहत ही

1. हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियां देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें। 2. आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर प्रकाशित करेंगे।

Email- thephotonnewsjharkhand@gmail.com

3 चानक फेसबुक पर मुझे टैग की

मेरी नजर पड़ी तो हैरान रह गया। सयानी

नाम के एक काव्य संकलन की चर्चा

महाकवि की वाल पर थी। साहित्य में एक

नेपो किड का आगमन हो चुका था। जिस

तरह सिनेमा के हर नायक का पुत्र नायक

बनता है, राजनीति में नेता का पुत्र नेता

बनता है, ठीक उसी परंपरा का निवर्हन

करते हुए साहित्य के एक नेपो किड का

सफल प्रादुर्भाव हो चुका था। तनिक

ध्यान से पढ़ा तो देखा कि मैं एक नहीं,

बल्कि दो पोस्ट में टैग हूँ, एक तो 'नेपो

किड' की थी और दूसरी 'नेपो किडनी' की

थी, किडनी से आशय लड़की का मत

निकालें, बल्कि ये तीन बच्चों की मम्मी

थीं, लोग किड का नेपोटिज्म करते थे,

अब किडनियों यानी किड की मिम्मयों का

भी नेपोटिज्म करने लगे। मैंने इस

'नेपोकिडनी' के बारे में पढ़ना शुरू किया।

प्रकाशित हुआ था जिसका शीर्षक था

वो बिल्कुल नवयुवती लग रही थीं।

कवयित्री लवनिका चंचला।

का संग्रह'।

नेपोकिडनी का नया काव्य संग्रह

'अप्रतिम एवं कालजयी कविताएं'

उनकी फोटो लगायी गयी थी, जिसमें

अलबत्ता कैप्शन में जरूर लिखा था

'वरिष्ठ कवयित्री की चुनिंदा कविताओं

मेरे लिए दोनों केस विस्मयकारी थे।

मैं उन्हें बरसों से निजी तौर पर जानता

था। सयानी उनकी इकलौती पोती थी।

उन्हें इस बात का बहुत मलाल रहा करता

सयानी एक तेरह वर्षीय बच्ची थी,

जिसकी दादी अरुणाभी जी बहुत ही वरिष्ठ

और सम्मानीय कवयित्री थीं।

गयी पोस्ट्स पर

व्यंग्य ■ बर्बरीक

हैं कि यह कभी पूरी तरह से पानी में भी कहीं ज्यादा है।

भी नहीं पढ़ती-

'लेपोकिडली' वो हिंदी और हिंदुस्तान से चिढ़ती थी, दिन-रात कनाडा में रहने वाली अपनी मौसी के पास जाकर पढ़ने-रहने और बसने का ख्वाब देखा करती थी।

> वो सीलमपुर से जब ओटावा के सड़कों की तुलना करती तो उसे अपना जीवन और रहन-सहन तुच्छ लगने

> उसे लगता था कि उसकी दादी बड़ी कवियत्री थीं तो बहुत पावरफुल भी होंगी। वो हिंदी प्रान्त के हिंदी मीडियम से पढ़ी, ठेठ हिंदी की कवियत्री अरुणाभी जी से अंग्रेजी में ही बात किया करती थी। उसे हिंदी में बात करना तौहीन और अपमानजनक लगता था और उसकी दादी का लिखना-बोलना गंवईपन लगता था और बहुत अखरता था। मैंने इस चमत्कार को मन ही मन नमस्कार किया।

> ये चमत्कार जानने के लिए मैंने अरुणाभी जी को फोन किया। फोन उठाते ही उन्होंने दुआ-सलाम का अवसर दिए ही मुझसे कहा-

'मैं जानती थी व्यंग्यकार महोदय, तुम शब्दों की चिकोटी काटने के लिए मुझे फोन जरूर करोगे। यही जानना चाहते हो ना कि हिंदी से चिढ़ने वाली बच्ची हिंदी की कवियत्री कैसे बन गयी'।

'जी, मैंने इसलिए नहीं, बल्कि आपका हाल-चाल जानने के लिए फोन किया था। कोई भी कभी भी कविता लिख सकता है, इसमें क्या है? कविता का हाल ह्मगरीब की जोरू सबकी भौजाई जैसा है

वो उधर से खिलखिलाकर हंसते हुए

'बोल दी तुमने ना, लाख टके की बात। व्यंग्य की चाशनी में लपेटकर जुता मारा कि कोई भी कभी भी कविता लिख सकता है। वास्तव में हिंदी में कोई भी कभी भी कविता लिख सकता है। लेकिन ये कविताएं सयानी ने नहीं लिखी हैं. बल्कि मैंने लिखी हैं। वास्तव में उसे कुछ महीने बाद कनाडा जाना है एक ट्रूप के साथ। उस पर मिनिस्ट्री ऑफ कल्चर से टिकट, वीजा आदि पर सब्सिडी मिल जाएगी। अब अगर कोई कवयित्री हो तो उसे तमाम सहूलियतें मिल जाएंगी। सो ये काव्य संग्रह आ गया, अब इसी के आधार पर वो कवयित्री मान ली जाएगी और नाममात्र के पैसों में कनाडा घूम भी आएगी। जब सिनेमा में, राजनीति में नेपोटिज्म हो रहा है। वहां पर नेपाकिड्स लांच हो रहे हैं तो यहां क्यों नहीं हो सकते? तुम मुझे लेडी करन जौहर समझ सकते हो, बस एक फर्क है कि सब अपने बच्चों के लिए नेपोटिज्म करते हैं और मैंने अपनी पोती के लिये नेपोटिज्म कर दिया'।

ये कहकर वो ठहाके लगा कर हँसी। मैं कुछ कहने ही वाला था, तब तक मोबाइल पर दूसरी कॉल आने लगी।

अरुणाभी जी की कॉल को होल्ड पर रखकर मैंने इनकमिंग कॉल को देखा। ये हमारे प्रकाशक महोदय बागड़ माहेश्वरी जी का कॉल था। लेखक के लिए प्रकाशक की कॉल किसी दैवीय चमत्कार से कम नहीं होता।

मैंने लपककर उनका फोन उठाया, उधर से उन्होंने कहा-

'आपने फेसबुक देखा, एक पोस्ट में टैग हैं आप'।

इनके झूठ से मैं आजिज आ चुका था मैंने भी झूठ ही कहा-'जी, अभी तक तो नहीं'।

उन्होंने हुक्म सुनाते हुए कहा-'आपके फेसबुक फ्रेंड करुण क्रंदन जी की पत्नी की किताब आयी है, लवनिका चंचला उनका नाम है। आपको उनके संग्रह पर लिखना है और बहुत अच्छा लिखना है कुछ कालजयी टाइप

'जी लवनिका जी, हलुआ बहुत अच्छा बनाती हैं पिछली बार दिल्ली गया था तो सोहन हलवा खाकर आया था, उनके हाथों का बना हुआ। सुना है पापड़



की होलसेल सप्लाई करती हैं, कोई सेल्फ हेल्प ग्रुप बनाकर। ये भी सुना है बड़ी अच्छी बिक्री है पापड़ों की'।

मैंने उनकी बात को आगे बढ़ाते हुए

'लेकिन अब उनकी कविता की बिक्री का समय है। उनकी किताब हमने प्रकाशित की है और तुम्हें हर प्लेटफॉर्म पर उसकी जोरदार मार्केटिंग करनी है'। उन्होंने रौबदार स्वर में कहा।

'जी, वो मेरी किताब की पांडुलिपि को दिए दो वर्ष हो गए, पैसे भी दे चुका हूं। आपने तभी कहा था कि दो-चार महीने में किताब प्रकाशित कर देंगे'।

मैंने डरते-डरते कहा। उन्होंने मुझे डपटा-

'तुम्हारी सौ किताबों के चक्कर में हमारे 3000 किताबों के ऑर्डर हाथ से निकल जाएंगे। जानते हो लवनिका जी के पतिदेव अब फॉरेन डिपार्टमेंट पहुँचने वाले हैं। और अगले वर्ल्ड हिंदी सम्मेलन के आगेर्नाइजर बनने वाले हैं। हमें उनसे किताबों के बड़े ऑर्डर मिलने की उम्मीद है। सो हम उनको ओब्लाइज करने के लिए ही ये काव्य संकलन निकाल रहे हैं, इसीलिए हम इस पर इतनी मेहनत कर रहे हैं। हमने और भी लोगों को काम पर लगा

रखा है। कुछ तो कविताएं भी लिख'। ये कहते हुए वो अचानक चुप हो गए, मानों कोई गलत बात मुंह से निकल गयी

थोड़ी देर तक दोनों तरफ से चुप्पी

मैंने अनुमान लगाकर और दिल कड़ा करके पूछा -

'तो क्या कविताएं खुद लवनिका जी ने नहीं लिखी हैं? कविताएं भी क्या उन्हीं कवियों ने लिखी हैं, जिनकी पांडुलिपियां

आपके पास पेंडिंग हैं'।

'सब कविताएं उन कवियों ने ही नहीं लिखी हैं, बल्कि अपने संकलन की ज्यादातर कविताएं लवनिका जी ने ही लिखी हैं। लेकिन किताब का साइज पूरा नहीं हो पा रहा था, सो कुछ कवियों की

मदद लेनी पड़ी। किताब छप जाएगी तो लवनिका जी लेखिका की कटेगरी में आ जाएंगी। अब कवि की पत्नी को तो सरकारी खर्च पर हिंदी सम्मेलन में जाने का किराया और होटल वगैरह का खर्चा मिल नहीं सकता, लेकिन अगर कवयित्री की लिस्ट में उनका नाम आ गया तो फॉरेन ट्रिप पक्की उनकी'।

उन्होंने मुझे गूढ़ ज्ञान की बात

'जी जैसा आप कहें, लेकिन मुझे आप इन सबसे दूर ही रखें, मैं कवि की पत्नी को कवियत्री कैसे लिख सकता हूँ? मेरी भी तो छवि का नुकसान होगा'।

मैंने मन कड़ा करते हुए कहा।

'नुकसान की भरपाई हो जाएगी। चिंता मत करो। लवनिका जी की कविताएं लिखने वालों और उनकी बेहतरीन समीक्षा और मार्केटिंग करने वालों को नाम कविवर करुण क्रंदन जी ने अनुवादकों के पैनल में डालने का वादा किया है'।

उन्होंने मुझे समझाया।

'जी ये तो अनुचित है, साहित्य में शुचिता...' मेरी बात पूरी भी नहीं हो पाई कि बागड़ माहेश्वरी जी ने मुझे डांटते हुए

'धंधे में सब जायज है और कोई मेरे धंधे से खिलवाड़ करे, उस पर उंगली उठाये मुझे इससे ज्यादा नाजायज बात कोई नहीं लगती। आपको लिखना है तो लिखें, वरना बहुत हैं हमारे पास लिखने वाले। वैसे भी इस वर्ष हमें कितनी किताबें निकालनी हैं, हमने लिस्ट और टारगेट फाइनल कर लिया है। अब आप तय करो कि आपको क्या करना है, हमारे हिसाब से चलना है या...' ये कहते हुए उन्होंने

मैं जान गया कि उनके अनकहे शब्दों की धमकी का क्या मलतब था। उनकी वार्षिक प्रकाशन लिस्ट और टारगेट का क्या मतलब था?

अपने शब्दों को रोक लिया।

दो -तीन वर्षों की मिन्नत-खुशामद और चमचागीरी के बाद टलते-टलते अब जाकर मेरी किताब इस वर्ष उनके प्रकाशन से प्रकाशित होने की उम्मीद बंधी थी और अब उनकी बात न मानने का मतलब था कि इस वर्ष की उनकी प्रकाशन की लिस्ट से मेरी किताब हट जाएगी।

इस वर्ष की प्रकाशन लिस्ट से किताब के हटने का आशय था, आगामी वर्षों तक किताब के प्रकाशन का टलना और अनंत काल तक टलते जाना और फिर उनके वादे का कालातीत हो जाना और फिर वही पुराना ढर्रा, न किताब लौटाना और ना ही पांडुलिपि।

मरता क्या ना करता, हिंदी का लेखक विकल्प विहीन होता है, सो मैंने भी अपने अंधकारमय भविष्य को और भी अंधकार में जाने से बचाने के लिए हामी भरने का निर्णय किया और बागड़ माहेश्वरी साहब को मस्का लगाते हुए कहा-

'अरे साहब, आप तो तुरन्त हाइपर हो जाते हैं। अरे हम सब दोस्त हैं अगर हम सब एक करेगा को प्रोमोट नहीं करेंगे तो कौन करेगा? आप भी दोस्त हैं और करुण क्रंदन साहब भी मेरे दोस्त हैं, लवनिका चंचला जी भी मेरी भाभी हैं उनके हाथ के बनाए हुए हलुओं का स्वाद कई बार लिया है। लोग नमक का हक अदा करते हैं और हम मीठे का हक अदा कर देंगे' ये कहकर अंदर से रोते हुए भी बाहर से मैं जोरदार खोखली हँसी हँसा।

मेरे मन का रुदन मेरी खोखली हँसी तले दब गया। मेरी नकली खिलखिलाहट पर वो आश्वस्त हुए फिर

'हाँ आपकी किताब दिखवाता हं मैं, शायद प्रेस में चली गयी होगी, अगर नहीं गयी होगी, तो भिजवाता हूँ जल्द से

ये बात सुनते ही मैं पुलक उठा और हुलसते हुए पूछा-

'करुण क्रंदन जी की बीवी यानी लवनिका चंचला जी के काव्य संग्रह पर कैसे-कैसे लिखना है और कहाँ-कहाँ भेजना है, बताइये। मैं तुरन्त जुट जाता हूँ लिखने, भेजने, पोस्ट करने और शेयर करने के लिये'।

'वो सब आपको तय करने की जरूरत नहीं और लिखना भी नहीं है हमने अपने ऑफिस के लोगों से समीक्षा लिखवा ली है। थोड़ी देर में हमारा एक असिस्टेंट आपको समीक्षा और उन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मस की सूची सौंप देगा कि कहाँ -कहाँ ये समीक्षा भेजनी और पोस्ट करनी है। भेजने के बाद हमको बता देना, हम उन समीक्षाओं को प्रकाशित करवा देंगे। याद रहे कि आपको लवनिका चंचला की समीक्षा में कोई फेरबदल नहीं करनी है, सिर्फ ईमेल भेजते वक्त नीचे अपना नाम-पता और फोटो डाल देनी है, समझे ना'

ये बात उन्होंने आदेशात्मक स्वर में मुझसे कही।

'जी समझ गया'

मैंने भी आदेश लेते हुए कहा। 'वेरी गुड, ऑल द बेस्ट, अभी मेल

मिल जाएगी आपको' ये कहकर उन्होंने फोन काट दिया । मैं सोचने लगा कि लवनिका चंचला की किताब की समीक्षा प्रकाशित होने के बाद मैं किस-किस को मेल या टैग

मैंने मोबाइल रख दिया और हाथ में अपनी एक पसंदीदा किताब को लेकर निहारने लगा। नेपथ्य में कहीं एक गीत बज रहा था-

'क्या से क्या हो गया बेवफा तेरे प्यार

Sunday, 25 August 2024

O BRIEF NEWS

केशव महतो ने पूर्व विधायक से की मुलाकात



RANCHI: कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने शनिवार को पूर्व विधायक और प्रदेश कांग्रेस के पूर्व उपाध्यक्ष हरिराम बाब् से उनके आवास हरमू हाउसिंग कॉलोनी में मुलाकात की। प्रदेश अध्यक्ष ने उनके स्वास्थ का हालचाल प्राप्त किया। उनके शीघ्र स्वास्थ होने की कामना की। उल्लेखनीय कि हरिराम कई महीनों से काफी बीमार चल रहे हैं और उनके परिजनों से मिले इसके पश्चात पूर्व प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष पीएन सिंह के आवास पहुंचकर उनके चित्र पर मार्ल्यापण किया तथा उनके पुत्रों से मुलाकात की। परवेज शहजाद को बनाया गया आजाद समाज पाटी

(का.) का प्रदेश सचिव RANCHI : झारखंड में विधानसभा चुनाव को देखते हुए आजाद समाज पार्टी (का.) ने



इससे पहले भी परवेज शहजाद राजनीतिक पार्टी में बड़े पदों की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। आजाद समाज पार्टी(का.) के राष्टीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद के निर्देश पर और प्रदेश अध्यक्ष काशिफ रजा की अनुशंसा पर परवेज शहजाद को उक्त जिम्मेदारी

अभिजीत के नेतृत्व में सैकड़ों लोग लोजपा में शामिल

RANCHI: लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रदेश कार्यालय में शनिवार को मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इसमें चतरा जिला से आये हुए युवा नेता अभिजीत कुमार सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों लोगों ने पार्टी के नीति सिद्धांत को स्वीकार करते हुए पार्टी में शामिल हए। प्रदेश अध्यक्ष बिरेन्द्र प्रधान ने उनलोगों का स्वागत करते हुए पार्टी में शामिल कराया। इस मिलन समारोह में पार्टी के विभिन्न पदाधिकारी उपस्थित थे।

लायंस क्लब ने अस्पताल में खिचड़ी का किया वितरण

RANCHI: रांची के सदर अस्पताल में लायंस क्लब ऑफ रांची ग्लोबल की ओर से खिचड़ी वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर क्लब के अध्यक्ष अमित शर्मा ने कहा यह हमारा इस कार्यक्रम का पांचवा सफल सप्ताह है और हम इस तरह से पूरे साल भर सदर अस्पताल में हर शनिवार को खिचड़ी का वितरण करते रहेंगे। इस मौके पर क्लब के निवर्तमान संस्थापक सह अध्यक्ष शैलेश अग्रवाल ने कहा की खिचड़ी प्रोजेक्ट हमारा ड्रीम प्रोजेक्ट है।

कोर्ट ने पदों को भरने के लिए दो माह का समय देने के आग्रह को दुकराया

राज्य बाल संरक्षण आयोग के रिक्त पदों को एक माह में भरे सरकार : HC

झारखंड हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को सख्त निर्देश दिया है कि वह जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड (जेजे बोर्ड), चाइल्ड वेलफेयर कमिटी (सीडब्ल्यूसी) और राज्य बाल संरक्षण आयोग के रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया एक माह में पूरी करें। रिक्त पदों को भरकर सरकार शपथ पत्र के माध्यम से कोर्ट को सुचित करें।

हाई कोर्ट की खंडपीठ ने मामले के अगली सुनवाई 23 सितंबर निर्धारित की है। इससे पहले सनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से खंडपीठ को बताया गया कि जेजे बोर्ड, सीडब्ल्युसी और राज्य बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष एवं मेंबर के रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया आगे बढ़ चुकी है। कुछ पदों को भरने के लिए विज्ञापन जारी कर दिया गया है और कुछ में

अखिल भारतीय विद्यार्थी रांची

महानगर के कार्यकताओं ने

झारखंड के रांची के चान्हो एवं

साहिबगंज जिले में नाबालिग

आदिवासी लड़की के साथ दुष्कर्म

के आरोपियों को हेमंत सोरेन

सरकार द्वारा संरक्षण दिए जाने का

आरोप लगाया है। साथ ही इसके

विरोध में शनिवार को पुतला दहन

कर आक्रोश प्रदर्शित किया।

विद्यार्थी परिषद के कार्यकताओं ने

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी

अबुआ आवास योजना में

गड़बड़ी को लेकर सीएम

को सौंपा गया ज्ञापन

RANCHI: शनिवार

छात्राओं की आबरू बचाने

में हेमंत सरकार विफल



स्क्रुटनिंग का काम भी हो रहा है। रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया पूरी होने में दो माह का समय लग जाएगा। कोर्ट ने दो माह का समय देने के राज्य सरकार के आग्रह को नामंजर करते हुए रिक्त पदों को प्रक्रिया एक माह में पूरी करने का निर्देश दिया है। दरअसल, हाई कोर्ट की खंडपीठ झारखंड में जेजे बोर्ड, सीडब्ल्यूसी व राज्य

एवं मेंबर के रिक्त पदों को लेकर दायर बचपन बचाओ आंदोलन की जनहित याचिका की सनवाई कर रही है। पूर्व की सुनवाई में प्रार्थी की ओर से शपथ पत्र दायर कर बताया गया था कि जेजे बोर्ड. सीडब्ल्यूसी में अभी तक 152 पद ही भरे जा सकते हैं, 184 पद अभी भी रिक्त है। वहीं, सीडब्ल्यूसी और जेजे बोर्ड का सोशल ऑडिट भी किया जाना है।

कांग्रेस के झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर आज आएंगे रांची, करेंगे बैठक

RANCHI: अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के महासचिव सह झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर एक दिवसीय दौरे पर 25 अगस्त को रांची बिरसा मुण्डा एयरपोर्ट पहुंचेंगे। इसके बाद प्रदेश कांग्रेस की ओर सेआयोजित कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। इस संबंध में शनिवार को प्रदेश कांग्रेस मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने बताया की झारखंड प्रभारी 10.45 बजे रांची परिसदन में कांग्रेस विधायक दल की बैठक में शामिल होंगे। इसके बाद 12.30 बजे कांग्रेस भवन में वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं की बैठक, दो बजे जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्षों की बैठक, 3.30 बजे अग्रणी संगठन और विभाग प्रकोष्ठ के अध्यक्षों की बैठक में झारखंड प्रभारी शामिल रहेंगे। फिर उसी दिन शाम को रांची से दिल्ली के लिए रवाना हो जायेंगे।

एनटीपीसी के निदेशक अनिल जदली ने संभाला कार्यभार

PHOTON NEWS RANCHI: अनिल कुमार जदली ने शनिवार

महाविद्यालय, विमेंस कॉलेज,

डोरंडा महाविद्यालय, सुरज सिंह

मेमोरियल महाविद्यालय, राम

लखन सिंह यादव महाविद्यालय के

कैंपस से परिसर के मुख्य द्वार तक

आक्रोश मार्च निकाला और

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला

दहन किया। सुरक्षित महिला

खुशहाल झारखंड के संकल्प के

साथ विद्यार्थी परिषद के सभी

शैक्षणिक परिसर में प्रदर्शन का

नेतृत्व छात्राओं ने ही किया।

अबुआ आवास योजना के क्रियान्वयन में कांके प्रखंड को एनटीपीसी के निदेशक के रूप में कार्यभार संभाल लिया। उन्होंने में व्यापक धांधली एवं 1993 में एनटीपीसी से अपने भ्रष्टाचार की जांच कराने को करियर शुरू की थी। अनिल कुमार लेकर सामाजिक कार्यकताओं जदली एग्जीक्यूटिव ट्रेनी के रूप में ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को कंपनी से जुड़े और वर्तमान में वह ज्ञापन सौंपा। बताया गया कि कांके प्रखंड में अबुआ मानव संसाधन कार्य के शीर्ष पद पर आवास योजना में चयन हैं। उन्होंने गढ़वाल विश्वविद्यालय नियम विरुद्ध किया गया है। से कार्बनिक रसायन विज्ञान में विभिन्न पंचायतों में अबुआ स्नातकोत्तर (पीजी) किया है। आवास योजना में हुई धांधली एमडीआई, गुड़गांव से मानव और भ्रष्टाचार का पूरी विवरण संसाधन प्रबंधन में व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा की डिग्री साक्ष्यों के साथ सौंपा। प्रतिनिधिमंडल में सरफराज प्राप्त की है। उन्हें ईएससीपी-ईएपी (पेरिस, बर्लिन और ट्यूरिन) से अंसारी, मो. रेहान,जफ्फर अंसारी,अर्पणा बाड़ा, सोनी प्रबंधन और नेतृत्व प्रशिक्षण इनपुट देवी, महेंद्र सिंह, पप्पू खान भी मिला है। उनका तीन दशकों का करियर काफी शानदार रहा है।



लगभग एक दशक तक लाइन फंक्शन में काम करने के बाद 2004 में उन्होंने एचआर फंक्शन में काम करना शुरू किया था। इसके बाद उन्होंने एचआर प्रमुख सहित विभिन्न पदों पर एनटीपीसी की विभिन्न परियोजनाओं में सेवा दी। इसके बाद साल 2020 में वो कॉपोर्रेट एचआर में चले गये, जहां उन्होंने विभिन्न एचआर रणनीतियों को लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

फांसी की सजा को आजीवन कारावास में बदला

झारखंड हाई कोर्ट ने चाईबासा की निचली अदालत द्वारा 30 जनवरी को चचेरे भाई की हत्या मामले में सालुका हेंब्रम को सुनाई गई फांसी की सजा को कंफर्म करने को लेकर राज्य सरकार की अपील एवं अपीलकर्ता सालुका हेंब्रम की अपील पर शनिवार को फैसला सनाया है। हाई कोर्ट की खंडपीट ने हत्या के दोषी सालका हेंब्रम की फांसी की सजा को संशोधित करते हुए उसे आजीवन कारावास में बदल दिया। अपने आदेश में खंडपीट ने कहा कि यह घटना नशे की हालत में की गई थी जो रेयरेस्ट का रेयर की श्रेणी में नहीं आता है। अपीलकर्ता का कोई आपराधिक इतिहास भी नहीं है और वह समाज के लिए खतरा भी नहीं है। अपीलकर्ता सालुका हेंब्रम ने चाईबासा की निचली अदालत द्वारा दोषी करार दिए जाने और फांसी की सजा सुनाए जाने के आदेश को हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। चाईबासा कोर्ट ने फांसी सजा के साथ-साथ सालुका हेंब्रम पर एक लाख रुपये का जुमार्ना भी लगाया था।

दुष्कर्म मामले में दोषी को 20 साल की सजा

पॉक्सो के विशेष न्यायाधीश आसिफ इकबाल की अदालत ने शनिवार को नाबालिंग से दष्कर्म मामले के दोषी नगड़ी निवासी मार्टिन तिर्की को 20 साल कैद का कठोर कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही उस पर 10 हजार रुपयेका जुमार्ना लगाया है। जुमार्ना नहीं देने पर अतिरिक्त छह माह की सजा काटनी होगी। अदालत ने उसे 21 अगस्त को दोषी करार किया था। आरोपित पर नाबालिंग के साथ दुष्कर्म करने का आरोप था। घटना को लेकर पीड़िता के परिजन ने नगड़ी थाना में 2019 में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। अदालत में सुनवाई के दौरान पीड़िता, उसकी मां, डॉक्टर, जांच अधिकारी सहित आढ गवाहों को अभियोजन की ओर से प्रस्तुत किया गया था।

मनरेगा योजना में गड़बड़ी पर लगेगी लगाम

ग्रामीण विकास विभाग ने तैयार की गाइडलाइन



PHOTON NEWS RANCHI:

मनरेगा योजना में गड़बड़ियों को रोकने के लिए ग्रामीण विकास विभाग ने गाइड लाइन तैयार की है। साथ ही तय गाइड लाइन के हिसाब से जिलों से रिपोर्ट मांगी है। ग्रामीण विकास विभाग के संयुक्त सचिव अरुण कुमार सिंह ने सभी जिला के उपायुक्तों को पत्र लिख कर गड़बड़ी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा है। गाईडलाइन के अनुसार जॉब कार्ड, काम की मांग का पंजीयन नहीं होना, योजना के चयन और क्रियान्वयन में गड़बड़ी करना, काम के स्थान पर सुविधा न होना, मजदूरी और सामग्री खरीद में की जाने वाले गडबडी, काम के स्थान

पर दुर्घटना के बाद मजदुरों को मुआवजा देने में देरी, शिकायत निपटारे में देरी जैसे मामले के जिम्मेवारों पर जुमार्ने की राशि तय किया गया है। जॉब कार्ड को लेकर अक्सर यह शिकायत मिलती है कि इसे जारी करने के लिए पैसे की मांग की जाती है। अगर इस तरह के आरोप सत्य पाये जाएंगे तो रोजगार सेवक से लेकर प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) तक पर कार्रवाई होगी। जॉब कार्ड को लेकर होने वाली अनियमितता को लेकर रोजगार सेवक, पंचायत सचिव, मखिया, तकनीकी सहायक, वीडियो,

कमांड कंट्रोल एंड कम्युनिकेशन सेंटर का बढ़ाया जाएगा दायरा, नए इलाकों में लगाएं कैमरे : सुनील

PHOTON NEWS RANCHI:

नगर विकास विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने कहा कि स्मार्ट सिटी का कमांड सेंटर अत्याधुनिक आईटी आधारित उपकरणों पर कार्य कर रहा है और इसमें मैनुअल इन्टरवेंशन न के बराबर है इसलिए इसका अधिक से अधिक उपयोग कैसे हो इस ओर पदाधिकारी ध्यान दें। रांची स्मार्ट सिटी एबीडी क्षेत्र के जुपमी भवन स्थित कमांड कंट्रोल एंड कम्युनिकेशन सेंटर का निरीक्षण करते हुए सचिव नें ये बात कही। उन्होंनें कमांड सेंटर से रेगुलेट हो रही रांची शहर की यातायात प्रबंधन, पुलिस सर्विलांस, एसओएस, ईसीबी, वीएमएसबी, पीए सिस्टम सहित कई अन्य महत्वपूर्ण उपकरणों की जानकारी ली। प्रधान सचिव सह प्रबंध

युवती की अश्लील फोटो

भेजकर मांगी रंगदारी

RANCHI : रांची के लोअर बाजार

थाना निवासी एक युवती की



दायरा बढ़ रहा है वैसे में जरुरी है कि जो क्षेत्र कैमरों या अन्य उपकरणों से अच्छादित नहीं हैं वहां भी कैमरे और टैफिक कंटोल से संबंधित उपकरण लगाए जाएं। उन्होंने कहा कि अब ऑनलाईन चालान को सीधे नियम तोडनेवाले संबंधित व्यक्ति को एआई के

मैनुअल इंटर्वेशन नहीं होना चाहिए। सीईओ ने बताया कि अब चालान एआई के माध्यम से सीधे यातायात नियम तोड़नेवाले के मोबाईल पर जाता है। इस सेंटर का अपना रेवेन्यू मॉडल हो इसको लेकर आप बैरिएबल मैसेज साईन बोर्ड और ऑडियो सिस्टम पर

विज्ञापन का प्रसारण कर सकते हैं। सचिव ने कहा कि राज्य सरकार ऐसा सेंटर प्रदेश के कुछ बड़े शहरों में स्थापित कर सकती है। इस मौके पर रांची स्मार्ट सिटी के सीईओ अमित कुमार ने सचिव को बताया कि पिछले तीन वर्षों से ये कमांड सेंटर रांची की यातायात प्रबंधन को रेगुलेट कर रहा है इसके साथ साथ शहर में अपराध नियंत्रण और अपराध के उद्भेदन में इसका पूरा सहयोग रांची पुलिस को मिल रहा है। निरीक्षण के दौरान रांची स्मार्ट सिटी कॉरपोरेशन के सीईओ अमित कुमार,महाप्रबंधक तक्नीकी राकेश कुमार नंदक्योलियार,पीआरओ अमित कमार, हॉनीवेल ऑटोमेशन लि. के प्रबंधक अतल अग्रवाल. स्मार्ट सिटी के प्रबंधक उत्कर्ष कुमार, स्मार्ट सिटी के अंजनी दुबे और सतीश कुमार मौजूद रहे।

जनता को पांच साल का हिसाब दें हेमंत : बाबलाल

PHOTON NEWS RANCHI:

अश्लील तस्वीर सोशल मीडिया में बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल अपलोड नहीं करने के एवज में उससे 50 हजार की रंगदारी मांगी मरांडी ने सीएम हेमंत सोरेन पर गई है। इस संबंध में पीड़िता ने सुरेंद्र निशाना साधा है। उन्होंने एक्स पर भरत नामक शख्स को आरोपी पोस्ट कर कहा कि हेमंत सोरेन या तो बनाते हुए साइबर थाने में उसके माफी मांगे, या तो प्रदेश की जनता को खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी है। 5 साल का हिसाब दें। बाबलाल ने आगे लिखा है कि युवा आक्रोश रैली पीड़िता ने आवेदन में आरोप लगाया के जरिये प्रदेश में लाखों यवाओं-है कि सात अगस्त को उसके व्हाट्सऐप नंबर पर सुरेंद्र ने एक बेरोजगारों को नौकरी और रोजगार फोटो भेजी। तस्वीर उनकी थी। का हक दिलाने के लिए लड़ाई की आरोपी ने उसकी फोटो को एडिट शुरूआत की गयी। हेमंत सोरेन ने युवाओं को ना तो 5 लाख नौकरी दी, करके अश्लील बनाकर भेजा था। उसने आरोपी से फोटो डिलीट करने ना ही राजनीति से संन्यास लिया। को कहा तो आरोपी ने उससे 50 युवाओं के आक्रोश को देखकर डर चके हेमंत वादाखिलाफी के लिए हजार रुपए की मांग की। धमकी भी युवाओं से माफी मांगे। बाबुलाल ने दी कि पैसे नहीं देने पर वह उसकी इस फोटो को सभी सोशल मीडिया एक्स पर एक अन्य पोस्ट में लिखा प्लेटफॉर्म पर अपलोड कर देगा।



आपत्तिजनक वक्तव्य संज्ञान में आया है। इनकी बातों को सुनकर लगता है कि ये राजनीतिक पर्वाग्रह से ग्रसित हैं और अपनी जिम्मेदारियों को छोड़कर झाममो कार्यकर्ता की तरह काम कर रहे हैं। तस्वीरों में साफ देखा जा सकता है कि हेमंत सोरेन की पत्थरबाज पुलिस ने निहत्थे महिलाओं और युवाओं पर अंधाधुंध पत्थर बरसा कर उन्हें गंभीर रूप से जख्मी करने और उकसाने का प्रयास किया।

कल रोहिणी नक्षत्र व सर्वार्थ सिद्धि योग में मनाई जाएगी जन्माष्टमी

RANCHI: भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि (26 अगस्त) के दिन भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस तिथि को रात्रि 12 बजे भगवान का जन्म रोहिणी नक्षत्र के साथ होगा, जो हर्षण योग और जयंत योग के साथ मिलने से बेहद खास होगा। इन दुर्लभ संयोग के कारण जन्माष्टमी का व्रत रखने वाले भक्तों के लिए यह बेहद पुण्यदायी होगा। इस संबंध में शनिवार को पंडित मनोज पांडेय ने कहा कि यह अद्भुत संयोग हैं। उन्होंने कहा कि द्वापर में यही दुर्लभ संयोग बना था। रात 12 बजे जन्म के साथ ही चंद्रमा वृष राशि में और सूर्य सिंह राशि विराजमान थे। इस बार भी हर्षण योग और जयंत योग से इस पौराणिक घटना की पुनरावृत्ति हो रही है।

महिला पुलिस सम्मेलन के दूसरे दिन अंतरराष्ट्रीय तीरंदाज और कोच बोली-

चुनौतियों से लड़ेंगे, तभी आगे बढ़ पाएंगे : पूर्णिमा महतो

महिला पुलिस सम्मेलन के दूसरे दिन शनिवार को अंतरराष्ट्रीय तीरंदाज और कोच पूर्णिमा महतो ने सभी महिला पुलिस कर्मियों से कहा कि वे जीवन में आने वाली चुनौतियों से घबरायें नहीं। खेल के क्षेत्र में भी बहुत सारी चुनौतियां हैं। चुनौतियों से लड़ेंगे, तभी आगे बढ़ पाएंगे। तभी देश के लिए मेडल ला पाएंगे, जिससे देश का और झारखंड का नाम रोशन होगा। उन्होंने कहा कि बच्चों को छोटी उम्र से ही प्रेक्टिस करना शुरू कर देना चाहिए। झारखंड पुलिस से बहुत कम बच्चे खेल में जा रहे हैं। हमें उन्हें प्रोत्साहित करना है। महतो स्पोर्ट्स में महिलाओं की चुनौतियां एवं समाधान पर बोल रही थीं। उन्होंने कहा कि उनका बहुत कम उम्र में ही खेलों के प्रति रुझान था।



एवं अन्य लोग थे।



अवार्ड से भी नवाजा गया। उन्होंने खेल को बढ़ावा मिल सके। स्पोर्ट्स कोटा से आई महिला पुलिस ओर, जनप्रतिनिधि और पुलिस विषय पर कर्मियों से कहा कि वे ड्यूटी के साथ स्पोर्ट्स में भी अपनी भूमिका परिचर्चा करते हुए गुमला के बनाएं, ताकि स्पोर्ट्स के जरिए देश दुधिया, भरणो ग्राम पंचायत की और झारखंड का नाम भी रौशन हो। मुखिया रश्मि लकड़ा ने पंचायत पूर्णिमा महतो से प्रतिभागियों ने प्रतिनिधि की भूमिका के बारे में सवाल भी पूछे तथा उनसे सुझाव कहा कि हम जनप्रतिनिधि का लिये। प्रतिभागियों ने कहा कि खेल उद्देश्य है कि सरकार की योजनाओं

• फोटोन न्यूज का लाभ जरूरतमंद व्यक्ति तक जरूर पहुंचे। जनप्रतिनिधि स्थानीय लोगों के साथ नियमित संपर्क में रहते हैं और उनकी समस्याओं और जरूरतों को समझते हैं। कहा कि पंचायत जनप्रतिनिधि और पुलिस के बीच आपसी सहयोग से अपराध के घटनाओं में कमी लाई जा सकती है। पंचायत प्रतिनिधि स्थानीय स्तर पर हो रहे अपराधों की सूचना दे

सकते हैं ताकि पुलिस अपनी कार्रवाई कर सके। पंचायत प्रतिनिधि गांव में होने वाली बैठक में पुलिस की भूमिका को सुनिश्चित कर सकते हैं। इससे गांव के लोग पुलिस के सामने बेझिझक अपनी बात रखें। जनप्रतिनिधि के सहयोग से पुलिस नशा मुक्ति, डायन बिसाही, बाल विवाह और बालश्रम जैसी कुप्रथायों पर भी रोक लगा सकते हैं। पलामू की नवाडीह प्रखण्ड की ज्योति सोरेन ने कहा कि जनप्रतिनिधियों के कारण ग्रामीणों को सरकारी सेवाओं का लाभ मिलने लगा है। उन्होंने खुद पहल करते हुए ग्रामीणों के लिए पेंशन की सुविधा, राशनकार्ड, पशुधन विकास योजना तालाब निर्माण योजना जैसे सरकारी योजनाओं का

आसू गैस और लाटीचार्ज के खिलाफ भाजपा कार्यकर्ताओं ने फूंका पुतला

भारतीय जनता युवा मोर्चा के पूर्व घोषित कार्यक्रम आक्रोश महारैली में भाजपा कार्यकताओं को पुलिस प्रशासन की तरफ से जगह-जगह पर कंटीली बैरिकेडिंग लगा कर सभा स्थल तक पहुचने से रोकने और आंसू गैस, वाटर कैनन और लाठीचार्ज के विरोध में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के निर्देश पर पूरे झारखंड में भाजपा कार्यकताओं द्वारा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन किया गया। इसी कड़ी में कांके पुलिस स्टेशन के नजदीक लक्ष्मण चौक के समीप कांके, पिठोरिया और मेसरा मंडल के बैनर तले सैकड़ों भाजपा कार्यकताओं ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन किया गया। मौके पर भाजपा कार्यकताओं द्वारा हाथों पर तख्ती लेकर पुलिस प्रसाशन और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की गई। मौके



मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला फूंकते भाजपा कार्यकर्ता। पर मौजूद भाजपा प्रदेश कार्यसमिति

सदस्य अनिल टाइगर ने कहा कि राज्य सरकार की वादाखिलाफी, बेरोजगारी, किसानों, युवाओं को रोजगार जैसे मुद्दों को लेकर भारतीय जनता युवा मोर्चा के बैनर तले पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत पूरे राज्य से कार्यकर्ता शांतिपूर्ण तरीके से राजधानी रांची पहुंच रहे थे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से कांके मंडल अध्यक्ष प्रभात भूषण, पूर्व अध्यक्ष रामलखन मुंडा, निसबलाल महतो, इम्तियाज अहमद मंडल,

पिठौरिया मंडल अध्यक्ष गोपाल महतो, मेसरा मंडल अध्यक्ष महानंद महतो, रणधीर केशरी, पूर्व राजा महतो, मुकेश यादव,लक्ष्मण साहू, संजीत सिंह, अनुज कुमार, बिहारी यादव, शंकर महतो, सुरेंद्र गोप, पुरुषोत्तम दास गोस्वामी, सूचित सिंह, हरे कृष्णा महतो, सुषमा देवी, बनिता, मेहता, उदय कुमार, चेतन ठाकुर, शिव चरण करमाली, सलखु महतो, अविनाश चौबे, तुलसी महतो और अन्य अनेक कार्यकर्ता मौजूद थे।

समाचार सार

गायत्री परिवार के भाई-बहनों ने मनाया सामूहिक रक्षाबंधन



JAMSHEDPUR : भालुबासा स्थित गायत्री ज्ञान मंदिर में शनिवार को गायत्री परिवार प्रज्ञा महिला मंडल व नवयुग दल युवा मंडल द्वारा सामूहिक रक्षाबंधन मनाया गया। इस अवसर पर रूबी शर्मा, आरपी शर्मा, रेखा शर्मा, मंजू मोदी, गुरुदेव महतो, मुन्ना पांडे, प्रांतीय युवा प्रकोष्ठ झारखंड के समन्वरक संतोष कमार राय आदि सकिय रहे। समन्वयक संतोष कुमार राय आदि सक्रिय रहे।

बिरसानगर में 17 पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ युवक अरेस्ट

JAMSHEDPUR : बिरसानगर थाना अंतर्गत गुड़िया मैदान के पास पुलिस ने करन कुमार नामक युवक को 17 पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया है। शनिवार को सिटी डीएसपी सुधीर कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सचना मिली थी कि एक युवक गुड़िया मैदान में ब्राउन शुगर बेच रहा है।

कैट के राष्ट्रीय संयुक्त महासचिव चुने गए सुरेश सोंथालिया

JAMSHEDPUR: कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की दोदिवसीय बैठक नागपुर में 21-22 अगस्त को हुई। इसमें पूर्व राष्ट्रीय सचिव सुरेश सोंथालिया राष्ट्रीय संयुक्त महासचिव चुने गए। वहीं शहर के ही व्यवसायी किशोर गोलछा राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य चूने गए। राउरकेला के बृजमोहन अग्रवाल को चैयरमैन, नागपुर के बीसी. भरतिया को अध्यक्ष एवं चांदनी चौक दिल्ली के सांसद प्रवीण खंडेलवाल को महासचिव चुना गया। बैठक को पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने भी संबोधित किया।

टाटा-थावे व टाटा-कटिहार अब बड़हिया में रुकेगी

JAMSHEDPUR : ईस्ट सेंट्रल रेलवे ने टाटानगर से चलने वाली दो ट्रेनों का अस्थायी ठहराव बड़हिया स्टेशन पर दिया है। रेलवे के सर्कुलर के मुताबिक टाटा-थावे-टाटा एक्सप्रेस और टाटा-कटिहार-टाटा एक्सप्रेस को 27 अगस्त से ठहराव दिया गया है। बडहिया स्टेशन पर टिकट की बिक्री भी जल्द शुरू होगी।

आज भी खुले रहेंगे सभी सरकारी व प्राइवेट स्कूल

JAMSHEDPUR/RANCHI: पल्स पोलियो अभियान के तृतीय चरण को लेकर रविवार को राजधानी रांची व जमशेदपर समेत राज्य भर में सभी सरकारी, प्राइवेट एवं सभी कोटि के स्कूल खुले रहेंगे। इस संबंध में राज्य सरकार के प्रभारी सचिव उमाशंकर सिंह ने आदेश जारी किया है। स्कूलों के प्रधानाध्यापक व शिक्षक-शिक्षिकाओं से कहा गया है कि स्कूल आम दिनों की ही तरह संचालित होंगे। प्रार्थना सभा, ब्लैक बोर्ड का उपयोग एवं शिक्षक-अभिभावक सम्मेलन भी होगा, ताकि अभियान का यथासंभव

25 दिवसीय पेपर मेसी प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्घाटन

KHUNTI: मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम बोर्ड द्वारा 25 दिवसीय पेपर मेसी प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्घाटन शनिवार को किया गया। प्रशिक्षण में आवेदकों को पेपर से बननेवाली मूर्तिकला का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अल्मा मेटर एजेंसी द्वारा एक विशेष पेपर मेसी प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। कार्यशाला का उद्देश्य कला प्रेमियों को पेपर मेसी कला की तकनीकों और विधियों के बारे में जानाकारी देना है।

ट्रेन से उतरने के क्रम में हॉकर के दोनों पैर कटे

JAMSHEDPUR : परसुडीह थाना क्षेत्र के मखदुमपुर मुंशी मोहल्ला निवासी हॉकर सुनील साव का ट्रेन से उतरने के क्रम में पैर कट गया। वह शनिवार सुबह करीब 9.30 बजे के आसपास बादामपहाड़-टाटा सवारी गाड़ी में पेप्सी-पानी वगैरह बेच रहा था। इसी दौरान गाड़ी का सिग्नल हो गया और गाड़ी चलने लगी और उतरने के प्रयास में वह टाटानगर वाशिंग लाइन के पास गिर गया, जिससे उसका दोनों पैर कट गया।

हल्दीपोखर में पकडाया करीब 400 किलो प्रतिबंधित मांस

JAMSHEDPUR: पूर्वी सिंहभूम जिला के हल्दीपोखर स्थित कोवाली थाना अंतर्गत रसुनचोपा गांव में शनिवार को करीब 400 किलो प्रतिबंधित मांस पकड़ा गया, जो छोटे टक में ढंक कर ले जाया जा रहा था। ग्रामीणों के सहयोग से विहिप की टीम ने वाहन, वाहन चालक और प्रतिबंधित मांस को पकड़कर प्रशासन को सौंप दिया। इस मौके पर सिंहभूम विभाग गौ रक्षा प्रमुख मंटू दुबे, बजरंग दल सह संयोजक चंदन दास, जिला पार्षद सुरज मंडल तथा अन्य सहयोगी उपस्थित थे।

जमशेदपर में 440 स्कूली बच्चों में साइकिल वितरित



JAMSHEDPUR : झारखंड सरकार के कल्याण विभाग द्वारा संचालित उन्नति का पहिया साइकिल वितरण योजना के तहत मंत्री बन्ना गुप्ता ने मानगो के गांधी मैदान में आयोजित

साइकिल का वितरण किया। इस मौके पर उप विकास आयुक्त मनीष कुमार,

अपर नगर आयुक्त रंजीत लोहरा तथा स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

JAMSHEDPUR: कांग्रेस नेता व पर्व सांसद डॉ. अजय कमार ने शनिवार को परिसदन में आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि भुइयांडीह की बस्तियों को तोड़ने वाले मामले की शिकायत भाजपा ने ही एनजीटी में की थी। 30 अगस्त 2023 को तत्कालीन केंद्रीय मंत्री अर्जन मंडा ने अवैध अतिक्रमण के खिलाफ नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की नई दिल्ली पीठ में शिकायत की थी। इसके बाद मामला एनजीटी, कोलकाता पीठ को स्थानांतरित कर दिया गया। डॉ. अजय ने कहा कि भाजपा ने शुरू से ही जमशेदपुर के लोगों को ठगने का काम किया है।

क्या होगा अगला कदम

हुए हैं। सरायकेला में शनिवार

कोल्हान टाइगर कहे जाने वाले राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो चम्पाई सोरेन फिलहाल राजनीति फिलहाल चम्पाई सोरेन अपने क्षेत्र में के चौराहे पर खड़े हैं। वरिष्ठ नेता भ्रमण कर अपनी राजनीतिक शक्ति के अगले कदम पर सबकी का आकलन कर रहे हैं। अपने कार्यक्रमों में आ रही जनता की भीड़ निगाहें लगी हुई हैं। फिलहाल के जरिए वह भविष्य की रणनीति चम्पाई सोरेन और झारखंड मुक्ति तय करने में जुटे हैं। इससे पहले वह मोर्चा दोनों वेट एंड वॉच की अपनी ही पार्टी के कुछ विधायकों से स्थिति में हैं। चम्पाई सोरेन ने धोखा खा चुके हैं। लिहाजा वह अब तक झारखंड मुक्ति मोर्चा की अपनी राजनीति का अगला कदम प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफे की फुंक-फुंक कर रखना चाहते हैं। वह झाममो और सरकार के आधिकारिक घोषणा नहीं की है। अनुशासनात्मक कार्रवाई का इंतजार

उन्होंने राज्य मंत्रिमंडल के कर रहे हैं। जाहिर है अगर पार्टी उन्हें मंत्री पद से भी त्यागपत्र नहीं बर्खास्त करती है तो वह जनता के बीच दिया है। वे सरकारी लाव-इस मुद्दे पर सहानुभृति बटोर सकते हैं। लश्कर लेकर गांव-गांव घूम रहे वहीं झारखंड मुक्ति मोर्चा चम्पाई के मौजूदा जनाधार पर निगाह बनाए हुए है। हैं। वहीं झारखंड मक्ति मोर्चा भी खुली बगावत के बावजूद अपने है। दोनों खेमे एक-दूसरे वरिष्ठ नेता पर सीधी कार्रवाई से अगले कदम पर निगाहें बनाए

कोल्हान टाइगर और झामुमो दोनों वेट एंड वॉच की स्थिति में

चौराहे पर खड़े चम्पाई, नहीं छूट रहा मंत्री

पद का मोह, एनडीए में होगी लेटरल इंट्री!

कार्यकर्ताओं के साथ पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन।

चम्पाई सोरेन और झामुमो की तरह ही फिलहाल भाजपा भी इस मुद्दे पर देखने और इंतजार करने की रणनीति पर आगे बढ़ रही है। पार्टी के वरिष्ठ नेता चम्पाई सोरेन की राजनीतिक ताकत और उपयोगिता के सवाल पर भगवा ब्रिगेड का शीर्ष नेतृत्व चिंतन मनन कर रहा है। मुख्य विपक्षी दल भाजपा सत्ताधारी दल के कदम पर निगाह बनाए हुए है। अगर झामुमो चम्पाई पर कार्रवाई करता है तो आने वाले

चुनाव में वह मुख्य विपक्षी दल को बैठे बिठाए बड़ा मुद्दा मिल सकता है।

चम्पाई का कद आंक रही भाजपा

संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने एक बार फिर झामुमो नेतत्व पर निशाना साधा। चम्पाई

कार्यकाल भ्रष्टाचार मुक्त रहा। विभागों में भ्रष्टाचार मुक्त कार्य हुए। शायद यही

आलाकमान को पसंद नहीं

• फोटोन न्यूज

रेलवे कॉलोनी के अंदर बसी रेल क्षेत्र की स्लम बस्तियों को तोड़ने के लिए नोटिस देना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में कानी हाउस क्षेत्र को भी रेलवे ने खाली करने का नोटिस जारी किया है। रेलवे ने कानी हाउस के लोगों को जरुरी दस्तावेज के साथ अपना पक्ष रखने के लिए रेलवे एस्टेट कार्यालय में 27 अगस्त को उपस्थित होने को कहा है। इस बस्तीवासियों की नींद उडी हुई है। कानी हाउस बस्ती के लोग पूर्व वार्ड पार्षद राजा प्रसाद के नेतृत्व में शनिवार को सांसद जोबा माझी से मिले। उन्होंने सांसद को बताया कि वे सभी परिवार वर्षों से यहां झोपड़ी बनाकर रह रहे हैं। रोजगार का अच्छा साधन भी नहीं है कि कहीं भाड़े का घर ले सकें। सांसद ने उन्हें आश्वस्त किया कि उन्हें बेघर

सुदेश व जयराम के लिए उपयोगी हो सकते टाइगर

भाजपा और झामुमो का दरवाजा बंद होने के बाद चम्पाई सोरेन सुदेश महतो और जयराम महतो के लिए राजनीतिक रूप से उपयोगी साबित हो सकते हैं। सुदेश महतो की ओर से चम्पाई सोरेन को लेकर दिए गए हालिया बयान से यह अनमान भी लगाया जा रहा है। आजसू के जरिए चम्पाई की एनडीए में लेटरल इंट्री हो सकती है। वहीं जयराम महतो की पार्टी झारखंड लोकतांत्रिक कांतिकारी मोर्चा भी अगले विधानसभा चुनाव में चम्पाई को अपने साथ जोड़कर कोल्हान में अपनी

आया, इसलिए बेइज्जत कर कुर्सी से उतार दिया। अब जनता के समर्थन से दोबारा मजबत राजनीति करनी है।

मौजूदा स्थिति को कहीं अधिक

मजबूत कर सकता है।

चम्पार्ड सोरेन पर चढ़ा भगवा रंग

झारखंड विधानसभा चुनाव से पहले सरायकेला में झाममों के नेता व सरायकेला-खरसावां के जिला परिषद अध्यक्ष सोनाराम बोदरा ने चम्पाई सोरेन के साथ चलने का ऐलान कर दिया है। वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन पर भगवा रंग चढ़ता दिख रहा है। झारखंड की राजनीति में नया अध्याय लिखने चले चम्पाई सोरेन के कटआउट का बैकग्राउंड भगवा हो गया है। होर्डिंग भी भगवा रंग के ही हैं। होर्डिंग में सिर्फ चम्पाई सोरेन जिंदाबाद लिखा है। कटआउट लगाने वाले का नाम नहीं है। सरायकेला के टाउन हॉल में आयोजित कार्यक्रम में भी चम्पाई सोरेन के कटआउट का बैकग्राउंड भगवा ही था। यहां बने फव्वारे से भी भगवा रंग का पानी निकल रहा था। कार्यक्रम में भगवा रंग देखकर सभी चकित हैं। चारे ओर इसकी चर्चा हो रही है। लोगों में चर्चा इस बात की है कि चम्पाई दादा भाजपा के

साथ जाएंगे या नहीं।

मारुति शोरूम पर फायरिंग करने के रेलवे ने बस्ती को तोड़ने मामले में हथियार के साथ दो अरेस्ट

बिष्टुपुर थाना अंतर्गत के. रोड स्थित मारूति शोरूम के बाहर फायरिंग करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में सिदगोड़ा निवासी आलोक कुमार शर्मा और पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले के लिलुआ थाना क्षेत्र निवासी वीर सिंह शामिल है। वहीं मुख्य सरगना सिदगोड़ा निवासी प्रभास सिंह का इलाज टीएमएच में पुलिस की निगरानी में चल रहा है। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने घटना में प्रयुक्त देसी कट्टा और छह गोली व एक देसी पिस्टल भी बरामद किया गया है। इस मामले में दो अन्य आरोपी फरार चल रहे हैं।

बच रही है। अब तक उन्हें मंत्री

BIRENDRA OJHA @ JSR

शनिवार को एसएसपी किशोर कौशल ने बताया कि 17 अगस्त को बिष्टुपुर स्थित मारूति शोरूम के बाहर फायरिंग की गई थी। जांच के

PHOTON NEWS GHATSHILA:

पूर्वी सिंहभूम जिले के घाटशिला



गया था। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर बंगाल, बिहार और आसपास के क्षेत्रों में छापेमारी की। छापेमारी के दौरान वीर सिंह और आलोक को पकड़ा गया। पुलिस ने प्रभास को भी पकड़ा पर उसकी तबीयत खराब होने की वजह से उसे टीएमएच में भर्ती कराया गया है। एसएसपी ने

बताया कि प्रभास का प्लान था कि बिष्टुपुर में फायरिंग कर व्यवसायियों से रंगदारी मांगी जाए। प्रभास और वीर एक दूसरे से परिचित थे। दोनों ने अन्य साथियों के साथ मिलकर शोरूम के बाहर फायरिंग की। इसके बाद वीर सिंह के नाम पर व्यवसायियों से रंगदारी मांगना शुरू किया। इसे लेकर कदमा, साकची और उलीडीह थाना में रंगदारी मांगने की प्राथमिकी दर्ज की गई है।

का जारी किया नोटिस CHAKRADHARPUR

चक्रधरपुर रेल मंडल ने चक्रधरपुर

विभूतिभूषण बंद्योपाध्याय की जयंती पर होंगे कई कार्यक्रम



जानकारी देते आयोजन समिति के अध्यक्ष तापस चटर्जी व अन्य। 🌘 फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS GHATSHILA: पूर्वी सिंहभूम जिले के घाटशिला अनुमंडल अंतर्गत दाहीगोड़ा स्थित गौरीकुंज परिसर में बंगाल के कथाकार विभृतिभूषण बंद्योपाध्याय की 130वीं जयंती पर कई कार्यक्रम होंगे। विभूति बाबू के आवास गौरीकुंज में शनिवार को प्रेस वार्ता में आयोजन समिति के अध्यक्ष तापस चटर्जी ने बताया कि कार्यक्रम 12 सितंबर को सुबह 10 बजे आरंभ होगा, जिसमें विभृतिभृषण की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी। इसके बाद उपन्यास ह्यचांदेर पहाड़ह्न पर पोस्टर

साकची के होटल में एसडीओ ने मारा छापा

कंपटीशन, विभृति बाबू का पोट्रेट, नृत्य, सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि होंगे। कोलकाता के मुक कलाकार शुभेंदु मुखर्जी तथा बांग्ला फिल्म के अभिनेता देवेश रायचौधरी एवं टीवी कलाकार सुपर्णा दे द्वारा कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा। इस दौरान प्रमुख वक्ताओं द्वारा विभृति बाबू के जीवन और साहित्यिक योगदान पर प्रकाश डालेंगे। प्रेस वार्ता में सचिव शिल्पी सरकार, मानषी चटर्जी, शिखा रक्षित, सुमोना गुप्ता, संपा सरकार, सोमा सरकार, संदीप रायचौधरी, एसके करण, प्रदीप भद्र, मिठु विश्वास आदि उपस्थित थे।

ट्रैक्टर से कुचलकर मजदूर की मौत, मुआवजे पर बनी सहमति

थाना क्षेत्र में शनिवार को टैक्टर से कुचलकर मजदूर की मौत हो गई। बड़ाजुड़ी काली मंदिर के समीप हुई दुर्घटना में मुसाबनी थाना क्षेत्र के कदमडीह निवासी जादुनाथ उर्फ मार्शल टुडू (35 वर्ष) की मौत हुई। वह उसी ट्रैक्टर में काम करता था. कार्यक्रम में 440 स्कूली बच्चों के बीच जिससे कुचलकर उसकी मौत हुई। मामले की जानकारी मिलने पर दामपाड़ा की जिप सदस्य देवयानी भाजपा ने ही एनजीटी में की थी शिकायत : डॉ. अजय मुर्मू, घाटशिला थाना की पुलिस पहुंची। शव का पंचनामा करके पोस्टमार्टम के लिए घाटशिला



घटनास्थल पर जुटी भीड़। • फोटोन न्यूज मुआवजा देने को कहा। बताया गया कि चार लाख रुपये मुआवजा देने पर सहमति बनी। जानकारी के अनसार, घाटशिला थाना क्षेत्र के सांढुपुरा निवासी प्रदीप राय का ट्रैक्टर घाटशिला से बालू लोड कर बड़ाजुड़ी जा रहा था। ट्रैक्टर चालक के अनुसार, ट्रैक्टर पर चार मजदूर सवार थे। इसी दौरान बड़ाजुड़ी काली मंदिर के पास जादुनाथ अचानक गिर गया, जिससे उसका सिर बुरी तरह कुचल गया।

आज से प्रारंभ होगा पल्स पोलियो अभियान

JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम जिला में 25 से 27 अगस्त तक पल्स पोलियो अभियान चलाया जाएगा। इसे लेकर उपायुक्त अनन्य मित्तल के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग, एनजीओ, नगर निकाय, जेएसएलपीएस, समाज कल्याण, पंचायती राज, प्रखंड प्रशासन के साथ उप विकास आयुक्त ने ऑनलाइन बैठक कर दिशा-निर्देश दिए। जिला में 0-5 वर्ष के 3,95,368 बच्चों को पोलियो का डॉप पिलाने का लक्ष्य निर्धारित है । 3066 बुथों पर रविवार को 6132 वैक्सीनिटर के माध्यम से दवा पिलाई जाएगी। बूथ डे के लिए 308 सुपरवाइजर की प्रतिनियुक्ति की गई है। सभी प्रखंडों में अभियान को सफल बनाने के लिए सभी वैक्सीनेटरों एवं सुपरवाइजरों को प्रशिक्षण देकर छोड़ दिया। इसके साथ ही दिया गया है।

संदिग्ध परिस्थिति में मिले तीन छात्र-छात्रा, चेतावनी देकर छोड़े गए

साकची के कालीमाटी रोड स्थित होटल कांति में शनिवार को पारुल सिंह ने छापेमारी की। पिछले कई दिनों से मिल रही सूचना के सत्यापन के लिए एसडीओ पारुल सिंह पुलिस बल के साथ होटल पहुंचीं। एसडीओ और पुलिस बल को देखते ही आसपास में भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई। इस दौरान होटल में भी प्रबंधन और कर्मचारियों में अफरातफरी मच गई। वहां पहुंचते ही पारुल सिंह ने होटल के सभी कमरों की तलाशी लेनी शुरू कर दी। इसी बीच होटल के कमरों से तीन छात्रझछात्राओं को संदिग्ध परिस्थिति में पकड़ा गया। हालांकि, एसडीओ ने पूछताछ के बाद उन्हें चेतावनी

पांचवें दिन भी नहीं मिला विमान का मलबा, खोज जारी

JAMSHEDPUR : सोनारी स्थित एयरपोर्ट से 20 अगस्त को उड़ान भरने के बाद लापता ट्रेनी विमान का मलबा पांचवें दिन भी नहीं मिला। शनिवार को भी नौसेना, एनडीआरएफ और स्थानीय मछुआरों ने चांडिल डैम में सर्च अभियान चलाया, पर विमान का पता नहीं चल पाया। इससे पूर्व गुरुवार को चांडिल डैम से विमान चला रहे कैप्टन जीत और ट्रेनी शुभ्रदीप का शव बरामद किया गया था। नौसेना की टीम रविवार को भी अभियान जारी रखेगी। बता दें कि सोनारी स्थित जमशेदपुर एयरपोर्ट से मंगलवार दोपहर अल्केमिस्ट एविएशन का ट्रेनी विमान उड़ान भरने के कुछ मिनट बाद ही लापता हो गया था। विमान में कैप्टन जीत और ट्रेनी पायलट शुभ्रदीप मौजूद थे। एविएशन कंपनी को पटमदा में विमान के इमरजेंसी लैंडिंग होने की सूचना मिली थी, जिसके बाद बोड़ाम थाना क्षेत्र के भुइयांसिनान स्थित बाटुलुका गांव के पास सर्च अभियान भी चलाया गया था।



होटल में छापेमारी करने पहुंचीं एसडीओ व अन्य।

उन्हें भविष्य में कभी भी इस तरह उन्होंने बताया कि छापेमारी के की हरकत नहीं करने की हिदायत दौरान तीन छात्रझछात्राओं को एसडीओ पारुल सिंह ने पकड़ा गया, जो कॉलेज में पढ़ने के बताया कि उन्हें पिछले कई दिनों से बहाने घर से निकले थे और होटल होटल कांति में देह व्यापार चलने आ गए थे। सभी बालिग थे, की सचना मिल रही थी। इसे लेकर इसलिए उन्हें छोड़ दिया गया। शनिवार की सबह उन्होंने टीम के होटल संचालक को भी हिदायत दी गई है। बता दें कि इससे पर्व हाल साथ होटल में छापेमारी की। उन्होंने होटल के रजिस्टर की भी जांच ही में एसडीओ पारुल सिंह ने शहर की। होटल में ठहरने वाले लोगों से के भुइयांडीह स्थित अतिथि भवन नामक होटल में सेक्स रैकेट को आधार कार्ड लिया जाता है या नहीं, इसकी भी जांच की गई। लेकर छापेमारी की थी।

आरोग्य रक्षक बिरसा सेवा प्रकल्प के प्रशिक्षण वर्ग पर गोलमुरी में मंथन



बैठक में शामिल विहिप के पदाधिकारी व अन्य।

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR: विश्व हिंदु परिषद, जमशेदपुर महानगर के धर्म प्रसार आयाम अंतर्गत 22 से 29 अगस्त तक आरोग्य रक्षक बिरसा सेवा प्रकल्प का सात दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग चल रहा है। इसे लेकर विहिप के क्षेत्र, प्रांत, विभाग और महानगर अधिकारियों की बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई है। प्रशिक्षण वर्ग में आरोग्य रक्षक के घाटशिला, डुमरिया पंचायत, गुड़ाबांधा, बुंडू, तमाड़ पंचायत के विभिन्न प्रखंडों से प्रशिक्षण लेने के लिए सभी ग्रामीण क्षेत्र की बहनें सम्मिलित होंगी। सभी महिलाओं को प्राथमिक उपचार, गौ उत्पाद, ऑर्गेनिक खेती, सत्संग,

संस्कारशाला, योग आदि विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यक्रम संयोजक धर्म प्रसार के विवेक सिंह को बनाया गया है। बैठक में विहिप बिहार-झारखंड के क्षेत्र संगठन मंत्री आनंद कुमार पांडेय, झारखंड प्रांत संगठन मंत्री देवी सिंह, धर्मप्रसार प्रांत प्रमुख संजय चौरसिया, प्रांत बजरंग दल सह प्रमुख जनार्दन पांडेय, धर्म प्रसार प्रांत परियोजना प्रमुख डॉ. जेएन दास, धर्म प्रसार एस. शंकर राव, जमशेदपुर संगठन मंत्री संजय सिंह, घाटशिला संगठन मंत्री सुभाष चटर्जी, जिला के मंत्री चंद्रिका भगत, सहमंत्री डॉ. भोला लोहार, बजरंग दल सह संयोजक चंदन दास, दुर्गा वाहिनी संयोजक पूनम रेड्डी आदि उपस्थित थीं।

राज्य स्तरीय नेहरू कप हॉकी प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

खूंटी के प्रोजेक्ट उत्कर्ष सेंटर की टीम बनी विजेता

अनुमंडल अस्पताल भेज दिया। इस

मामले की जानकारी मिलने पर

विधायक रामदास सोरेन भी मौके पर

पहुंचे और ट्रैक्टर मालिक से मृतक

मजदूर के परिजन को हरसंभव

PHOTON NEWS KHUNTI: प्रोजेक्ट उत्कर्ष सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर स्पोर्ट्स, खुंटी की टीम ने राज्य स्तरीय नेहरू कप हॉकी प्रतियोगिता में अभृतपूर्व सफलता प्राप्त की है। प्रतियोगिता के अंडर-17 बालक वर्ग के फाइनल मैच में इस टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सिमडेगा की टीम को 4-1 गोल से पराजित कर राज्य में पहला स्थान प्राप्त किया जबकि अंडर-17 बालिका वर्ग में भी टीम ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए राज्य में चौथा स्थान प्राप्त किया। विजेता टीम अब राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित नेहरू कप प्रतियोगिता में भाग लेगी। उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने खिलाड़ियों को जीत की बधाई देते हुए कहा कि खुंटी जिला में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। जरूरत है सिर्फ उन्हें सही दिशा देने की। यहां

के खिलाड़ी देश-विदेश में अपना



परचम लहरा रहे हैं। आगे भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद जताते हुए उन्होंने सभी को शुभकामनाएं दी। उल्लेखनीय है कि बालक वर्ग के टीम ने अपनी शानदार खेल प्रतिभा का परिचय देते हुए शुक्रवार को गुमला टीम को शूटआउट में 1-0

से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इसी दिन सेमीफाइनल में रांची टीम को 5-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। फिर फाइनल में सिमडेगा के खिलाफ 4-1 से जीत हासिल कर विजेता बनने का गौरव हासिल किया।

दूसरी ओर, बालिका वर्ग की टीम ने भी चतरा और गढ़वा को क्रमशः 14-0 और 12-0 गोल के बड़े अंतर से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया लेकिन सेमीफाइनल में रांची की टीम से पराजित होकर यह टीम राज्य में चौथा स्थान प्राप्त

का उद्देश्य खुंटी जिले में स्थानीय खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना और उन्हें उच्च स्तर की प्रशिक्षण सुविधाएं प्रदान करना है। साथ ही उपायुक्त के निदेशींनुसार कुशल प्रशिक्षकों द्वारा खिलाड़ियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है, जिससे वह बेहतर प्रदर्शन कर पाएं। इस शानदार उपलब्धियों को केवल 75 दिनों के कठोर प्रशिक्षण के भीतर प्राप्त करना, इससे जुड़े सभी अधिकारी, प्रशिक्षक एवं संस्था की प्रभावशीलता और प्रतिबद्धता को दशार्ता है। इस परियोजना का लक्ष्य युवा खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारना और खेल भावना को बढ़ावा देना है।

किया। उल्लेखनीय है कि खूंटी

जिला में प्रोजेक्ट उत्कर्ष

परियोजना उपायुक्त लोकेश मिश्रा

के निर्देश पर सफलतापूर्वक

चलायी जा रही है। प्रोजेक्ट उत्कर्ष

अपनी अनोखी

बनावट के लिए

प्रसिद्ध है मुंबई

की यह बिल्डिंग

दुनियाभर में अपने आर्किटेक्टर को लेकर

कई इमारतें प्रसिद्ध हैं, लेकिन भारत की

बात करें तो मुंबई की एक इमारत अपने

मुंबई में जेम्स लॉ साइबरटेक्वर बिल्डिंग

का डिज़ाइन देखने में बहुत अलग है। यह

इमारत आर्किटेक्टर का बेहतरीन नमूना है।

13 मंजिल की कमर्शियल बिल्डिंग अंडे के

कंक्रीट, स्टील और ग्लास का इस्तेमाल

हांगकांग की एक फर्म ने डिजाइन किया

है। यह इमारत एन्वायरनमेंटल डिजाइन,

आइकॉनिक आर्किटेक्चर का दावा करती

है। इसके ऑफिस का कैंपस 33,000

अंडरग्राउंड लेवल्स में 400 गाड़ियों के

लिए ही नहीं ये बिल्डिंग डिजाइनिंग अपने

लिए पार्किंग स्पेस है। अपनी डिज़ाइनिंग के

फैंडली एनवायरनमेंट के लिए भी प्रसिद्ध है।

हर साल लाखों

पर्यटकों को आकर्षित

का जुरासिक कोस्ट

इंग्लैंड के सबसे लोकप्रिय स्थलों में से एक

है जुरासिक कोस्ट। हर साल यह दुनिया भर

से लाखों पर्यटकों को आकर्षित करता है।

जुरासिक तट को 2002 में यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया था, जो

अपनी उत्कृष्ट चट्टानों, जीवाश्मों और भू-

आकृतियों के लिए पहचाना जाता है। यह

जुरासिक और ऋेटेशियस काल की चट्टानें

एक ही जगह पर देखी जा सकती हैं, जो कि

185 मिलियन वर्षों का प्रतिनिधित्व करती हैं

यहां रहने वाले विभिन्न प्राणियों के जीवाश्म

अवशेषों को चट्टानों में संरक्षित किया गया

है। जुरासिक तट दक्षिणी इंग्लैंड में 95 मील

लंबा समुद्र तट है, जो डोर्सेट और डेवोन की

काउंटी के भीतर स्थित है।

एकमात्र ऐसा स्थान है जहां ट्राइएसिक,

करता है इंग्लैंड

स्क्वायर मीटर में बना हुआ है। तीन

आकार की है। यह इमारत बनाने में

नहीं किया गया है। इस इमारत को

शानदार कंट्रोल सिस्टम के साथ

अनोखी बनावट के लिए बेहद लोकप्रिय है।





क्या आप जानते हैं ट्रेनों पर लिखें नंबरों का मतलब

होंगे, लेकिन हाथों हाथ

जवाब नहीं मिला होगा।

यहां हम आपको ट्रेन

ट्रेन के डिब्बों पर लिखे नंबर

आपको जानकारी ही नहीं देते

जैसे आपको बर्थ या सीट का

नंबर टिकट पर लिखा मिलता

है, जो आपको बताता है कि

आप कहां बैठेंगे या लेटेंगे।

ठीक वैसे ही डिब्बों पर लिखे

इन अंकों में कई पहचान छिपी

होती हैं। कहने का मतलब यह

बोगी कितनी पुरानी है

और कैटेगरी क्या है

किसी ट्रेन के डिब्बे पर लिखे

नंबर की शुरुआत 04 या 99

है, तो आप समझ जाइये कि ये

बोगी 2004 या 1999 में बनी

है। आप जब स्टेशन पर कोई

ट्रेन पकड़ने जाते हैं, तो बोगी

पर लिखे नंबर पर आपका

ध्यान जाता है, लेकिन आप

पढकर भी नजर अंदाज कर

पहचान जाएंगे कि ये नंबर

आपसे क्या बोल रहे हैं। जैसे

किसी ट्रेन के डिब्बे पर लिखे

नंबर की शुरुआत 04 या 99

है, तो आप समझ जाइये कि ये

बोगी 2004 या 1999 में बनी

है। मतलब यह कि शुरुआती

दो नंबर आपको बताते हैं कि

बोगी कितनी पुरानी है। वहीं,

लिखा है, तो ये नंबर आपको

बताते है कि ये जनरल बोगी

इन दो नंबरों के बाद यदि 497

देते हैं। अब आप नंबर पढते ही

है कि पांच अंक के ये नंबर

इतिहास बताते हैं।

बल्कि सुविधाजनक भी हैं।

के डिब्बों पर लिखे

नंबरों का महत्व

बताएंगे।

या सामान्य डिब्बा है। रेलवे ने 497 कोड जनरल कैटेगरी के लिए तय किया हुआ है। और भी हैं कई कैटेगरी, नंबर

जिन्हें देते हैं पहचान ट्रेन में हर डिब्बे या बोगी की क्लास या कैटेगरी तय है। ट्रेन में हर डिब्बे या बोगी की क्लास या कैटेगरी तय है। आप इस कैटेगरी को नंबर के जरिए भी पहचान सकते हैं। बस आपको डिब्बे पर लिखी आखिरी तीन डिजिट ध्यान से देखनी होंगी।

जैसे 001-025, ये नंबर बताते हैं कि ये फर्सट एसी के डिब्बे हैं। 026-050 ङ्क ये नंबर लिखे हों, तो समझ जाओ कि ये कंपोजिट फर्स्ट एसी या एसी-टूटी का डिब्बे हैं। 051-100 ये अंतिम तीन नंबर एसी-टूटी कोच को मिलते हैं।

101-150 ये नंबर बताते हैं कि ये डिब्बा एसी-थ्री को कैटिगराइज हैं। 151-200 यदि डिब्बे पर ये नंबर आखिरी में लिखे हों, तो पता चल जाता है कि ये डिब्बे सीसी या एसी चेयर कार के हैं। 201-400 नंबर सेकंड स्लीपर या एसएस

कैटेगरी के कोच को दिए जाते हैं। कोच पर यदि ये 401-600 नंबर लिखे हों,तो इसका मतलब है कि ये जनरल सेकंड क्लास या जीएस के डिब्बे हैं। 601-700 अंतिम नंबर हों,

तो ये डिब्बे सेकंड क्लास

सिटिंग /जनशताब्दी चेयर कार यानी टूएस के कोच को दर्शाते हैं। 701–800 के नंबर के आखिरी तीन डिजिट हों, तो पता चलता है कि सिटिंग कम लगेज रेक्स हैं। यदि कोच पर 801 या इसस बड़ नबर

आखिरी तीन स्थान पर हों, तो पेंट्री कार, जेनरेटर और मेल के कोच की जानकारी देते हैं। डिब्बे के रंग भी क्या कहते हैं

डिब्बों के नंबर ही नहीं उनके

रंग भी कई जानकारी देते हैं। किसी डिब्बे का रंग हरा होता है, तो किसी का नीला और किसी का लाल। डिब्बों या कोच के ये रंग ट्रेन की क्लास को बताते हैं। ऐसा नहीं है कि रंग हर बार केवल क्लास ही बताते हैं। रंग ये भी बताते हैं कि ट्रेन किस फैक्ट्री में तैयार

की गई है।

ट्रेन के नंबरों को ध्यान चाहे कुदरत के बनाए नजारे हों, फिर से देखें, क्योंकि हर जमीन के अंदर इंसानों की बसाए नंबर कुछ कहता है ट्रेन शहर या चट्टानों में काटे गए चर्च. के नंबर बोलते हैं। जी तुर्की के कप्पाडोसिया में आकर आपको लगेगा कि आप किसी सपने हां, ट्रेन के डिब्बों (बोगी) पर आपने नंबर के संसार में आ गए हैं. हैरान करने लिखे देखे होंगे. वाले कुदरती नजारे का साथ ही यह आपको नहीं लगता कि ये आपको कुछ इशारा इतिहास और रहस्यों से भरपूर है. करते हैं। कभी मन में सबसे लोकप्रिय और सबसे ज्यादा देखे जाने वाले आपके ये सवाल भी उटे

शहर हैं. ज्वालामुखी टफ की बदौलत, कप्पाडोसिया एक बड़ा

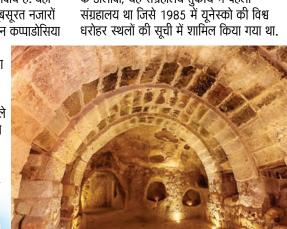
वाइन-चखने वाली दुकानों में कुछ का नमूना ले कप्पाडोसिया अपने अविश्वसनीय ओपन-एयर संग्रहालय के लिए जाना जाता है, जो गोरेमे में मौजूद है. गोरेमे ओपन-एयर संग्रहालय इलाके में सबसें अधिक देखें जाने वाले और लोकप्रिय पर्यटक आकर्षणों में से एक है. क्षेत्र के अन्य रॉक साइट्स के अलावा, यह संग्रहालय तूर्कीये में पहला संग्रहालय था जिसे 1985 में यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों की सूची में शामिल किया गया था.

अंगूर उत्पादक है और वाइन बनाने का एक लंबा इतिहास समेटे हुए है. इलाके की बाकी खुबियों के कारण ट्रिस्ट भूल जाते हैं कि यह क्षेत्र अपनी

वाइन के लिए भी जाना जाता है. यहां घूमने के लिए कुछ वाइनरी में कपाडोक्य, तुरासन, कोकाबाग और सेनल शामिल हैं. कुछ सबसे लोकप्रिय रेड और व्हाइट वाइन ब्रांड इस क्षेत्र से हैं, और पर्यटक









कप्पाडोसिया दुनिया में ईसाई धर्म के लिए सबसे अहम पजा स्थलों में से एक है. 10वीं और 11वीं सदी के बीच, इस क्षेत्र में मठों और चट्टानों पर बहुत से चर्च बने. कई प्राचीन चर्चे तो असाधारण आभूषणों से खूबसूरती से सजे हुए थे. यहां 600 से ज़्यादा चर्च हैं, और और भी खोजे जा सकते हैं. इनमें से कुछ चर्चों के खूबसूरत भितिचित्र लोगों को काफी हैरान करते हैं.

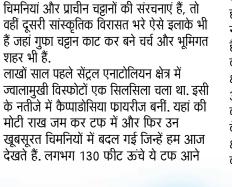
कप्पाडोसिया का सबसे बड़ा आकर्षण यहां से की जाने वाली हॉट एयर बैलून से की जाने वाली सैर है. यह यहां की सबसे लोकप्रिय गतिविधि है. यहां बाइकिंग और हाइकिंग के दौरान खुबसूरत नजारों का आनंद लिया जा सकता है. लेकिन कप्पाडोसिया

हॉट एयर बैलुनिंग चमकदार प्राचीन नजारे देखने का सबसे अच्छा तरीका

जमीन के अंदर शहर

चट्टानों में बने चर्च

कप्पाडोसिया के भूमिगत शहर इस क्षेत्र की यात्रा के दौरान न चूकने वाले अनूठे अनुभवों में से एक हैं. इनमें से कुछ भूमिगत बस्तियां संकरी सुरंगों केँ एक नेटवर्क से जुड़ी हुई हैं. इस क्षेत्र में लगभग 36 भूमिगत शहर हैं, कायमाली और डेरिनकुयु उनमें से



अगर आप किसी ऐसी जगह जाना चाहते हैं जो

हो तो आपको को तुर्कीये के मध्य प्रांतों के उच्च

पटार में मौजूद कप्पाडोसिया के बारे में जरूर

सोचना चाहिए. एक तरफ यहां की मनमोहक

एतिहासिक होने के साथ कुदरती खूबसूरती से भरी





रहस्य आजकल नहीं सुलझ पाया है। स्थानीय लोगों का दावा है कि इस कुएं पर कभी भी किसी प्राकृतिक आपदा का असर नहीं पड़ा है। 383 साल से यह कुंआ यहां शान से है। यहां प्रतिवर्ष विश्वप्रसिद्ध सोनपुर पशु मेले का आयोजन किया जाता है। इस मेले के दौरान लोग अपने ग्रहों की शांति के लिए इस कुएं की पूजा करना नहीं भूलते। कहते हैं यहां पूजा के बाद लोगों की परेशानियां दूर हो जाती हैं।

शोधकर्ताओं ने खोज निकाला सच

कुएं के नौ अलग-अलग मुहाने के पानी में नौ प्रकार के मिनरल हैं। यही कारण हैं कि इसका स्वाद अलग– अलग है। स्थानीय लोगों का मानना है कि यह कुआं नवग्रहों की गति को सुधार देता है। कोई भी दोष होता है, उसे दूर कर देता है। यही कारण है कि प्रतिदिन यहां लोग ग्रहों की शांति की पूजा करने आते हैं और कुएं के अलग अलग स्वाद के पानी का सेवन करते हैं। एक ही कुएं में इस तरह नौ स्वाद का पानी आना लोगों के लिए चमत्कार से कम नहीं है। यही कारण है कि देश विदेश के शोधकर्ता यहां इस रहस्य को सुलझाने आए। शोधकर्ताओं ने भी माना है कि इस कुएं का पानी नौ अलग अलग स्वाद का है। शोधकर्ताओं का तर्क है कि कुएं के नौ अलग-अलग मुहाने के पानी में नौ प्रकार के मिनरल हैं। यही कारण है कि इसका स्वाद अलग–अलग है। कारण कुछ भी हो लोग इस कुएं को ईश्वर के वरदान के रूप में ही देखते हैं। उनका मानना है कि हर ग्रह एक अलग स्वाद के पानी का प्रतिनिधित्व करता है।

भारत का सबसे चमत्कारी कुआं है यह, एक ही कुएं में मिलता है नौ तरह का पानी

प्रकृति का वरदान है नौ स्वाद वाले पानी का यह कुआं भारत चमत्कारों, रहस्यों और अद्भुत धरोहरों का संगम है। कुछ चमत्कार हमारे पूर्वजों ने हमें आशीर्वाद स्वरूप दिए तो कुछ प्रकृति ने वरदान के रूप में भेंट किए। यही कारण है कि भारत की धरती पर कदम कदम को आपको कुछ अनोखा देखने को मिल जाएगा। ऐसा ही एक अजूबा है बिहार के हाजीपुर का एक छोटा सा कुआं। इस कुएं को प्रकृति का

इसलिए बेहद अनोखा है यह कुआं हाजीपुर स्थित कबीर मठ में स्थित इस एक ही कुए में नौ प्रकार के स्वाद का पानी मिलता है। भारत के नक्शे पर छोटा सा दिखने वाला बिहार का हाजीपुर शहर एक कुएं के कारण देश ही नहीं विदेशों में भी

अनोखाँ वरदान कहा जा सकता है।

अपनी पहचान बना चुका है। हाजीपुर स्थित कबीर मट में स्थित इस एक ही कुए में नौ प्रकार के स्वाद का पानी मिलता है। जी हां, इस कुएं के हर छोर के पानी का स्वाद अलग है। यही कारण है कि गंगा और गंडक

> मंदिर का निर्माण साल 1640 में किया गया था। तभी से ये लोगों की आस्था का केंद्र है। आज तक नहीं सुलझ पाया यह रहस्य इस कुएं के चमत्कार यहीं खत्म नहीं होते हैं। इस कुएं

के संगम पर स्थित इस कुएं को नवग्रह कुआं कहा

जाता है। इस चमत्कारी कुएं को देखने के लिए हर

साल लाखों श्रद्धालु आते हैं। कहा जाता है कि इस

और नदी के बीच की दूरी करीब 100 फीट है। इसके बाद भी कुए का जलस्तर नदी के जलस्तर से हमेशा ऊंचा रहता है। इसके पीछे क्या कारण है, इसका

हाजीपुर स्थित कबीर मठ में स्थित एक ही कुएं में नौ प्रकार के स्वाद का पानी

मिलता है। भारत के नक्शे पर छोटा सा दिखने वाला बिहार का हाजीपुर शहर एक कुएं के कारण देश ही नहीं विदेशों में भी अपनी पहचान बना चुका है। हाजीपुर स्थित कबीर मठ में स्थित इस एक ही कुएं में नौ प्रकार के स्वाद का पानी मिलता है। जी हां, इस कुएं के हर छोर के पानी का स्वाद अलग है। यही कारण है कि गंगा और गंडक के संगम पर स्थित इस कुएं को नवग्रह कुआं कहा जाता है।

मोदी की यूक्रेन यात्रा और पश्चिमी मीडिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यूक्रेन दौरे को ग्लोबल मीडिया और विरोधी मुल्कों ने हिकारत की नजरों से अधिक देखा। विदेशी मीडिया ने यहां तक कह दिया है कि मोदी रूस का एजेंट बनकर युक्रेन का भेद लेने पहुंचे हैं। युकेन को सतर्क रहना चाहिए। कमोबेश तस्वीरें भी कुछ ऐसी ही दिखाई दी। प्रधानमंत्री के दौरे को युक्रेन गर्मजोशी से नहीं लेकर शक की निगाहों से देखा गया। प्रधानमंत्री भी उनके बदले नजरिए को भांपे हुए हैं। बेशक, वह कहें कुछ न, लेकिन असहज जरूर दिखे। उनके इस दौरे के बाद भारत कई देशों के निशाने पर भी आ गया है। खासकर उन मल्कों के जो रूस के खिलाफ जारी यद्ध में खड़े हुए हैं। अमेरिका, चीन, पाकिस्तान जैसे देश मोदी के दौरे को रूस का एजेंट बताने में लग गए। उनके स्थानीय मीडिया में युक्रेन यात्रा की खलेआम आलोचना हुई। प्रधानमंत्री भी सब कछ जानकर भी इसलिए चुप हैं, अगर उन्होंने वास्तविक स्थिति पर कुछ कहा, तो वह भारत के विपक्षी दलों के निशाने पर भी आ जाएंगे। विपक्षी दल वैसे भी युक्रेन के दौर के पक्ष में नहीं हैं। युक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को भी मोदी का दौरा नहीं सुहाए। उन्होंने तब भी विरोध किया था, जब पिछले महीने प्रधानमंत्री मोदी रूस यात्रा पर गए थे और पुतिन को सबके सामने गले लगाया था। तब गले मिलने को पश्चिमी मीडिया ने जमकर आलोचना की थी। जेलेंस्की ने भी आपत्ति जताते हुए तब कहा था कि आज रूस के मिसाइल हमले में 37 लोग मारे गए, जिसमें तीन बच्चे भी शामिल हैं। दरअसल जिस दिन मोदी रूस गए थे, उसी दिन रूस ने युक्रेन के सबसे बड़े अस्पताल पर हमला किया था। तब जेलेंस्की ने गुस्से में कहा था कि एक ऐसे दिन दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नेता का दुनिया के सबसे खुनी अपराधी को गले लगाना शांति स्थापित करने की कोशिशों पर धक्के जैसा है। मोदी से गुस्सा होकर जेलेंस्की सभा से भी चले गए थे। तभी से जेलेंस्की भारत से विशेषकर मोदी से भन्नाए हुए थे। अब मोदी यक्रेन पहुंचे. तो परे माजरे को अच्छे से समझे। प्रधानमंत्री मोदी यक्रेन में भारतीयों से मिले, उनके स्वागत में ढोल-नगाड़े बजे। इससे गुस्से की भड़की चिंगारियां को कुछ कम करने की कोशिशें जरूर हो रही हैं। लेकिन, ग्लोबल स्तर पर मोदी का मौजूदा युक्रेन दौरा दुनिया के कई देशों को अखर रहा है। राजनीतिक पंडित मान रहे हैं कि मोदी का युक्रेन दौरा उन देशों से रिश्ते खराब कर सकता है, जिनसे हमारे मधुर संबंध हैं। हालांकि ये पहली मर्तबा हुआ, जब कोई भारतीय प्रधानमंत्री युक्रेन के दौरे पर हो, लेकिन विकट परिस्थितियों में। कई लोग मानते हैं कि मोदी का यक्नेन दौरा रूस को असहज कर सकता है, लेकिन एक राय ये भी है कि राष्ट्रपति पुतिन के चीन दौरे से भी भारत बहुत सहज नहीं रहता है। दुनिया के कई देश दबी जुबान में मोदी के युक्रेन जाने पर सवाल उठा रहे हैं कि वह ऐसे वक्त युक्रेन क्यों गए जब वहां के हालात बिगड़े हुए हैं।

औद्योगिक सुरक्षा पर गंभीर सवाल

आंध्र प्रदेश के अनकापल्ली जिले में अचुतापुरम विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) स्थित दवा कंपनी एस्किएंटिया के प्लांट में हुआ धमाका, हाल के दिनों में इस क्षेत्र का सबसे बुरा औद्योगिक हादसा है। इसमें 17 कामगारों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। इसी दिन इसी एसईजेड में एक रसायन कारखाने में हुए अग्नि हादसे में लगभग 10 कामगार झुलस गए। पिछले साल 30 जून को इसी एसईजेड में एक बड़े विस्फोट से एक दवा प्लांट थर्रा उठा था, जिसमें लोग हताहत हुए थे। अचुतापुरम एसईजेड राज्य के सबसे बड़े एसईजेड में से एक है, जहां 100 से ज्यादा कंपनियां हैं। हादसों के सिलसिले ने 7 मई 2020 को हुए एक और भीषण हादसे की यादें ताजा कर दी हैं - विशाखापत्तनम के बाहरी इलाके में वेंकटपुरम गांव में एक पॉलीमर इकाई से स्टाइरीन मोनोमर वाष्प के रिसाव के बाद 12 लोगों की मौत हो गई थी। ये हादसे आंध्र प्रदेश में, खासकर एसईजेड में औद्योगिक सुरक्षा की अवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े करते हैं। राज्य की गृह मंत्री वी. अनीता ने कहा है कि कामगारों ने रसायन/विलायक एमटीबीई (मिथाइल टर्ट-ब्यूटाइल ईथर) का रिसाव रोकने की कोशिश की थी। उन्होंने कहा - रिसाव रुक पाता, उससे पहले ही यह एक इलेक्ट्रिक पैनल पर गिर गया, जिसके बाद आग लग गई और धमाका हुआ। इस बीच एमटीबीई की सेफ्टी डेटा शीट (जिससे ऑपरेटिंग कर्मचारी को वाकिफ होना चाहिए) कहती है कि यह एक अत्यधिक ज्वलनशील पदार्थ है और इसकी वाष्प त्वचा एवं आंख में जलन पैदा कर सकती है। दुर्घटनावश रिसाव की स्थित में यह आग और धमाके के गंभीर जोखिम के प्रति खास तौर पर आगाह करती है और विस्फोट-रोधी इलेक्टिकल/लाइटिंग उपकरणों के इस्तेमाल का प्रावधान करती है। मजदूर संगठन और कार्यकर्ता (एक्टिविस्ट) ढिलाई बरतने वाले प्रबंधनों के लिए कड़ी सजा की मांग कर रहे हैं। उनकी शिकायत दयनीय सुरक्षा मानकों को लेकर भी है। उनकी मांग है कि आंध्र प्रदेश के विशेष आर्थिक क्षेत्रों और अन्य स्थानों में सभी इकाइयों का तुरंत गहन ह्यसेफ्टी ऑडिटह्न हो। एक प्रमख शिकायत एसईजेड और एक्सपोर्ट प्रोसेसिंग क्षेत्रों में इकाइयों को सरकारी निरीक्षण से दी गई छूट को लेकर है। यह छूट 2016 के एक आदेश से मिली, जिसने ऑनलाइन निरीक्षण की व्यवस्था स्थापित की। ऐसा लगता है कि यह छट एसईजेड में उच्च जोखिम वाली इकाइयों, जैसे दवा और रसायन पर भी लागू होगी।

जनाब! क्रिकेट को सिर्फ खेल मत समझिए



क्रिकेट कॉरपोरेट और सत्ता का खेल है और इन्हें ही लाभ पहुंचाने के लिए खेला जाता है। इसलिए इस खेल से परहेज किया जाए और इसकी लोकप्रियता को नशा न बनने दिया जाए अन्यथा कॉरपोरेट और सत्ताधारियों की चांदी कटती रहेगी क्रिकेट के अलावा ज्यादातर खेल अपर्याप्त वित्तीय सहायता और निम्नस्तरीय बुनियादी ढांचे से जूझ रहे हैं। भारत का राष्ट्रीय खेल होने और एक गौरवशाली इतिहास होने के बावजूद हॉकी खिलाड़ियों को अक्सर पुराने प्रशिक्षण मैदान, अपर्याप्त उपकरण और सीमित वित्तीय सहायता का सामना करना पडता है, जिससे अंतरराष्टीय स्तर पर उनका प्रदर्शन प्रभावित होता है। मीडिया और जनता का ध्यान अन्य खेलों में न के बराबर है। क्रिकेट पर मीडिया का अत्यधिक ध्यान अन्य खेलों को दरकिनार कर देता है, जिससे उनकी दृश्यता और प्रशंसक आधार कम हो

पथलीटों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करती है, चाहे वे किसी भी खेल में भाग लें। भारत में क्रिकेट का वर्चस्व अन्य खेलों पर हावी है, जिससे विभिन्न खेलों का सीमित विकास होता है। युवा मामले और खेल मंत्रालय के अनुसार, जहां क्रिकेट के बहुत से प्रशंसक हैं, वहीं एथलेटिक्स, हॉकी और बैडमिंटन जैसे खेल अपर्याप्त बुनियादी ढांचे और धन की कमी से जुझ रहे हैं। क्रिकेट के अलावा अन्य खेलों के सीमित विकास के पीछे अपर्याप्त धन और बुनियादी ढांचा है। क्रिकेट की लोकप्रियता कॉरपोरेट घरानों की देन है। क्रिकेट कॉरपोरेट और सत्ता का खेल है और इन्हें ही लाभ पहुंचाने के लिए खेला जाता है। इसलिए इस खेल से परहेज किया जाए और इसकी लोकप्रियता को नशा न बनने दिया जाए अन्यथा कॉरपोरेट और सत्ताधारियों की चांदी कटती रहेगी।क्रिकेट ज्यादातर खेल अपर्याप्त वित्तीय बुनियादी ढांचे से जुझ रहे हैं। भारत का राष्ट्रीय खेल होने और एक गौरवशाली इतिहास होने के बावजद हॉकी खिलाडियों को अक्सर पराने प्रशिक्षण मैदान. अपर्याप्त उपकरण और सीमित वित्तीय सहायता का सामना करना पड़ता है, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनका प्रदर्शन प्रभावित होता है। मीडिया और जनता का ध्यान अन्य खेलों में न के बराबर है। क्रिकेट पर मीडिया का अत्यधिक ध्यान अन्य खेलों को

दरिकनार कर देता है, जिससे

उनकी दृश्यता और प्रशंसक

आधार कम हो जाता है।

बैडमिंटन में भारत की ऐतिहासिक

उपलब्धियों के बावजूद इस खेल

को शायद ही कभी मीडिया का

🎹 मावेशी खेल संस्कृति सभी



क्रिकेट को मिलता है। इससे जनता के बीच इसका आकर्षण सीमित हो जाता है। अन्य खेलों के लिए जमीनी स्तर पर विकास कार्यक्रमों का अभाव है। क्रिकेट के विपरीत, जिसमें जमीनी स्तर पर विकास की मजबूत व्यवस्था है, कई अन्य खेलों में युवा प्रतिभाओं को निखारने के लिए संरचित कार्यक्रमों का अभाव है। भारत के एथलेटिक्स परिदृश्य में समर्पित कार्यक्रमों की अनुपस्थिति के कारण कम उम्र में प्रतिभाओं की पहचान करने और उन्हें निखारने में संघर्ष करना पड़ता है। सीमित कॉरपोरेट प्रायोजन मुख्य रूप से क्रिकेट में प्रवाहित होता है, जिससे अन्य खेलों को न्यनतम वित्तीय सहायता मिलती है। इससे कम टूनामेंट, अपर्याप्त प्रशिक्षण सुविधाएं और एथलीटों के लिए कम वेतन मिलता है। उदाहरण के लिए, ग्रामीण क्षेत्रों में खेल की लोकप्रियता के बावजूद कबड्डी खिलाड़ी कम प्रायोजन सौदों के कारण कम आय से जुझते हैं। सांस्कृतिक और

क्रिकेट के प्रति एक सांस्कृतिक झुकाव है, जिसे अक्सर खेलों में एकमात्र व्यवहार्य करियर माना जाता है। यह पूर्वाग्रह युवाओं को अन्य खेलों को पेशेवर रूप से अपनाने से हतोत्साहित करता है। पंजाब जैसे राज्यों में भी, जहां हॉकी का समृद्ध इतिहास रहा है, क्रिकेट ने धीरे-धीरे इसे पीछे छोड़ दिया है, जिससे खेल का विकास प्रभावित हुआ है। अधिक समावेशी खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए आज हमको सभी खेलों के लिए वित्तपोषण में वृद्धि की जरूरत है। सरकार और निजी क्षेत्र को सभी खेलों के लिए वित्तपोषण में वृद्धि करनी चाहिए, यह सनिश्चित करते हुए कि सुविधाएं और प्रशिक्षण कार्यक्रम क्रिकेट के लिए उपलब्ध सुविधाओं और कार्यक्रमों के बराबर हों। एथलेटिक्स और तैराकी के लिए अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे में निवेश करने से संभावित ओलंपियनों की पहचान करने और उन्हें विकसित करने में मदद

को लोगों की रुचि बढ़ाने के लिए खेलों की व्यापक रेंज को सक्रिय रूप से बढ़ावा देना चाहिए और उन्हें आच्छादित करना चाहिए। उदाहरण के लिए, प्राइमज्टाइम टेलीविजन पर फटबॉल और कुश्ती जैसे खेलों की राष्ट्रीय और क्षेत्रीय लीगों का प्रसारण करने जैसी पहल से उनकी लोकप्रियता और दर्शकों की सहभागिता बढ़ सकती है। जमीनी स्तर के कार्यक्रमों को मजबत करने और अधिक खेलों को कवर करने के लिए खेलो इंडिया जैसे जमीनी स्तर के कार्यक्रमों का विस्तार करने से कम उम्र में प्रतिभा की पहचान करने और उन्हें विकसित करने में मदद मिल सकती है। विभिन्न राज्यों में तीरंदाजी और जिमनास्टिक जैसे खेलों के लिए समर्पित अकादिमयां स्थापित करने से प्रशिक्षित एथलीटों का एक स्थिर जुड़ाव सुनिश्चित हो सकता है। कर प्रोत्साहन और सार्वजनिक मान्यता के माध्यम से विभिन्न खेलों के लिए कॉरपोरेट

प्रायोजन को प्रोत्साहित करने से

कम वित्त पोषित खेलों में निवेश को बढावा मिल सकता है। कबड्डी लीग जैसे सफल मॉडल, जिन्हें महत्वपूर्ण कॉरपोरेट समर्थन प्राप्त हुआ है, हॉकी और एथलेटिक्स जैसे अन्य खेलों के लिए भी अपनाए जा सकते हैं। सभी खेलों में एथलीटों के लिए समान प्रोत्साहन और समर्थन प्रदान करने वाली नीतियों को लागू करने से अधिक भागीदारी को बढ़ावा मिल सकता है। उदाहरण के लिए, गैर क्रिकेट खेलों के एथलीटों के लिए नौकरी आरक्षण और छात्रवृत्ति को बढ़ावा देना युवाओं को विविध खेल विषयों में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

भारत की खेल संस्कृति को क्रिकेट से परे कई विषयों को अपनाने और बढ़ावा देने के लिए विकसित किया जाना चाहिए। क्रिकेट में कॉरपोरेट के दखल के चलते क्रिकेट को अछूता बनाने के बजाय जरूरत यह समझने की है कि यह बदलाव क्यों आया। आखिर क्यों कॉरपोरेट घराने खेलों में एंट्री पाने में सफल रहे और खेल उन पर निर्भर हो गए। ऐसा सिर्फ इसलिए हुआ क्योंकि सरकारें खेलों को प्रोत्साहन देने में नाकामयाब रहीं। रणनीतिक निवेश, मीडिया विविधीकरण और समावेशी नीतियों के साथ, भारत एक मजबूत खेल पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण कर सकता है, जो विभिन्न खेलों में प्रतिभाओं का पोषण करता है। यह दृष्टिकोण न केवल भारत की वैश्विक खेल स्थिति को बढ़ाता है,बल्कि एक स्वस्थ और अधिक समावेशी खेल वातावरण और समाज को भी बढ़ावा देता है, जहां हर खेल को उसकी उचित मान्यता और समर्थन मिलता है।

लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।

महिला सुरक्षा पर बदलना होगा नजरिया

निर्भया कांड संबंधी यौन हिंसा पर सख्त कानून बनाए गए और बलात्कार पर मौत की सजा का प्रावधान किया गया। इसके बावजूद यौन अपराध खत्म नहीं हुए। दुष्कर्म की प्रकृति अधिक आक्रामक, अधिक क्रूर हो गई है और एक हद तक सतर्कतावाद और गैंगस्टरवाद का एक रूप बन गई है। भारत में लगभग हर दिन क्रूर बलात्कार की रिपोर्ट दर्ज होती है। हाल के वर्षों में भयावह यौन हमलों की रिपोर्ट में वृद्धि हुई है। समाजशात्री कहते हैं कि यह नया भारत है, जहां कानून का शासन पूरी तरह से टूट गया है। इसका सीधा असर महिलाओं पर पड रहा है, क्योंकि यह पितृसत्ता के बेधडक अतिक्रमणों का दौर भी है। पीड़ितों के इर्द-गिर्द प्रचलित कलंक और पुलिस जांच में विश्वास की कमी के कारण बडी संख्या में बलात्कार की रिपोर्ट नहीं की जाती है। भारत की पंगु पड़ी आपराधिक न्याय प्रणाली में मामले सालों तक अटके रहने के कारण राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकडों के अनसार, भारत में औसतन प्रतिदिन लगभग 90 बलात्कार की घटनाएं होती हैं। वर्ष 2022 में पुलिस ने एक युवती के साथ कथित क्रूर सामृहिक बलात्कार और यातना के बाद 11 लोगों को गिरफ्तार किया था। इस युवती को दिल्ली की सड़कों पर घुमाया गया था। 2022 में ही भारत में एक पुलिस अधिकारी को भी गिरफ्तार किया गया था। उन पर एक 13 वर्षीर्या लड़की के साथ बलात्कार करने का आरोप है, जो अपने साथ हुए सामूहिक बलात्कार की रिपोर्ट करने के लिए उनके पुलिस स्टेशन गई थी। इसी साल मार्च में अपने पति के साथ मोटरसाइकिल यात्रा पर गई एक स्पेनिश पर्यटक के सामृहिक बलात्कार के बाद कई भारतीय परुषों को गिरफ्तार किया गया था। 2021 में मुंबई में एक 34 वर्षीर्या महिला की बलात्कार और क्रूरतापूर्वक प्रताड़ित किए जाने के बाद मृत्यु हो गई थी। निर्भया कांड के बाद कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर के साथ रेप और हत्याकांड ने एक बार फिर महिलाओं की सुरक्षा के मुद्दे को सुर्खियों में ला दिया है। महिलाओं के खिलाफ हिंसा अब आम हो गई है। उदाहरण के लिए. सोशल मीडिया पर ट्रोल, जो हर मुखर महिला या उसकी बेटी को चप कराना, गाली देना या बलात्कार करना चाहते हैं, उन्हें जवाबदेह नहीं बनाया जाता है। उल्लंघनकताओं के पास बढती हुई दंडमुक्ति और न्यायिक साधन भी राजनीतिक आकाओं के सामने आत्मसमर्पण करने के साथ बलात्कार से लड़ना कठिन हो गया है। देश में महिलाओं के खिलाफ यौन अपराधों में वृद्धि, साथ ही देश की कठोर जाति व्यवस्था के सबसे निचले पायदान पर रहने वालों के साथ व्यवहार, ऊपर से नीचे तक दंडमुक्ति की संस्कृति के परिणामस्वरूप एक उत्साहजनक कारक के रूप में कार्य करता है। यह महिलाओं के अधिक सार्वजनिक स्थानों पर कब्जा करने

आधिपत्य को चुनौती देने के खिलाफ एक प्रतिक्रिया है। अधिकतर परुष अभिभत हैं और नहीं जानते कि अपने आहत अहंकार को कैसे संभालें और निराशा पैदा की है। भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली में मामलों के वर्षों तक अटके रहने के साथ दोषसिद्धि का निम्न स्तर भी ऐसे क्रूर अपराधों का जन्मदाता है। परुष अक्सर यौन हिंसा का इस्तेमाल दमनकारी लिंग और जाति पदानुक्रम को मजबूत करने के लिए एक हथियार के रूप में करते हैं। बलात्कार की घटनाओं की संख्या में वृद्धि और मुखालफत के लिए अधिक संख्या में महिलाओं के आगे आने के बावजद देश में सजा की दर कम बनी हुई है। कई मामलों में सबूतों की कमी को अक्सर कम सजा दर या उच्च न्यायालयों द्वारा सजा को पलटने का कारण बताया जाता है। कुछ साल पहले स्पेनिश पर्यटक के साथ जो हुआ, वह पूरी तरह से

अराजकता के बारे में बहुत कुछ बताता है। हम जानते हैं कि यौन अपराधों की बहुत कम रिपोर्टिंग होती है और इसे बदलना होगा। अगर यह बलात्कार संस्कृति नहीं है, जिसे समाज के समझदार परुषों और महिलाओं, संस्थानों और सरकारी अंगों द्वारा समर्थित और बरकरार रखा जाता है, तो यह क्या है। आप सभी कानून, सभी तेज अदालतें, यहां तक कि मौत की सजा भी ला सकते हैं. लेकिन कछ भी नहीं बदल सकता, जब तक कि एक समान मानसिकता में बदलाव न हो, जो लड़िकयों और महिलाओं के बारे में सोचने का एक नया तरीका शुरू करे। हमने बलात्कार संस्कृति को खत्म करने का काम भी शुरू नहीं किया है। हमने पितृसत्ता को जलाने वाली माचिस भी नहीं जलाई है। दिसंबर 2012 में सरकार ने आखिरकार हमारी बात जरूर सुनी थी। एक पल के लिए ऐसा लगा था कि हम आगे बढ़ रहे हैं। इसके बजाय आज हम रुक गए हैं या इससे भी

की सुरक्षा के नाम पर अब हमारे पास ऐसे कानन हैं, जो वस्ततः अंतरधार्मिक विवाहों पर प्रतिबंध लगाते हैं और अदालतें उन जोड़ों को सुरक्षा देने से इनकार करती हैं, जो अपने जीवन के लिए डरते हैं। स्वतंत्र भारत में आधुनिक समान नागरिक संहिता के लिए पहला नमुना लिव-इन रिलेशनशिप के अनिवार्य पंजीकरण की बात करता है। हर स्तर पर महिलाओं की स्वायत्तता और स्वतंत्र एजेंसी को छीना जा रहा है। ऐसा नहीं है कि घर हमेशा एक सरक्षित जगह है। डरावनी कहानियों में अनाचार और घरेल हिंसा शामिल हैं। भारत में जहां अंतरंग साथी द्वारा हिंसा की दूसरी सबसे बड़ी व्यापकता है, 46% महिलाएं कुछ परिस्थितियों में इसे स्वीकार्य मानती हैं, ससुराल वालों का अनादर करना या बिना अनुमति के घर से बाहर जाना। जब तक हम उन विचारों को नहीं बदल सकते. तब तक हम भारत की प्रतिष्ठा के नकसान पर विलाप करते रहेंगे।

Social Media Corner

सच के हक में

मैं 25 अगस्त को लखपित दीदी सम्मेलन में भाग लेने के लिए जलगांव, महाराष्ट्र में रहने के लिए उत्सुक हूं। कार्यक्रम के दौरान 11 लाख लखपति दीदियों को प्रमाणपत्र सौंपे जायेंगे. यह योजना महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभा रही है। रुपये का फंड. स्वयं सहायता समूहों के साथ काम करने वाली लाखों महिलाओं को लाभ पहुंचाने के लिए 2500 करोड़ रुपये की योजना भी शुरू की जाएगी। (प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल की वीर भूमि की लगभग 13 लाख 94 हजार से अधिक बहनों को झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के अंतर्गत ₹1 अरब 39 करोड़ से अधिक की सम्मान राशि देने का परम सौभाग्य मिला। राज्य की आधी आबादी – माताओं, बहनों और बेटियों का यह बेटा और भाई हमेशा उनके साथ खड़ा है। महिला सम्मान के



लिए यह सरकार हमेशा उनके साथ खड़ी है। राज्य की हमारी आधी आबादी मजबूत होगी तो आने वाली पीढ़ी भी मजबूत होगी, शिक्षित होगी। यह हमारा संकल्प है कि महिला सम्मान की यह योजना अनवरत चलती रहेगी। मात्र 3 सप्ताह में हमने राज्य की 46 लाख से अधिक महिलाओं को झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना से आच्छादित किया है। यह संख्या अभी और बढ़ेगी। हमारी 21 साल से 50 साल तक की बहनों को योजना से जोड़ा गया है। इसके अतिरिक्त घर की बुजुर्ग महिलाओं को भी आपकी सरकार पेंशन का अधिकार दे रही है। पेंशन योजना से राज्य के लाखों जरूरतमंद लोगों को जोड़ा गया है।

(सीएम हेमंत सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)

परेशानियों का सबब मार्केटिंग फोन कॉल्स

📍 बात सही है कि लोगों की जिंदगी में स्मार्टफोन क्या आया जैसे उनका संसार ही बदल गया। बहुत से लोग ऐसे हैं जिनके लिए ये सिर्फ फोन नहीं, उससे बढ़कर है। स्मार्टफोन से आप ना सिर्फ किसी से बात कर सकते हैं बल्कि इंटरनेट के संसार को उंगलियों पर नचा सकते हैं। लेकिन तस्वीर का एक दूसरा पहलू भी है और वो ये है कि फोन में आने वाली अनचाही या अनजानी कॉल्स। जो वक्त बेवक्त कभी भी आकर आपको परेशान कर सकती हैं और आप चाहकर भी कुछ नहीं कर पाते। आप फोन उठाने से पहले इतना भी नहीं जान पाते कि आपको ये फोन कॉल कौन कर रहा है। वक्त-बेवक्त मोबाइल फोन पर आने वाले अनचाहे कॉल्स सभी के लिए परेशानी का सबब बने हुए हैं। टेलीमार्केटिंग यानी कॉल्स के जरिये सामान, बैंक लोन, क्रेडिट कार्ड समेत अन्य उत्पाद खरीदने के लिए लोगों को दिन में कई बार किए जाने वाले कॉल्स से मध्य प्रदेश के बाशिंदे भी जूझ रहे हैं। अधिकतर

मोबाइल फोन उपभोक्ता तो इन नंबरों को ब्लॉक कर देते हैं. पर टेलीमार्केटिंग कंपनियां अन्य नंबरों से फोन करती हैं। मोबाइल फोन पर अनचाही कॉल से परेशान लोगों के लिए सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि जिन उपभोक्ताओं ने डू नॉट कॉल में अपने फोन का नंबर रजिस्टर कराया है। अगर उनके फोन पर कोई कॉल आती है तो उस कंपनी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। तमाम कंपनियां अपने प्रोडक्ट के लिए जब चाहे कॉल करके लोगों को परेशान करती रहती हैं। लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट ने इस मसले पर सरकार को कड़ा निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि जिन उपभोक्ताओं ने अपने मोबाइल फोन नंबर को डू नॉट काल में रजिस्टर कराया है। उनके फोन पर कोई भी अनचाही कॉल नहीं आनी चाहिए। इसके साथ ही उन कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई करने को भी कहा है जो टेलीसर्विस करती हैं। लेकिन उन्होंने संचार मंत्रालय में इसके लिए अपना

रजिस्ट्रेशन नहीं कराया है।

अनचाही कॉल्स और मैसेज से परेशान लोग इन पर रोक लगने की उम्मीद को एक बार फिर अपने भीतर जिंदा कर सकते हैं। दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने इसे लेकर नए नियम बनाए हैं, जिनके मुताबिक किसी भी व्यावसायिक, टेलिमार्केटिंग या उनके लिए काम करने वाली कंपनी को कॉल या संदेश भेजने से पहले उपभोक्ता की मंजुरी लेना अनिवार्य होगा। टेलीफोन रेगुलेटरी ऑफ इंडिया (ट्राई) की सख्ती के बाद भी लोगों के मोबाइल पर अनचाहे कॉल और एसएमएस धड़ल्ले से आ रहे हैं। ट्राई ने ड् नॉट डिस्टर्ब (डीएनडी) सुविधा की शुरूआत 27 सितंबर 2011 से की थी। इसका उद्देश्य लोगों को अनचाहे कॉल और मैसेज से राहत दिलाना था। इसके बाद भी उपभोक्ताओं को राहत नहीं मिल रही है। इस सेवा के तहत लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया था। इसके बाद भी कॉल कर उपभोक्ताओं को डिस्टर्ब करने का सिलसिला जारी है। टेलीकॉम अधिकारियों के अनुसार, सेवा शुरू होने से लोगों को थोड़ी राहत अवश्य मिली है। रजिस्ट्रेशन के बाद भी अनचाहे कॉल आ रहे हैं. तो इसकी शिकायत ट्राई से की जा सकती है। इसके बाद ट्राई मोबाइल कंपनियों से जुमार्ना वसूल कर उसे ब्लैक लिस्ट कर सकती है। उपभोक्ताओं को अनचाहे कॉल या मैसेज आने की शिकायत हो, तो वे इस सुविधा का लाभ ले सकते हैं। आप अपने सेल फोन पर आने वाली अनचाही कॉल्स से परेशान हैं तो यह खबर आपको थोड़ा सुकून देगी। अंत्येष्टि कार्यक्रम के दौरान एक शख्स के पास लोन का कॉल पहुंचा, उपभोक्ता अदालत ने कंपनी और कॉलर को पीड़ितों को मुआवजा देने का फैसला सुनाया। वडोदरा के उपभोक्ता फोरम ने टेलीकॉलर कंपनी आई-क्यूब और कॉलर कन्हैयालाल ठक्कर को अनचाही कॉल कर ग्राहक को परेशान करने की एवज में 20,000 रुपये मुआवजा अदा करने का फैसला सुनाया है। कॉलर सिटी बैंक का क्रेडिट कार्ड और पर्सनल लोन बेच रहा था।

सबको साथ लेकर चलने की प्राथमिकता

विश्व पटल पर सबको साथ लेकर चलने की भारत की प्राथमिकता एक बार फिर सामने आई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युद्धग्रस्त यूक्रेन की राजधानी कीव पहुंचकर जिस तरह से वहां के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को गले लगाया, उससे पूरी दुनिया में एक सकारात्मक संकेत जाएगा। विगत दो सालों में अनेक मौके आए हैं, जब भारत को रूस के पक्ष में दिखाने-बताने की वजह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आलोचना का सामना करना पड़ा है। हालांकि, भारत और रूस के संबंधों में जो प्रगाढ़ता रही है, उसे दुनिया का हर राजनयिक शायद समझ भी नहीं सकता। भारत के साथ रूस के संबंध केवल राजनीतिक-कूटनीतिक ही नहीं रहे हैं, बल्कि इन दोनों देशों का सांस्कृतिक-सामाजिक जुड़ाव भी रहा है। यह कहना भी संभवतः बहुत सामान्यीकरण करना होगा कि गुटनिरपेक्षता के दौर में भी हमें जब भी जरूरत पड़ी, रूस अक्सर हमारे साथ खड़ा हुआ। दरअसल, लोगों को यह समझना चाहिए कि संबंधों की प्रगाढ़ता के लंबे दौर में रूस और यूक्रेन एक ही सोवियत संघ के हिस्से थे। साल 1991 में जब सोवियत संघ 15 देशों में बंटने लगा, तब वास्तव में भारत अकेला ऐसा बड़ा देश था, जिसकी चुनौतियां बहुत बढ़ गईं। आज भी भारत की रूस के साथ नजदीकी मजबूत बनी हुई है, पर यूक्रेन भी हमारा मित्र है। नरेंद्र मोदी की यह ऐतिहासिक युक्रेन यात्रा मानो एक भूल सुधार की तरह है। भारतीय प्रधानमंत्री लगातार रूस जाते रहे, लेकिन यूक्रेन को यह बात चुभती रही। जुलाई में तो यूक्रेनी राष्ट्रपति ने भारतीय प्रधानमंत्री की मास्को यात्रा के बाद अपना दर्द सार्वजनिक रूप से जाहिर कर दिया था। अब जब भारतीय प्रधानमंत्री ने कीव पहुंचकर यूक्रेनी राष्ट्रपति को गले लगाया है, उनके कंधे पर कुछ पल हाथ रखा, उससे बेशक यूक्रेन में लोगों को ठीक लगेगा। यूक्रेन भी इस बात को जानता है कि युद्ध में भारत उसकी वैसी मदद नहीं कर सकता, जैसी अमेरिका कर रहा है, पर प्रधानमंत्री की इस यात्रा से यूक्रेन का मनोबल जरूर बढ़ेगा।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail: thephotonnewsjharkhand@gmail.com

TRYSTS AND TURNS: Political patronage emboldens offenders

The new criminal laws have many lacunae. The sad part is that police officers, lawyers and judges who deal with criminal cases have not been consulted.

Why delivery of justice is difficult in India THE rape-murder of a young trainee doctor at RG Kar Medical College and Hospital in Kolkata has led to a justified hue and cry not just in West Bengal but across the nation. The ruling party in the state and the police are being blamed for not acting fast enough in investigating this horrific crime. The ruling dispensation at the Centre is blaming the state government and vice-versa. A political blame game is going on in which the police are being treated like a football. And now that the case has been transferred to the CBI under considerable public pressure, the ruling party in the state is demanding the conclusion of the investigation within a matter of days. In a bid to save the party from political harm, its members took to the streets to demand death penalty for the accused. The Supreme Court has made scathing observations after taking suo motu cognisance of the Kolkata rape-murder case. It has sent a notice to the state government, set up a task force for recommending security at hospitals and

suggested some Kolkata witnessed more trouble on Sunday after a Durand Cup football match between Mohun Bagan and East Bengal at Salt Lake Stadium was cancelled due to the non-availability of police personnel in view of the serious law and order situation elsewhere in the city. This led to protests by the young crowd. A lathicharge ensued and many protesters were arrested.

The molestation of two schoolgirls at Badlapur in Maharashtra has added to the nationwide disgust. Appalling crimes and political mudslinging are nothing new in our country. These have been happening for years and will continue to happen, as nobody wants to cure the disease, but only treating the symptoms. The disease is that in the states, the police have become the private army of the political party in power as they are accountable to the executive under the Police Act, 1861 — that means being accountable to the leaders of the ruling party. It goes without saying that all political parties are more than happy exercising this control over the police. This is true of all states and of all parties in India across the board. That's why there is no justice for the ordinary citizen as the police mostly act as per the directions of the party, especially when it comes to high-profile crimes. Action is taken depending upon the interests of the ruling party.

Of course, the police leadership is also to be blamed for not doing its job efficiently and quite a bit of it is also compromised unfortunately due to corruption and career interests, due to which many policemen join hands with politicians, primarily because the latter can reward and harm them in many ways. We are still stuck with the 1861 Act. Once the police are made accountable to the law and Parliament, the situation will improve drastically. The force will function independently in accordance with the law without any fear, as in many other countries. Though the Model Police Act was framed many years ago by the Soli Sorabjee Committee, nobody wants to follow it, not even the Central Government.

Curiously, the Supreme Court, which gave a historic judgment in 2006 on police reforms, is not even keen to issue a contempt notice to state governments for not acting on its directions in letter and spirit. States have merely done an eyewash on those directions. Look at the British who gave us these laws and the procedures for the police. They are nimble-footed and change fast according to the need of the hour, with the olitical parties being apolitical in this matter, delivering speedy justice. In the recent riots in the UK, a few accused have been sent to prison for 20 months within days of the crime having been committed with no political interference! Can you imagine this happening in India? Another problem is the pitiable conditions of the police force in the country.

MAMATA Banerjee, West Bengal Chief Minister and the feisty boss of the Trinamool Congress (TMC), is squarely on the back foot today. Is this the beginning of the end for this born fighter? If so, the BJP will have succeeded where Bengal-based parties have failed. The BJP is cashing in on Mamata's many mistakes in dealing with the rape-murder of a trainee doctor at RG Kar Medical College and Hospital in Kolkata to turn even some of her $own\,party\,workers\,and\,supporters\,against\,her.$

The doctor was shamelessly brutalised at her workplace. It almost seems that young men are on the prowl looking for opportunities to rape and kill their chosen victims. There is a loud call for more stringent laws. The question to ask is: Is the Indian state truly concerned about these girls of ours or is it led by men who believe, like Mulayam Singh Yadav, the late Samajwadi Party leader, that "boys will be boys"? Why are boys not boys in every state of the Indian Union or in other countries of the world? The answer to this question should guide those in power to take remedial measures. Much depends on the political will to combat the menace of sexual perverts running amok. The solution does not involve formulating new laws but ensuring that existing laws on sexual misconduct are uniformly and firmly enforced. With regard to the Kolkata case, the insidious practice of appointing 'civic volunteers' in government-run hospitals should be immediately discontinued. These workers are chosen from among the ruling party's supporters without proper verification of their antecedents, habits and proclivities. Lumpen elements who constitute the stormtroopers of every political party are allowed to slip in. The 'carte blanche' given to them to roam around in hospitals, 'helping' patients secure beds and medical attention, has led to this sad occurrence. Regularly recruited social workers who train students for true social work should replace these 'civic volunteers', whose main job is to extract 'speed money' from patients in distress. All indications point to the sharing of the proceeds of corruption with those who have helped them secure unofficial employment. This menace is not exclusive to Bengal or to one political party. In Gujarat, I learnt that besides teachers recruited from amongst the ideologically aligned people, the ranks of the Home Guards were chosen from the same partisan source. The Home Guards are often sent to assist the police in law and order or traffic regulation. If such recruitment of untrained men and women is not discontinued, incidents like the one that has hit Kolkata in its solar plexus will multiply. Another very urgent remedy to reduce cases of sexual misconduct is to send out a clear message to potential offenders that they can expect no mercy from parties in power. They will be caught by the police and sentenced by the courts. At present, there is a very wrong



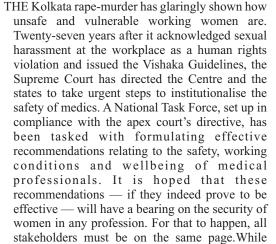
message being circulated that if you support or help the These instances of an anti-women attitude of parties in party in power, your time in jail will be curtailed by the easily obtained parole and even jail sentences can be prematurely terminated.Gurmeet Ram Rahim, a selfstyled godman with a large following in Haryana, was convicted of two rapes and a murder. He was released on parole for long periods coinciding with the Lok Sabha and Assembly elections. That may have helped the ruling party get a few more votes, but it encouraged sexual offenders to go ahead with satisfying their lust. Similarly, the dozen or so men convicted in Gujarat for rape and murder during the 2002 riots were released prematurely, thereby sending out a clear message that a partisan government would not stop aiding and abetting such offenders as long as they are the party's supporters. The Calcutta High Court fortunately intervened when the TMC was more than kind to the medical college principal, who appeared to have shut his eyes to the unlawful activities of the 'civic volunteers'. The principal should have been given a punishment posting but instead was sent to a bigger and better hospital before the court stepped in. That error of judgment was widely interpreted as an indication of the TMC's support for what was radically evil in the hospital management.

power in order to bolster their political fortunes is what contributes to the general disrespect for womanhood and, further, disrespect for the law itself. Unless public pressure is built on all parties to desist from showing mercy to sexual offenders, the menace will continue to haunt the national conscience.

Mulayam's adage that "boys will be boys" is presently the reigning philosophy in our land. It is fortunate that educated women have revolted against this philosophy. It took the BJP leadership quite a long time to sideline Brij Bhushan Sharan Singh, a party MP who doubled as the president of the Wrestling Federation of India. He was a serial offender who ran several educational institutions in and around his home town. He commanded votes in more than three Lok Sabha constituencies. And that mattered more to the BJP than all the slogans that placed women on a pedestal and that were glibly repated day in, day out by the party's eminent leaders. If action had been taken earlier against Brij Bhushan, Vinesh Phogat would not have missed the trials for the Olympic wrestling slot in her preferred weight category. And we would not have had to approach the Court of Arbitration for Sport, begging for rules to be changed!

Unsafe women

Laws, guidelines must be implemented effectively



charting a new action plan, there is a dire need to assess how far the existing laws and guidelines have succeeded in bringing about a difference on the ground. The Sexual



Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act, 2013, was enacted as an extension of the Vishaka Guidelines with the primary aim of ensuring safe working spaces for women. Last year, the

Supreme Court flagged 'serious lapses' and 'uncertainty' regarding the implementation

The Nirbhaya Fund, set up by the Union Government to implement initiatives and schemes for enhancing the safety and security of women, has often been in the news for the wrong reasons — money being underutilised or misused. Over the past nine years, nearly 76 per cent of the allocated funds have been spent by various states and union territories, but there has been a drop of only 9 per cent in the number of rape cases reported across India. These sobering facts should be borne in mind while undertaking any new initiative. Women's safety and their greater participation in the workforce will

remain elusive unless stringent action is taken not only against the offenders but also the authorities guilty of dereliction of duty.

Need to look beyond identities to remove inequalities



THE Supreme Court judgment validating the sub- Interestingly, many of those who oppose the SC classification of Scheduled Castes (SCs) for reservation has touched upon many contentious issues. Besides creating a ground for significant shifts in the reservation policy, it raises questions about the changing nature of caste and how the state policy should deal with it. As expected, the judgment has divided Dalit activists and political parties. The relatively more vocal and visible sections among the SCs have come out in opposition to the judgment. Those from smaller and more marginalised sections, who have been seeking sub-classification, have been less visible in the media space.

The judgment has come at a time when a section of the mainstream political class is aggressively campaigning for the need to enumerate the caste-wise socio-economic status of the Indian population. This, they are arguing, would help the country generate data on the levels of 'backwardness' among the less privileged social groups/castes. If the data shows that large sections of the people (read caste communities) are not represented in the political system, or institutions such as the bureaucracy and the media, policies could be made to make the country a more equal and representative society. While the enumeration narrative mostly targets the OBCs (other backward classes), the apex court judgment raises questions about the category of SCs, the need to recognise internal differences among them and classify them into sub-categories for a more just distribution of the existing quotas for them. The judgment has also underlined the critical need for empirically verifiable data on the current nature of the socio-economic status of communities within the SC category. It is only after ascertaining such facts through hard data that the states can introduce quotas within quotas.

sub-classification judgment have been supporters of a caste-based census for ascertaining the status of OBCs. The case of SC reservations, they would argue, is different from that of OBCs. The OBCs have not been victims of untouchability and absolute exclusion. The economically well-off among them do not experience the kind of prejudice that a mobile SC is likely to encounter even after achieving a significant degree of economic success. The SCs, they would argue, were put together and classified as such because of their shared experience of having been treated as untouchables by mainstream Hindu society. Their inclusion in the SC list thus makes them a

'homogeneous class'. Such a position has also been ascertained by earlier court judgments on subclassification. The history of SC enumeration and the provision for earmarking quotas for them goes back to the early years of the 20th century. The introduction of a population census by the British rulers in the latter half of the 19th century was an important turning point in the history of the Indian caste system. It changed the way caste had been imagined. From a local system of jaatis and their sub-units, it became possible to speak of caste communities at the pan-Indian level. This also paved a way for the identification of the most marginalised among them and their classification into a separate category of 'depressed classes'. Being classified so also made a case for giving them special attention. Some native rulers, too, played an active role in these welfare policies. The reservation policy was introduced by Shahu Maharaj, the ruler of Kolhapur, in 1902. The process continued to gain momentum and by the time India achieved Independence, there was a near consensus that the country needed to make



special provisions for the uplift of those who had suffered untouchability and exclusion for centuries. BR Ambedkar's presence in the Constituent Assembly as the Chair of the drafting committee ensured that they got a fair deal in the form of reservations.

India's reservation policy has been one of the most successful state programmes of affirmative action in the modern world. It enabled the ex-untouchables to go to schools, colleges and universities for education and get employed in the state sector at all levels. It also made it possible for them to get members of their caste elected to state assemblies and Parliament. Over the years, it also produced a Dalit middle class, which articulates their anxieties and aspirations, from within. Being together in the SC list, they also gained in numerical strength. As SCs they made up for a substantial proportion; in some states even more than a quarter of the total population. Numbers matter a great deal in electoral democracy. Leaders like Kanshi Ram

were successful only because they were able to make

their constituencies realise the value of their working

together as a political bloc. However, their being together in the SC list has not resulted in a melting of their jaati identities. Categories like Dalit have acquired a national-level resonance, but in their everyday life, they remain divided. Their kinships are strictly limited to their jaat-biradari.

Every state of the Indian Union has a separate set of communities listed as SCs. It is likely that their sub-classification into separate blocks could weaken their political strength and ability to lobby with the state in support of the reservation action. It is also true that the mobility experienced by an individual from an SC caste through the quota system does not end social prejudice against the community of the beneficiary. It is in this context that it makes no sense to invoke the

idea of a 'creamy layer' in the case of the SCs, and should not be considered for state policy. However, we must also recognise that the demand for subclassification has been raised from within, by those sections of the SC communities who have not been fairly represented in the quota jobs. There is a good amount of empirical evidence to support such a claim, making their demand appear legitimate.

Though a part of the Constitution, the SCs have not been a fixed or closed category. Many communities have been added to the list over the years. For example, in 1951, Punjab had 27 castes listed as SCs. Currently, their number is 39. The same is the case with many other states, and even with the lists of Scheduled Tribes.If justice and hissedari/bhagidari are the objectives of the reservation system, the subclassification proposal cannot be denied. If the objective is to make citizens out of those caught in entrenched inequalities, the policies of a democratic/welfare state ought to be driven by data and evidence, and not by identities alone

Telecom players meet **Jyotiraditya Scindia to** discuss regulations on OTT platforms

NEW DELHI: Telecom minister Jyotiraditya Scindia recently met with top telecom service providers to discuss the regulation of Over-the-Top (OTT) communication services. The meeting included Vodafone Idea CEO Akshaya Moondra, Reliance Jio managing director Pankaj Pawar, and Cellular Operators Association of India (COAI) Director General S P Kochhar. BSNL Chairman Robert J Ravi also participated. Telcos reiterated their demand to bring OTT services like WhatsApp, Telegram, and Skype under regulation, referencing the Telecommunication Act 2023. They argued that the bill's broad definition of "message" could encompass OTT communication services. Other topics included relaxing norms for quality of service. Kochhar said TSPs still grapple with Right of Way (RoW) issues when acquiring permissions for infra deployment on public and private land for installation of towers and fiber-optic cables. The situation is aggravated by additional requirement of street furniture for 5G networks. Interference from other wireless devices and electromagnetic interference, degrades signal quality and network performance.

Telcos have been advocating for OTT regulation, contending that these services offer similar functionalities to traditional telecom operators but are not subject to the same regulatory requirements.

Swiggy eyeing to launch IPO at USD 15 bn valuation

NEW DELHI. Foodtech firm Swiggy, which was last valued at \$10.7 billion, is reportedly targeting a valuation of \$15 billion valuation for its initial public offering (IPO). The company, which competes with Zomato, is working to launch a mega IPO of \$1 - \$1.2 billion.On Friday, one of Swiggy's investor 360 One valued Swiggy at \$ 11.5 billion. Other investors, however, sees the Bengaluru-based company at much higher valuation. Invesco had last valued Swiggy at \$12.3 billion while Baron Capital valued the firm at \$15.1 billion. Swiggy was valued at \$10.7 billion after its last funding round in 2022.In April, Swiggy's shareholders had approved the much awaited public issue. The company's confidential filing may receive approval from capital market regulator Sevu in the coming weeks. According tote filing, the IPO offer will include a fresh issue of shares worth Rs 3,750 crore and an offer-for-sale (OFS) component worth Rs 6,664 crore.Swiggy will use the initial public offer (IPO) proceeds to expand its quick commerce Instamart business and open more warehouses to increase its competitiveness. Goldman Sachs said in April that quick deliveries accounted for \$5 billion, or 45 per cent, of India's \$11 billion online grocery market.

Govt invites proposals for setting up e-commerce export hubs



Based on these proposals, further details, including software requirements for e-commerce export hubs (ECEH) to facilitate seamless and expeditious export clearances, will be finalised, the Directorate General of Foreign Trade (DGFT) stated in a trade notice.

New Delhi After Finance Minister Nirmala Sitharaman in her Budget speech announced the establishment of ecommerce export hubs, modelled on similar initiatives in several Southeast Asian countries, the Ministry of Commerce and Industry has invited proposals to finalise the operational modalities of these hubs. Based on these proposals, further details, including software requirements for e-commerce export hubs (ECEH) to facilitate seamless and expeditious export clearances, will be finalised, the Directorate General of Foreign Trade (DGFT) stated in a trade notice.

'In this regard, detailed proposal(s) for setting up ECEH may be submitted to this Directorate for examination, support, and guidance," the DGFT said.

Initially, there are plans to set up 10-15 hubs across the country. These hubs would be designated areas, serving as centres with favourable business infrastructure and facilities for cross-border e-commerce activities.

The main objectives are to ensure predictability and the shortest possible turnaround time for e-commerce exports, to facilitate easy re-imports for e-commerce returns or rejects, and to bring various cross-border ecommerce stakeholders under one roof.

While Micro, Small, and Medium Enterprises (MSMEs) and artisans in China, South Korea, Japan, and Vietnam have experienced a surge in exports through ecommerce, India's exports via this route, at \$5 billion, have only been a fraction of its total goods exports of \$450 billion. In contrast, China's exports through this medium alone have surpassed \$300 billion.

A report by the economic think tank GTRI suggests that India's e-commerce exports have the potential to reach \$350 billion by 2030, but banking issues hinder growth and increase operational costs. India has set a target of \$1 trillion in merchandise exports by 2030, and crossborder e-commerce trade has been identified as one of the avenues to achieve this goal.

Bangladesh owes USD800 million to Adani Power Ltd

Despite the financial turmoil, Adani Power has assured that it will continue to supply power to Bangladesh from its 1,600MW plant in Jharkhand.

NEW DELHI: Amid student-led protest in Bangladesh, Adani Power Limited, the power generating unit of Adani Group, has accumulated unpaid dues of up to \$800 million from the country.

According to a report, Bangladesh Bank's newly-appointed Governor Ahsan H. Mansur warned that if the payments are not made, electricity supply may be halted. However, Adani Power has no plans to cut off supply lines for now, but may face pressure from lenders and coal

suppliers if payments remain outstanding.

Despite the financial turmoil, Adani Power has assured that it will continue to supply power to Bangladesh from its 1,600MW plant in Jharkhand, which is dedicated to supplying 100% of its electricity to the neighboring nation. The Power Purchase Agreement (PPA) for the power supply was signed between Adani Power (Jharkhand) and the Bangladesh Power Development Board (BPDB). The plant currently sources coal from Adani Group's mines in Australia.

Recently, the power ministry amended power import/export guidelines to enable electricity supply from plants set up as export-oriented units to sell power within India. The amendment allows the

government to permit connection of such generating stations to the Indian grid to facilitate the sale of power within India in case of sustained non-scheduling of full or part capacity or default notice issued by the generator for any default, including

recent political crisis in Bangladesh, which saw the Sheikh Hasina-led government forced to resign and the former Prime Minister of the country fleeing to India for safety. The move is seen as a precautionary measure to ensure power supply and mitigate potential losses for Adani Power.

Adani Group has not issued an official statement on the matter. The delayed payments highlight the financial and geopolitical risks Adani

Group faces as it expands globally, particularly in neighboring countries like Sri Lanka, Bhutan, and Nepal. This expansion aligns with Indian Prime Minister Narendra Modi's broader policy goals in the region.

Why Cognizant Sues Indian Tech Giant Infosys in US Court; Know the Reason Here



New Delhi. Cognizant vs Infosys In US Court: US-based software company Cognizant TriZetto has filed a lawsuit against Indian tech giant Infosys in a Texas federal court, accusing Infosys of stealing confidential information related to its healthcare insurance software. This comes 8 months after Infosys sent a missive to Cognizant accusing the US-based IT firm of unfair employee poaching. However, Infosys has denied all allegations levelled by Teaneck-based rival Cognizant's subsidiary Cognizant TriZetto in Texas federal court. Cognizant, headquartered in New Jersey and with

70% of its employees in India, claims that Infosys unlawfully extracted data from its databases and used this information to develop and market competing software. Cognizant's software includes TriZetto's Facets and QNXT, used by healthcare insurance companies to automate administrative tasks. According to the complaint by Cognizant, Infosys misused TriZetto's software to create "Test Cases for Facets," which improperly repackaged TriZetto's data into an Infosys product. Notably, the companies are locked in a closed combat even in the market with both companies approaching \$20

Cognizant, headquartered in New Jersey and with 70% of its employees in India, claims that Infosys unlawfully extracted data from its databases and used this information to develop and market competing software.

billion in revenue.

Cognizant has requested the court to award an unspecified amount in monetary damages and to issue an order directing Infosys to cease the misuse of its trade secrets. Moreover, you will be surprised to know that the Cognizant's Chief Executive Officer Ravi Kumar S is an Infosys veteran, having served as its president and deputy Chief Operating Officer for over nine years, with the stint ending in October 2022. Just two before this saga, Cognizant appointed Rajesh Varrier to replace former Cognizant India Chairman and Managing Director Rajesh Nambiar, who will assume the role from October

Amazon India Announces Up To 12 Per Cent Reduction In Selling Fees Ahead Of Festive Season

Mumbai. Amazon India on Saturday announced an up to 12 per cent reduction in selling fees across multiple product categories on the marketplace ahead of the festive season. The reductions in fees, which is effective from September 9, will enable sellers to expand their product portfolio on the platform besides providing a boost to growth, Amazon India said.

With the changes, sellers on Amazon India will benefit from a drop in selling fees, ranging from 3-12 per cent, across various product categories", the company said. The new rate card will particularly benefit sellers offering products priced below Rs 500, it said. "At Amazon, we are invested in supporting businesses of all sizes, from small and medium businesses to emerging entrepreneurs to established brands. The fee reduction is directly in response to feedback from our sellers, especially small businesses," Amit Nanda, Director Selling Partner Services at Amazon India, said. While the timing of the fee cuts aligns with the



festive season, these changes are not temporary measures, the company said. The reduction in fee will give sellers an opportunity to optimise their operations in time for the Diwali shopping rush as well as beyond the festivities.

Sellers, particularly those selling affordable products, will experience a significant decrease in fees on Amazon. This will provide them with an opportunity to reinvest in their business for accelerated growth," Nanda added.

Finance ministry to issue circular on GST Amnesty Scheme in October or November

NEW DELHI. The Ministry of Finance will soon issue a circular regarding the much-anticipated goods and services tax (GST) Amnesty Scheme, which was recently proposed in the Budget 2024, as per sources. The scheme aims to provide relief to taxpayers by waiving interest and penalties under certain conditions for tax matters arising between July 1, 2017, and March 31, 2020.It covers show cause notices (SCNs), adjudicating orders, and appeal orders issued for the 2019-20. According to sources, under the scheme, taxpayers can benefit from a waiver of interest and penalties if they pay the full amount of tax due by March

31, 2025. "However, cases concerning refunds are explicitly excluded from the scheme. Taxpayers currently involved in appeals or court proceedings must withdraw these cases to be eligible for amnesty. Furthermore, once a case is resolved under the scheme, it cannot be appealed against," said a government source. The applicability of the scheme is expected to commence around October or November 2024, following the issuance of the official notification.

financial years 2017-18, 2018-19, and Additionally, there is ongoing industry representation advocating for the inclusion of cases with demands solely for interest or penalties, as well as for the consideration of transitional credit operates on a SCN or order-wise basis, necessitating taxpayers to address all issues related to a specific SCN or order if they choose to participate."We have represented that in case tax amount has been paid earlier and only interest and/or penalty are pending, technically these are not included in the Scheme as per enacted Section 128A of CGST Act; these cases should be included. Another issue is that there must be a provision for carving out the three FYs 17-18 to 19-20 out of the SCN/Order for which Amnesty can be availed; whereas the balance years can be mitigated by the taxpayer, incase

Vistara set to merge with Air India as Cabinet to decide on FDI

NEW DELHI. The final nod for Vistara's merger into Air India could come as soon as this Saturday when the Cabinet clears the foreign direct investment by Singapore Airlines (SIA) into AI. SIA, which was 49% stake holder in Vistara, will get 25.1% stake in the merged airline by investing 2,059 crore in it, hence the need for FDI approval. All other nods from agencies like the Competition Commission and DGCA are already in place. Tatas will have remaining 74.9% stake in AI.

After Govt FDI nod, AI-Vistara will shortly communicate timelines of the merger to passengers. People who have booked tickets on Vistara flights post the date of merger will be informed that their flight will be on Air India along with the changed flight number of AI and its time.

Sources say the date of merger is likely to be after Diwali (Nov 1) as the airline will avoid taking any chances during the peak festive travel season. "There will be a decent window between post Diwali and the onset of fog that usually happens after Dec 20 which leads to flight disruptions. Ideally the merger should happen in that



space to sort out any merger teething issues like informing passengers booked on Vistara their changed AI flight details before fog adds further complexity to the equation," said sources. Vistara has 70 aircraft which will continue to fly in the AI's new livery when the aircraft go in for heavy checks. "Taking out aircraft just for painting purpose and letting capacity take a hit makes no sense. Also Vistara aircraft have a better cabin product than that of AI's old planes," said sources.

airline's livery. The same will changed to Vistara had earlier reached out to

passengers informing them about the transfer of frequent flyer miles to AI's loyalty programme. The movement of personnel has already started, with many Vistara employees now operating from AI's new Gurgaon headquarters.

Are there chances that passengers who have booked on a certain class of Vistara, say business or premium economy, on a flight that has to operate after the date of merger being shifted to economy on the AI flight they take as the latter's business may be full or it may not have a premium economy? "There are little chances of such things happening," said sources.

AI management had last considered toyed with the idea of postponing Vistara's merger. The reason: They wanted AI planes to be upgraded first and till then retain Vistara as the better product carrier. However given mounting concerns among Vistara employees about AI officials getting all key posts in the merged airline, that plan was shelved. So even as AI remains very much a work in slow progress, the merger is now going to happen before the end of this calendar

Cheetahs At Kuno National Park To Roam Free After Year-Long Enclosure Stay

Kuno National Park: The first batch of eight cheetahs from Namibia was introduced in India in September 2022 and the second batch of 12 cheetahs was flown in from South Africa last February.

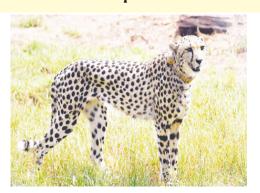
New Delhi: African cheetahs brought to India as part of the world's first intercontinental translocation of big cats will soon be released into the wild, nearly a year after they were returned to enclosures in Madhya Pradesh's Kuno National Park for health check-ups and monitoring, according to officials.

Officials told Press Trust of India that the Centre's Cheetah Project Steering Committee on Friday decided to release the African cheetahs and their cubs, born in India, into the wild in a phased manner after the monsoon withdraws from central parts of the country."Members of the committee and NTCA (National Tiger Conservation Authority) officials conducted field visits to Kuno and discussed the schedule for releasing the cheetahs. While adult cheetahs will be released into the wild in

phases once the rains end, the cubs and their mothers will be released after December," an official said.

All 25 cheetahs - 13 adults and 12 cubs - are doing well, according to the official. The first batch of eight cheetahs from Namibia was introduced in India in September 2022 and the second batch of 12 cheetahs was flown in from South Africa last February.

Some cheetahs were initially released into the wild but were brought back to their enclosures by August last year after the deaths of three cheetahs - a female named Tbilisi (from Namibia) and two South African males, Tejas and Sooraj - due to septicemia, an infection that occurs when bacteria enter the bloodstream and spread. This condition arose from wounds under the cheetahs' thick winter coats on their backs and necks, which became



infested with maggots and led to blood infections, according to the government's annual report on Project Cheetah.Officials had earlier told news agency PTI that the unexpected growth of winter coats by some cheetahs during the Indian summer and monsoon, in anticipation of the African winter (June to September), was a major

challenge in managing the animals in India during the first year."Even African experts did not expect this. The winter coat, combined with high humidity and heat, caused itching, leading the cheetahs to scratch their necks on tree trunks or the ground. This resulted in bruises and exposed skin, which attracted flies that laid eggs, leading to maggot infestations, bacterial infections, and ultimately, the death of three cheetahs," said SP Yadav, Director General of the International Big Cat Alliance and former NTCA member secretary.

The deaths prompted the steering committee to recommend that "future cheetahs for reintroduction should be sourced from countries in the Northern Hemisphere. such as Kenya or Somalia, to avoid biorhythmic complications". Currently,

only one cheetah, named Pavan, is roaming free, with officials noting that he is difficult to spot and capture. Though such "experimental" projects come with challenges and expected mortalities, experts in both India and Africa have expressed concerns about keeping the cheetahs in enclosures for extended

"The cheetahs are not truly living in the wild, despite spending two years on Indian soil. Cheetahs prefer long journeys and they could be under severe stress," an African expert who assisted with the cheetah reintroduction in India said on condition of anonymity. Since their arrival in India, seven adult cheetahs -- three females and four males -- have died, including four due to septicemia. All these deaths occurred between March 2023 and January 2024.

Army chief meets Manipur Chief Minister N Biren Singh, reviews security situation

Imphal. The Indian Army chief, General Upendra Dwivedi, on Friday met Manipur Chief Minister N Biren Singh and held discussions on a wide range of issues, including on ways to bring peace in the northeastern state. Expressing appreciation for the Army chief's visit, Singh posted on X, "I deeply appreciate General Dwivedi's visit to Manipur. Deliberated on critical issues concerning the current situation of our state. We reaffirmed the cooperation between the state government and the security forces in effectively responding to the challenges we face, maintain peace and harmony in the state.'

According to a statement from the Chief Minister's Office, General Dwivedi, who is on a two-day visit to Manipur, was accompanied by Lieutenant General RC Tiwari, General Officer Commanding-in-Chief, Eastern Command, Lieutenant General Abhijit S Pendharkar, General Officer Commanding 3 Corps, and Major General Ravroop Singh, Inspector General Assam Rifles (South).

This is General Dwivedi's first visit to the state since he assumed office as the 30th COAS from General Manoi Pande on June 30. He is also expected to meet the senior Army ground commanders and the leaders of other security agencies in the state.

Opposition questions death of man accused of raping minor in Tamil Nadu

Chennai. The Opposition leaders in Tamil Nadu on Friday raised doubts about the circumstances that led to the death of the accused in the Krishnagiri sexual assault case and his father. Naam Tamilar Katchi (NTK) functionary A Sivaraman, who was arrested for allegedly raping a minor student at a fake NCC camp, died at a hospital in Tamil Nadu's Salem. The 30-yearold accused was arrested by police as he was trying to flee and had consumed rat poison and died on Friday. Earlier on Thursday, his father also died.

After the death of Sivaraman and his father, AIADMK General Secretary Edappadi K Palaniswami said that they died under suspicious circumstances. In addition, Tamil Nadu BJP chief K Annamalai also raised doubts about the circumstances tht led to the death of Sivaraman and his father.

Both the leaders also questioned if there was an attempt to save the real culprits and others involved in the case by



"silencing Sivaraman and his father". They also demanded a Special Investigative Agency (SIT) to probe the case. However, the police have refuted claims of any foul play concerning the deaths of Sivaraman and his father. The police have said that Sivaraman had fractured his leg while trying to evade arrest on August 19, following which he was arrested at a government hospital in Krishnagiri.

During interrogation, he admitted that he had consumed rat poison two days before being arrested. This was recorded in the medical history sheet of Sivaraman by the doctors, police said.Later, he was shifted to a government hospital in Salem for further treatment, including dialyss, but he died during treatment. The police also claimed that Sivaraman had also consumed rat poison earlier last month due to a family dispute and underwent treatment at a private hospital. Meanwhile, Sivaraman's father, Ashok Kumar, died after suddenly collapsing and falling on the road from his bike. A CCTV footage showed Ashokkumar suddenly collapsing on the ground. After the incident, the police sent the body for postmortem and a report was awaited to find out whether Kumar collapsed due to a cardiac arrest or if he was under the influence of alcohol.

'Raise your voice': Indian community in US 'Two politicians and 4 future ones': Abdullahs in throwback seeks justice for Kolkata trainee doctor

New Delhi:Several people from the Indian community, including doctors and other medical professionals, organised a series of events in the United States to highlight their In addition, as many as 37 notable

demand for justice following the rape-murder of an on-duty female doctor at the RG Kar Medical College and Hospital in Kolkata. The body of the 31year-old trainee doctor with severe injury marks was found earlier this month inside the seminar hall of the state-run RG Kar Medical College and Hospital's chest department. The

preliminary autopsy report suggested she was subjected to violent sexual assault, evoking widespread protests from medical and non-medical fraternities in that state and others.

People in several cities of the US, including Miami, Florida, Chicago, Boston and New York, lit candles to spell out justice and held placards with messages calling for respect and empowerment of women.



medical associations such as the American Association of Physicians of Indian Origin (AAPI), Lady Hardinge Medical College Alumni Association of North America (LHMC), AIIMSONIANS of America (All India Institute of Medical Sciences, Delhi), Connecticut Association of Physicians of Indian Origin (CAPI) also extended their support for justice to the trainee doctor.A letter has also been sent to

President Draupadi Murmu, Prime Minister Narendra Modi, the Leader of Opposition in Lok Sabha, Rahul Gandhi, and the Chief Justice of India, to seek justice for the female doctor.

Speaking to India Today TV, Dr Sanjay Bindra, President of the GOSUMEC foundation, said, "I urge the Indian government to implement strict laws to ensure physician

safety. Earlier on Thursday, Indian-origin female medics in the UK also expressed solidarity with the protests taking place in India demanding justice for the trainee doctor who was raped and murdered in West Bengal.

'Two politicians and 4 future photo with Gandhis

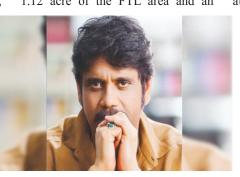
New Delhi:Former J&K Chief Minister Farooq Abdullah's daughter shared a throwback picture of the Abdullahs with the Gandhi family on social media, coinciding with the announcement of the Congress-National Conference alliance for the upcoming Assembly polls. The photo, which is from December 1986, shared by Safia Abdullah Khan, shows Farooq Abdullah with his three daughters, wife, and son, Omar Abdullah. The Abdullahs are seen posing with the Gandhis, which includes former Prime Minister Rajiv Gandhi, wife Sonia Gandhi and their children Rahul Gandhi and Priyanka. Safia shared the picture on X with the caption, "On a day when Rahul Gandhi is visiting Kashmir, I can't help but remember a visit many moons ago.



Why Actor Nagarjuna's N-Convention Centre Is Being Demolished

New Delhi: Popular actor Nagarjuna's N-Convention centre is being demolished by the Hyderabad Disaster Response and Assets Monitoring and Protection (HYDRA), owing to allegations of encroaching the Full Tank Level (FTL) area and buffer zone of the Thammidikunta Lake.The FTL refers to the spread of any water body upon which construction is restricted. A buffer zone also remains established with the FTL area to prevent encroachments upon water bodies. Earlier this year, the zonal commissioners of the Greater Hyderabad Municipal Corporation (GHMC) were tasked with forming lake protection committees to prevent encroachments upon water bodies in and around the city. Recently, the National Remote Sensing Centre (NRSC) has also

revealed that the extent of lakes in Hyderabad was reduced by 61 per cent between 1979 and 2024.Nagarjuna's Convention Centre allegedly stood on 1.12 acre of the FTL area and an



additional 2 acre within the buffer zone. According to official sources, the FTL area of Thammidikunta Lake is approximately 29.24 acre. The property was under scrutiny for several years. However, the GHMC

had not taken any action against it. The management of the convention centre allegedly used influence to bypass regulatory actions from concerned authorities. An official complaint

against the convention centre was filed to HYDRA on Wednesday by Komatireddy Venkat Reddy, Telangana's Minister of Roads and Buildings. He also enclosed with his complaint the FTL map pointing out the encroachment along with a Google Earth map. The actor took to social media platform X (formerly Twitter) following the demolition drive. "The land is a Patta land, and not

even an inch of tank plan is encroached. As a law-abiding citizen, if the Court before which the matter is pending, had decided against me, I would have carried out the demolition myself." he wrote.

In subsequent tweets, Safia, recounting the day, said it was "just two old friends with their families". "Two politicians and four future ones!" she further tweeted. She also said the photo was shot in Tangmarg as they couldn't get up to Gulmarg due to heavy snowfall. A user on X pointed out that Rajiv Gandhi and his family had travelled by road from Jammu to Srinagar on that day.

Earlier this week, the Congress stitched an alliance with the National Conference (NC) as Rahul Gandhi and party president Malikarjun Kharge visited the Union Territory.

On Friday, Omar Abdullah said a seat-sharing arrangement with the Congress had been finalised on a majority of the 90 Assembly seats. According to sources, Congress has expressed its desire to contest 12 seats in Kashmir and has offered 12 seats to the National Conference in the Jammu division. Assembly elections will be held in Jammu and Kashmir for the first time since the scrapping of Article 370. The polls will be held in three phases on September 18, September 25 and October 1. Votes will be counted on October 4 along with that of Haryana.

Matched On App, Scammed At Cafe: Mumbai Man Pays 61,000 On Fraud Date

The latest example of this exploitative scheme comes from a Mumbai club which is now under investigation following a viral social media post.

New Delhi: A match on a dating app, an invitation to a fancy restaurant and a bill that will not just burn a hole in the pocket but set whatever you're wearing on fire the standard modus operandi of 'scam dates' has claimed many victims. The latest example of this exploitative scheme comes from The Godfather Club in Mumbai's Andheri West, which is now

under investigation following a viral social media post. The post, shared by activist Deepika Narayan Bhardwaj on X, has shed light on a scam that has left several men out of pocket and deeply embarrassed.

According to Ms Bhardwaj's post, the scam begins innocently enough on popular dating apps like Tinder, Bumble, Hinge and OKCupid. Men connect with women who quickly express interest in meeting up. The chosen venue is often The Godfather Club or

another similar establishment in the vicinity. Once at the location, the women reportedly order expensive items such as high-end liquor or hookah, none of which

appear on the menu. The men, eager to impress, are unaware of the looming financial trap.



After the orders have been placed, the women abruptly leave, often citing an emergency, leaving the men to face an exorbitant bill. The sums involved are staggering, with bills ranging from ?

photos of receipts shared by Ms Bhardwaj. When the men protest or refuse

to pay, they are reportedly threatened by the club's staff or bouncers, forcing them to settle the bill out of fear and humiliation. The Godfather Club is not the only venue under scrutiny. Ms Bhardwaj's post hints at a broader network of nightclubs across Mumbai engaging in similar practices. These establishments allegedly employ PR personnel who hire women to bait men on dating apps, luring them into expensive and intimidating situations.Similar incidents have also been reported across major cities like Delhi, Gurugram, Bengaluru and Hyderabad, among

others. In June, a civil service aspirant's date went wrong when he was scammed into paying a staggering? 1.2 lakh in bills at a popular joint in the national capital.

News box

3 killed, several injured in knife attack at festival in Germany

Berlin. At least three people were killed and several others were injured in Germany's Solingen on Friday after an unidentified attacker went on a stabbing rampage at a local festival.

According to news agency Reuters, the attack was reported on Friday night at the festival marking 650 years of Solingen. After the incident, the attacker fled the scene. The police advised the people to leave the area and also launched a manhunt to arrest the attacker. In a statement on Facebook, Solingen's Mayor Tim Kurzbach said, "Tonight all of us in Solingen are in shock, horror and great sadness. We all wanted to celebrate our city anniversary together and now we have to mourn the dead and injured.""It breaks my heart that an attack has happened in our city. I have tears in my eyes when I think of those we've lost. I pray for all those still fighting for their lives. Also my greatest sympathy for all those who had to experience this, these images must have been horrific," he added.

Solingen has a population of 160,000 people and is located near two bigger German cities -- Cologne and Duesseldorf. Earlier in May this year, several people, including a police officer, were injured in Germany's Mannheim after an unidentified attacker launched a similar knife attack at a rightwing demonstration.

The attack happened when an elderly man was preparing to address the far-right protest that was called by anti-Islam activist Michael Stuerzenberger. Stuerzenberger, who describes himself as an Islam-critical journalist, has been a member of several far-right anti-Islam organisations, including the PEGIDA movement that holds regular marches in cities, especially in eastern Germany.

Ready or not, election season in the US starts

World There are just over 70 days until Election Day on Nov. 5, but major dates, events and political developments will make it fly by. Think about it this way: The stretch between now and then is about as long as summer break from school in most parts of the country.

In just two weeks, Sept. 6, the first mail ballots get sent to voters. The first presidential debate is set for Sept. 10. Former President Donald Trump, the Republican nominee, is scheduled to be sentenced in his New York hush money case on Sept. 18. And early inperson voting will start as soon as Sept. 20 in some states.ere's a look at why the calendar will move quickly now that the Democratic and Republican conventions are wrapped. Who's ready to vote?

The first batch of ballots typically sent out are ones to military and overseas voters. Under federal law, that must happen at least 45 days before an election — which this year is Sept. 21. Some states start earlier. North Carolina will begin sending mail ballots to all voters who request them, including military personnel and overseas voters, in just two weeks, Sept. 6. Voter registration deadlines vary by state, with most falling between eight and 30 days before the election, according to the National Conference of State Legislatures. The deadline is Oct. 7 in Georgia, one of this year's most prominent presidential battlegrounds. Nearly all states offer some version of in-person voting, though the rules and dates vary considerably. In Pennsylvania, another of the major presidential battleground states, voters can visit their local election office to request, complete and return a mail ballot beginning Sept. 16. For those counting, that's about three weeks from

Harris isn't backing away from Biden's democracy focus; she's putting her own spin on

CHICAGO. Before dropping his bid for reelection, President Joe Biden framed voters' choice in November in dark and ominous terms, painting Republican nominee Donald Trump as a menace to American democracy and questioning whether the country could survive if he won.

The Democratic Party's new nominee, Vice President Kamala Harris, isn't exactly shrinking from that message, warning in her Thursday night acceptance speech of "extremely serious" consequences of Trump returning to the White House.

But Harris is putting her own spin on what has been a central messaging strategy for Democrats. Rather than focusing on the existential threat a second Trump term could pose to the country's foundational institutions and traditions, she is expanding Democrats' definition of what's at stake in this election: It's about preserving personal freedoms.

The fresh frame was on full display this week at the Democratic National Convention in Chicago, where attendees wrote their own definitions of freedom on handmade posters and Beyoncé's anthem "Freedom" boomed through the loudspeakers. The convention dedicated a day's theme to "fighting for our freedoms," with special guest Oprah Winfrey suggesting those working to preserve reproductive rights are "the new freedom fighters." Harris drove the point home over and over as she summarized her promises to American voters.

Robert F Kennedy Jr endorses Donald Trump, to end his independent presidential bid

Phoenix Ahead of a planned speech, Robert F Kennedy Jr campaign said in a Pennsylvania court filing Friday that he is endorsing Donald Trump for president. Kennedy's independent campaign also requested that he be removed from the Pennsylvania ballot, though it was not immediately clear that he was officially dropping out of the race. Kennedy had a speech planned in Arizona on Friday to discuss "the present historical moment and his path forward," according to his campaign. Hours later, Trump will hold a rally in neighboring Glendale. Trump's campaign has teased that he will be joined by "a special guest," though neither campaign responded to messages about whether Kennedy would be that guest. The late-stage development in the presidential race could give the former president a modest boost from Kennedy's supporters.A year ago, some would have thought it inconceivable that a member of arguably the most storied family in Democratic politics would work with Trump to keep a Democrat-- Vice President Kamala Harris-- out of the White House. Even in recent months, Kennedy has accused Trump of betraying his followers, while Trump has criticized Kennedy as "the most radical left candidate in the race."The Pennsylvania filing came Friday in a case in which Kennedy was defending his paperwork to get on the ballot in the battleground state against a challenge by two Democratic activists. The filing said that, "as a result of today's endorsement of Donald Trump" he was requesting the dismissal of his campaign's nomination papers so that he would not appear on Pennsylvania's ballot.

The Kennedy and Trump campaigns have ramped up their compliments to each other and engaged in behind-the-scenes discussions in recent weeks, according to those familiar with the efforts. Both campaigns have spent months accusing Democrats of weaponizing the legal system for their own benefit. And both have hinted publicly that they could be open to joining forces, with the shared goal of limiting Harris' chances.Last month, during the Republican National Convention, Kennedy's son posted and then quickly deleted a video showing a phone call between Kennedy and Trump, in which the former president appeared to try to talk Kennedy into siding with him. Talks between



the two camps continued, with close Trump allies quietly lobbying Kennedy to drop out of the race and support the Republican nominee, according to a person familiar with the efforts who spoke on condition of a nonymity to discuss private conversations. Trump told CNN on Tuesday that he would "love" an endorsement from Kennedy, whom he called a "brilliant guy". He also said he would "certainly" be open to Kennedy playing a role in his administration if Kennedy drops out and endorses him.

Kennedy's running mate, Nicole Shanahan, also openly suggested on a podcast this week

that his campaign might "walk away right now and join forces with Donald Trump." While she clarified that she is not personally in talks with Trump, she entertained the idea that Kennedy could join Trump's administration as secretary of the Department of Health and Human Services." I think that Bobby in a role like that would be excellent," Shanahan said. "I fully support it. I have high hopes."

Earlier Friday, Shanahan posted on X that she isn't a Kamala Democrat or a Trump Republican."I'm an independent American who is endorsing ideas, not a person or a party," she wrote. "I will continue working to give a voice to the voiceless and bring power back to the people."At Kennedy's Phoenix event, 38-year-old Casey Westerman, a Chandler, Arizona, resident who works in software sales, said she trusted Kennedy's judgment and had planned to vote for him, but would support Trump if Kennedy said that was who he was endorsing."My decision would really be based on who he thinks is best suited to run this country," said Westerman, who wore a "Kennedy 2024" trucker hat and voted for Trump in the last two presidential elections.

Nepal bus accident: Death toll rises to 27, injured moved to Kathmandu

Nepal. The death toll in a bus accident in Nepal has risen to 27, authorities said, a day after an Indian-registered bus carrying 40 Indian tourists crashed into the Marsyangdi River in Tanahun district while travelling from Pokhara to Kathmandu. The initial death toll was 14, but it has since increased as rescue efforts continue. Sixteen injured passengers were airlifted to Kathmandu for medical treatment. The bodies of the victims have been transported to Pokhara for autopsies.

Nepal Bus Accident Latest Updates

The injured passengers are being treated at the Institute of Medical Sciences in KathmanduUnion Minister of State for Youth Affairs and Sports Raksha Khadse



will be travelling to Kathmandu to collect the bodies of the deceased and meet the injured.All the passengers on the bus hailed from Jalgaon, Maharashtra.

Maharashtra's Deputy Chief Minister

Devendra Fadnavis wrote about the tragedy on social media platform X: "In connection with the bus accident in Nepal, the work of providing all kinds of help to the stranded devotees in Jalgaon district has started in coordination with the relevant authorities on the border with Nepal."Prime Minster Narendra Modi also wrote on X, expressing his grief: "Saddened by the loss of lives due to a road mishap in

Tanahun district, Nepal. Condolences to the bereaved families. May the injured recover at the earliest. The Indian Embassy is providing all possible assistance to those affected.

Ukraine launches drone attacks on Moscow, claim Russian officials

Kuala A woman from India disappeared in Malaysia's capital Friday when pavement collapsed beneath her and she fell into a sinkhole where she may have been swept away by an underground water current, police said. The woman plunged into the 8-meter-deep (26-foot-deep) sinkhole in the Dang Wangi area of the Malaysian capital, where local police chief Sulizmie Affendy Sulaiman said witnesses saw the paved walkway suddenly collapse under her while she was walking. Rescuers barricaded part of the area and used an excavator to clear debris in the sinkhole, but there was no immediate sign of the victim. Sulizmie declined to comment when asked about the possible condition of the woman,



or the cause of the incident.Kuala Lumpur police chief Rusdi Mohamad Isa said there was a strong water flow underground and that the woman may have been sept awayRusdi was quoted by the national Bernama news agency as saying the search required careful planning because it involves public infrastructure. For instance, if pipes or drains were shut down, it could cause flooding in the area, he said. "We can't act recklessly," he added.Rusdi said a soil slip was reported last year in the same location where the sinkhole appeared but that it was fixed. He said businesses in the area have been advised to close temporarily for safety reasons

Want India on our side to end war, not do balancing act: Ukraine's Zelenskyy

Kyiv Ukrainian President Volodymyr Zelenskyy on Friday called on India to lend its support to Ukraine in its war with Russia and urged it to refrain from taking a neutral or balancing stance in the crisis. Speaking to reporters after holding wideranging talks with Prime Minister Narendra Modi in Kyiv, Zelenskyy also expressed his desire to visit India soon and reach out to Indians.PM Modi arrived in Kyiv earlier in the day, becoming the first Indian Prime Minister to visit war-torn Ukraine since its independence. PM Modi also held oneon-one and delegation-level talks with Zelenskyy with a focus on ways to find a negotiated settlement to the Russia-Ukraine conflict that has badly impacted the world.Here's what Volodymyr Zelenskyy said after meeting PM Modi: Want India on our side to end the war and

not do a balancing act. I want to visit

India soon and reach out to Indian people. India has a big role to play in ending our war with Russia. India is an important country in the world and can have a big role in peace making," the Ukrainian President said while speaking to India Today TV exclusively. When asked about his meeting with PM Modi, Zelenskyy said, "We had a very good meeting, in fact a historical one. It was not about me or PM Modi, but about both the nation and its people. I am very thankful to PM Modi for coming to Ukraine".

Speaking about the four agreements inked by India and Ukraine earlier in the day, Zelenskyy said that Kyiv was ready to extend its technology to India for mutual benefit."We signed four Memorandum of Understandings (MoUs) with India and I think it's just the beginning. During the meeting, I told the Prime Minister that we are ready to share our technology with

news agency ANI, President Zelenskyy also said that India will play its role in the war which was started by one man, Vladimir Putin."India will play its role. I think that India has begun to recognise that this is not just conflict, this is a real war of one man and his name is Putin against the whole country whose name is Ukraine. You are a big country. You have a big influence, and you can stop Putin and halt his economy, and put him really in his place," he said. President Volodymyr Zelenskyy also said that Russian President Vladimir Putin doesn't respect Prime Minister Narendra Modi and does not want peace."The problem is that Putin doesn't want peace. I don't know what they spoke about when they had the meeting. If, during the official visit of the PM, you attack the children in hospital. So, he had to recognise that he (the Russian President) didn't respect India or didn't control his Army

Jake Sullivan to make first China visit as US security adviser amid tensions

Washington. Jake Sullivan, President Joe Biden's national security advisor, will visit China next week in a new bid to manage tensions months before US elections, the White House said Friday. Sullivan will travel to Beijing from August 27 to 29 in the first visit by a US national security advisor to China since 2016, although other senior officials including Secretary of State Antony Blinken have visited over the past two years. The visit comes months ahead of US elections in November. The Democratic presidential nominee, Vice President Kamala Harris, would be expected, if she wins, to continue Biden's approach of seeking dialogue with China while also maintaining pressure. Her Republican rival Donald Trump has vowed, at least rhetorically, to take a harder line, with some of his aides seeing a far-reaching global showdown with China. A senior US official told reporters that the Biden administration's engagement with China did not indicate any softening of approach and that it continued

to believe that "this is an intensely competitive relationship.""We are committed to making the investments, strengthening our alliances, and taking the common steps on tech and national security that we need to take," the official said, referring to sweeping restrictions on US technology transfers to China imposed under Biden."We are committed to managing this competition responsibly, however, and preventing it from veering into conflict," she added, speaking on customary condition of anonymity. A key area of friction has been Taiwan, the selfruling democracy which Beijing considers its territory and has not ruled out "reuniting" through force. China has kept up its sabrerattling since the inauguration this year of President Lai Ching-te, whose party emphasises Taiwan's separate identity."We're going to raise concern about the PRC's increased military, diplomatic and economic pressure in Taiwan," the



People's Republic of China.

"These activities are destabilising, risk escalation, and we're going to continue to urge Beijing to engage in meaningful dialogue with Taipei," she said.

The official said Sullivan would also discuss the South China Sea, where tension has been rising between China and US ally the Philippines. The official did not indicate that the United States expected breakthroughs on the trip, in which Sullivan will meet with

China's foreign policy supremo Wang Yi. The official said Sullivan will reiterate US concerns about China's support for Russia in its major expansion of its defence industry since the Ukraine invasion. Beijing counters that, unlike the United States, it does not directly give weapons to either side. China has historically been eager to work with US national security advisors, seeing them as decision-makers close to the president who can negotiate away from the media spotlight that comes with thesecretary of state or top leadership. The modern US-China relationship was launched when Henry Kissinger, then national security advisor to Richard Nixon, secretly visited Beijing in 1971 to lay the groundwork for normalisation of relations with the communist state.Sullivan and Wang have met four times over the last year and a half -once in Washington and the other times in Vienna, Malta and Bangkok -- as well as alongside Biden and President Xi Jinping at

softening of approach and that it continued administration official said, referring to the the trip, in which Sullivan will meet with their November summit in California. US, European nations reject Venezuela court's nod to Nicolas Maduro's poll win

Caracas, Venezuela The United States along with countries in Europe and Latin America on Friday rejected the certification by Venezuela's Supreme Court of strongman Nicolas Maduro's widely questioned presidential reelection. Washington, which has sanctions in place against Maduro's regime, said through State Department spokesperson Vedant Patel that the ruling 'lacks all credibility," while Spain and Mexico continued to insist on a detailed breakdown of voting results. Venezuela's top court, widely regarded as loyal to Maduro, on Thursday certified his disputed reelection to a third, six-year term -- a ruling he welcomed as "historic." The CNE electoral council, also seen as a Maduro ally, had declared him the winner of the July 28 election, with 52 percent of votes cast. It never provided a detailed breakdown of results. The opposition says polling stationlevel results show that its candidate Edmundo Gonzalez Urrutia, a 74-year-old

retired diplomat, defeated Maduro by a wide margin.It published these results online, prompting an investigation by Attorney General Tarek William Saab, seen as a Maduro ally, who said the opposition had "usurped" the powers of the CNE to release election results.

On Friday, Saab said he would summon Gonzalez Urrutia "in the coming hours" to explain his "disobedience" of state institutions.Patel said Friday there was "overwhelming evidence" Gonzalez Urrutia had won the vote, and warned that "continued attempts to fraudulently claim victory for Maduro will only exacerbate the ongoing crisis."Protests in the hours following the vote left 25 people dead, nearly 200 injured and more than 2,400 under arrest.It was time, said Patel, for "discussions on a respectful, peaceful transition."Maduro has called for the arrest of Gonzalez Urrutia, who has not been seen in public since leading a July 30 opposition



march.- 'Lack of independence' -The United States also signed a joint statement with 10 Latin American countries that decried a "lack of independence and impartiality" on the part of the high court and the CNE. "Only an impartial and independent audit of votes... will ensure respect for the sovereign popular will and democracy in Venezuela," said the document, which was also signed by Argentina, Costa Rica, Chile, Ecuador, Guatemala, Panama, Paraguay, Peru, the D o m i n i c a n R e p u b l i c a n d

Uruguay. Venezuela rejected the statement as "unacceptable" interference. Spain and Mexico insisted that unless Venezuela publishes detailed voting results, Maduro's victory claim cannot be recognised. For his part, EU top diplomat Josep Borrell insisted Friday that "we have not seen any evidence" of a Maduro victory."Until we see a result that is verifiable, we will not recognise it," he said. The CNE has said it could not provide a polling station-level breakdown as its systems had been targeted in a "cyber terrorist attack" -- a claim backed by the Supreme Court.An observer mission from the US-based Carter Centre said there was no evidence of a cyber attack. The opposition, for its part, says it has access to the results from 80 percent of paper ballots cast and that they show that Gonzalez Urrutia won handily.Gonzalez Urrutia on X urged the international community to remain "firm in defending our democracy and continuing to demand transparency from state bodies."

Sunday, 25 August 2024

Miss you Gabbar: Shikhar Dhawan's retirement leaves fans nostalgic

New Delhi. The morning of Saturday, August 24 didn't start well for several cricket fans as star India cricketer Shikhar Dhawan announced his retirement from international and domestic cricket. Dhawan was a regular mainstay in the Indian cricket team across all three formats from 2013 to 2018.

The southpaw didn't have a memorable beginning to his international career as he got bowled for a two-ball duck by Clint Mckay on his debut during an ODI in October 2010. However, he made a stellar comeback to the team scoring the fastest hundred by a player on Test debut off 85 balls against Australia in March 2013, Mohali.From there onwards, there was no looking back for Dhawan as he carried his form in the Champions Trophy 2013 and finished as the highest run scorer of the tournament with 363 runs from five innings including two hundreds and one fifty. He further finished as India's highest run scorer in the 2015 ODI World Cup with 412 runs to his name from eight innings.

Dhawan: The Man of ICC events



Courtesy of Dhawan's back-to-back stellar performances in the ICC events, he was given the nickname 'Mr ICC' and 'Man of ICC Tournaments' by his fans. Dhawan was also India's highest run scorer in Asia Cup 2014 and the highest scorer in 2018 edition of the continental tournament with 342 runs to his name from five innings. He also won back-to-back golden bat award for being the highest run scorer in the 2017 edition of the Champions Trophy as well.

The Delhi-born cricketer had announced himself in the 2019 ODI World Cup as well with a marvellous hundred against Australia before an injury during his innings ruled him out of the tournament. Dhawan's leaves behind a legacy of standing up for his team on the biggest of stages and taking them over the line time and again with his stupendous knocks.Following his announcement, fans were left emotional as they paid tribute to the stylish left-hander in their own unique ways.

Shikhar Dhawan, Mr. ICC, retires from international and domestic cricket

New Delhi. Former India cricketer Shikhar Dhawan announced his retirement from domestic and international cricket on Saturday, August 24. Dhawan last played for India in the ODI series against Bangladesh in December 2022 before losing his place to Shubman Gill. The 38-year-old shared a long video message for his fans on his social media handles thanking them for their love and support throughout his career. The Delhiborn cricketer made his international debut against Australia during an ODI in Visakhapatnam but didn't have a memorable beginning to his career getting dismissed for



failures, Dhawan made his return to the Indian team in 2013 and sealed his place across all three formats through remarkable performances."I always had one goal in mind that was to play for India and I achieved it thanks to a lot of people. First of all my family, my childhood coach Tarak Sinha and Madan Sharma, under their guidance, I learnt cricket. Then my entire team with whom I played for years, got another family, fame and everyone's love and support. As it's said that to move ahead in the story you need to flip over the pages. Hence, I'm also doing that, I'm announcing my retirement from international and domestic cricket," said Dhawan in the video. And now when I'm bidding adieu to my cricketing journey, I have the satisfaction that I played a lot for my country. I'm really thankful to the BCCI (Board of Control for Cricket in India) and DDCA (Delhi & District Cricket Association) for giving me this opportunity and all of my fans for their love and support. I just say this to myself that don't be sad that you won't play for your country again but always be happy that you played for your country. And it's the biggest achievement for me that I played," he added.

With grit and grace, 'Gabbar' Shikhar Dhawan entertained and carved his legacy

India are all set to face Germany in the Paris Olympics 2024 hockey semifinal, which will be a rematch of the bronze medal tie from Tokyo 2020. Both teams are giants of the game and will be aiming to serve another thriller for the hockey fans.

New Delhi. Shikhar Dhawan gave his 100 percent, every time he stepped onto the field. He had fun while doing so. Gritty, elegant and fun-filled, Shikhar Dhawan never missed a moment to express himself. One of MS Dhoni's trusted lieutenants, the lefthanded opener had a thrill ride that will last long in the memories of Indian cricket fans. In a country that has produced some of the greatest openers, Shikhar Dhawan carved his own legacy. And when he announced retirement on Saturday, August 24, he hung

his boots with a sense of fulfilment and gratitude.Dhawan was an integral part of India's transformation period under MS Dhoni's captaincy. When the big guns, including Sachin Tendulkar, Virender Sehwag and Gautam Gambhir were in the twilight of their careers, Dhawan carried forward the baton, making sure India's openers continued to dominate world cricket. His partnership with Rohit Sharma was one of the cornerstones of India's success between 2013 and 2019.

The Gabbar from Delhi and the Hitman from Mumbai forged one of the most successful opening partnerships for India in ODI cricket.Shikhar Dhawan might have earned his redemption ticket in Tests after having had a wobbly start in white-ball cricket at the highest level. But, 50-over cricket was where Dhawan truly shone. With strike rate of over 90, the Delhi batter drew the curtains on his career after having established himself as one of the modern-day masters of white-ball cricket.Shikhar Dhawan left the stage on which he entertained and inspired with no regrets. As the prolific opener bid goodbye to the sport he loved, here are some of the highlights of his decorated career.



From the very beginning of his career, Shikhar Dhawan loved the big stage. When he was a teenager, he top-scored in the ICC U19 World Cup in 2004, amassing 505 runs, 122 runs more than the next-best -- Alastair Cook. His love affair with ICC tournaments continued until a tragic injury cut-short his stay in the ODI World Cup in 2019.

6793 runs at an average of over 40 and a Born in Delhi, he made a name for himself in domestic cricket with impressive performances for Delhi in the Ranji Trophy and India's U-19 team. However, his entry into international cricket was not as smooth as many had anticipated. Dhawan made his ODI debut on October 20, 2010, against Australia in Visakhapatnam. The debut, however, was forgettable - he was bowled out for a duck by Clint McKay. The early

phase of his career was marked by inconsistency, as Dhawan struggled to convert his domestic form into success on the international stage. Between 2010 and 2011, he played sporadically and was often overshadowed by more established players. The year 2013 marked a significant turning point in Dhawan's career, beginning with his sensational Test debut. Selected to play against Australia in Mohali, Dhawan made an unforgettable impact by scoring 187 runs off just 174 balls, the

fastest century on debut in the history of Test cricket. This innings not only announced his arrival on the big stage but also paved the way for his resurgence in ODI cricket.Later that year, Dhawan was selected for the ICC Champions Trophy in England, and it was here that he truly blossomed. He finished as the tournament's highest run-scorer, amassing 363 runs in just five matches at an astonishing average of 90.75, including back-to-back centuries against South Africa and West Indies. His performances were instrumental in India's triumph, and he was named the Player of the Tournament. This tournament solidified his place as India's goto opener in ODIs and marked the beginning of his dominance in ICC events.

Lionel Messi to return to Inter Miami before season's end: Coach Gerardo Martino

■ Inter Miami head coach Tata Martino has announced that Lionel Messi will soon rejoin the team's training sessions. Messi is expected to be back on the pitch before the end of the MLS regular season.

New Delhi. Inter Miami head coach Gerardo "Tata" Martino has confirmed that superstar forward Lionel Messi will rejoin the team for training soon and is expected to return to the pitch before the end of the Major League Soccer (MLS) regular season. Messi, who has been out of action since suffering an ankle ligament injury on July 14, has missed a significant portion of the season, including Inter Miami's entire 2024 Leagues Cup campaign. The injury occurred during the Copa América final between Argentina and Colombia, held at Hard Rock Stadium in Miami Gardens, Florida. While the 37-yearold has been sidelined since then, Martino remains optimistic about his imminent



comeback. Speaking to ESPN, Martino stated that while he couldn't pinpoint an exact return date, he assured fans that Messi's comeback is on the horizon. "I wouldn't be able to give an approximate number of days that he returns to training, but it is not a situation that is too far away, Martino said. "There is a part of the injuries that have to do with the physical, and there is

a part that has to do with the mental. We have to overcome them both ways, and I think he is going through that process." Martino noted that Messi has been gradually progressing in his recovery, adding, "He is feeling better and better. He has been working in the field for three or four days now. We cannot give a specific time frame because we do not know, and it would be speculative to do so. But it is close."Despite Messi's absence, Inter Miami has been performing well. They currently lead the MLS Eastern Conference with 53 points from 25 games. The team is poised to secure a playoff spot, with their next match against FC Cincinnati at home on Saturday. Even if Miami does not win the game, multiple result combinations could still guarantee them a postseason berth.Since joining Inter Miami in 2023, Messi has made a significant impact, recording 12 goals and 13 assists in just 12 regular-season matches (11 starts). His return would undoubtedly bolster the team's offensive capabilities as they head into the crucial final stretch of the season.Inter Miami's regular season concludes on October 19 with a match against the New England Revolution, and fans eagerly anticipate seeing Messi back on the field, contributing to the team's success.

Josh Hazlewood ruled out of T20I series vs Scotland due to calf strain

New Delhi. I Australia's fast bowler Josh Hazlewood has been sidelined from the upcoming three-match T20I series against Scotland due to a calf strain. However, Hazlewood is expected to recover in time for Australia's T20I and ODI fixtures against England, commencing on September 11. Riley Meredith has been called up to the squad in Hazlewood's absence. The 27-year-old Meredith, who last played a T20I for Australia in 2021, has been in fine form, showcasing his skills with Somerset in the English domestic season. He made a significant impact in the T20 Blast, taking 14 wickets at an average of 22.78, and was instrumental in Somerset's run to the final. Additionally, Meredith claimed six wickets in three One-Day Cup matches, including an impressive 4 for 27 against Middlesex at Lord's.Hazlewood's injury is reportedly minor, and he remains optimistic about being fit for the upcoming series against England. Nonetheless, with a busy home season ahead, including five Test matches



against India, Australian selectors are likely to approach his recovery with caution. Hazlewood's absence comes as a setback for Australia, especially following the withdrawal of fellow pacer Spencer Johnson due to a side strain sustained while playing in The Hundred. The pace attack for the Scotland series will now feature Riley Meredith, Xavier Bartlett, Sean Abbott, and Nathan Ellis, supported by all-rounders Cameron Green, Aaron Hardie, and Marcus Stoinis. Captain Mitchell Marsh, known for his versatile skills, will likely contribute to the pace department as well. Spin responsibilities will be handled by Adam Zampa, with uncapped Cooper Connolly adding depth to only member of Australia's prominent fastof the UK. Mitchell Starc is scheduled to join

WI vs SA 1st T201: Pooran, Hope's half centuries help WI take 1-0 lead in Trinidad

New Delhi. West Indies beat South Africa by seven wickets in the first T20I of the threematch series on Friday, August 23 at Brian Lara Stadium, Tarouba, Trinidad. After being put in to bat first, South Africa posted a good score of 174/7 in their allotted 20 overs courtesy of a breathtaking knock by Tristan Stubbs (76 off 42).

In reply, West Indies comfortably chased down the target in 17.5 overs with Shai Hope (51 off 36) and Nicholas Pooran (65* off 26) scoring half centuries. West Indies' chase got off to a brilliant start with openers Alick Athanaze (40 off 30) and Hope adding 84 runs for the first wicket off eight overs. Ottniel Baartman drew first blood for the Proteas as he dismissed Athanaze caught at mid off to bring an end to the massive opening partnership. However, despite taking the first wicket, there was more misery on cards for the



visitors as Nicholas Pooran walked out to bat and annihilated their bowling attack. The wicketkeeper batter played a sensational knock of 65* (26) clobbering two fours and seven sixes. He was wellsupported by Hope with the duo adding 54 runs for the second wicket off 33 balls. Baartman (2/30) struck again for his team getting Hope out lbw but that didn't save them from Pooran's storm which blew away South Africa handing them a seven-

wicket defeat.Matthew Forde runs through SA'S Top Order

Earlier in the day, after being put in to bat first, South Africa were rocked by terrific new ball spells from Matthew Forde (3/27) and Shamar Joseph (2/40). The duo picked four wickets in the first seven overs leaving the Proteas reeling at 33/4 after 6.1 overs. Seeing their team in a dire need of a partnership, Patrick Kruger (44

off 32) joined Tristan Stubbs at the crease as the duo rescued the innings with their 71-run stand off 50 balls. Forde returned in the 17th over to break the stand and pick his third wicket leaving South Africa on 113/6 after 16.1 overs. However, Stubbs' fireworks in the death overs propelled South Africa to a good score of 174/7. Meanwhile, Pooran was adjudged Player of the Match for his breathtaking knock.

the squad.Interestingly, Hazlewood was the bowling trio initially selected for the full tour the team for the ODIs against England.

Jamie Smith stars as England on driver's seat on Day 3 end vs Sri Lanka

The England team are currently on the driver's seat by the end of day three play against Sri Lanka at Old Trafford. At the stumps of Day 3, Sri Lanka's score was 204/6 with a slender lead of 82 runs.

New Delhi. It was a bright sunny day at the Old Trafford Stadium in Manchester as day three witnessed a full day's play between England and Sri Lanka. The hosts were on the driver's seat by the end of the 3rd day despite Sri Lanka taking a minor lead. Jamie Smith, the star of the day, led the team off the field amid Sri Lanka started off their 2nd innings after rousing applause from the crowd. Sri Lanka ended day three at 204/6 with a lead of 82 runs in an extended game. The day was

headlined by England's rising star Jamie Smith, who was crucial in adding 99 runs to the team's overnight score and helping the team reach a commanding position. He broke the 94-year-old record to become the youngest England wicketkeeper-batter to score a century in the red-ball format. His 66-run stand with Gus Atkinson for the seventh wicket was crucial in putting England in the dominant position.

ENG vs SL: As it happened

After reeling at 67 for three, England's lowermiddle order ensured the hosts finish the first innings at 358 runs. Meanwhile, Sri Lankan bowlers showcased their top-game with Prabath Jayasuriya and Asith Fernando sharing seven wickets between them.

conceding a lead of 122 runs and did not got off to a great start. Nishan Madushka and Kusal Mendis, two of the top-order batters

were dismissed for ducks and the team found themselves reeling at 95 for 4. However, Angelo Mathews rose to the occasion and shared crucial stands with the middle-order batters. Especially his 78-run partnership with Kamindu Mendis came in handy, which kept Sri Lankan team in the game.

Sri Lanka stay alive in the game

It was around the 42nd over, the umpires changed the ball as the older one lost its

shape. The changed ball certainly started to hoop and offered encouraging signs for England, as Pope brought in his pacers to try and dislodge the partnership.

Mathews was picked up by Woakes and Rathnayake gifted his wicket away to Joe Root, who picked up a wicket in his very second ball of the match after Wood hobbled off the field during his 11th over. The visitors were also dealt with a major blow when their wicketkeeper-

batter Dinesh Chandimal got retired hurt after copping a blow to his thumb earlier in the day. However, by the end of the day's play he returned to bat and will be looking to forge a stand with Kamindu Mendis who is unbeaten at 56. England were a bit sloppy in the final session, dropping a couple of straightforward chances. Mathews was dropped on 65 and Kamindu Mendis on 39 and both off the bowling of Potts.







irector Mari Selvaraj is currently in the headlines for his Tamil film Vaazhai which was released today at the cinemas and opened to positive reviews from the audience. Apart from the audience, the film also appealed to the director Bala. The filmmaker Mari shared a video on Instagram regarding his and Bala's interaction post watching Vaazhai. The video shows Bala approaching Mari and then embracing him. He embraces the Vaazhai director for a few seconds and then kisses him on the cheek. Both filmmakers then shook hands and sat quietly while having a discussion. Mari wrote the caption in Tamil which translates to," Kiss??". #Vaazhai Tomorrow."

Vaazhai stars Dhivya Dhuraisamy, Nikhila Vimal, Priyanka Nair and Kalaiyarasan in important roles. Navvi Studios has produced this film. Till now, Mari has directed 3 films, i.e-Pariyerum Perumal, Karnan, and Maamannan. All these films were successful at the box office. However, the 40-year-old director finds Vaazhai special. In an interview with The Hindu, the Tamil director said," Despite doing three films, a film like Vaazhai makes me proud and glad about my talent as a filmmaker." He also talked about how if a director wants to test their acumen, they should do a children's film. According to the 40-year-old director, "The children today are sharp and the inputs given to them are the same as what I usually do with other actors. But the words and attitude I use differ; even the storytelling differs."king forward to his upcoming film Bison: Kaalamaadan. There were rumours that the film is a biopic, but Mari denied the same in an interview with the Times of India. The 40-year-old director stated that this film will revolve around kabaddi, but contrary to reports, it is not a biopic but a fictional one. According to Vaazhai's director, he and his team will shoot a 60-day schedule here and move to Chennai for the remaining portions.

Rishab Shetty Trains In Kalaripayattu For Kantara: Chapter 1, Pic Inside



ishab Shetty, who received immense recognition for his blockbuster film Kantara, is soon going to be back with its prequel. Kantara: Chapter 1 is one of the most anticipated films, and the National Award winning actor has once again captivated viewers with his dedication to his craft. Rishab recently released a glimpse of his tough training session on social media which has only increased the buzz around the upcoming project. In the latest picture, Rishab Shetty can be seen performing Kalaripayattu, one of the world's oldest advanced martial arts techniques that originated in Kerala. In the photo, Rishab is shown clutching a sword and shield flaunting his well built physique. He was clad in a black vest and a maroon dhoti. The actor posted the picture with nothing but a heart emoji.

Fans soon started showering praises in the comments and also expressed how eager they were to watch the film. One of them wrote, "Kantara chapter 1 create a history," while another stated, "Waiting for kantara chapter 1"Earlier, a report by Pinkvilla revealed that the Kantara: Chapter 1's fourth scheduled shoot is expected to begin in the last week of August. According to sources mentioned by the publication, the upcoming shoot would contain a major action sequence shot on a grand scale. The film is said to be a precursor to the previous installment and will most likely continue the story of the Panchurli Deiva, which is set in the Kadamba era. The prequel, directed by Rishab, reintroduces Ajaneesh Loknath as the music director, who wowed everyone with his work in the first

Further, the report mentioned that the film is anticipated to hit theatres in late 2024, and OTT platform Amazon Prime Video is expected to acquire the streaming rights postrelease.The movie Kantara, which was released in 2022, gained major popularity over its narration and the exquisite graphics combined with stunning mythological tales. The film, with its folklore-based storytelling, followed a fight between villagers and powerful landowners, delving into themes of justice, faith, and the relationship.



board the film, and an

official

announcement will

be made shortly,"

the source added.

it was reported

In December 2023,

that film release

date has been postponed. It

will now release on

June 6 th

5. The film's producer Sajid Nadiadwala released an official statement and wrote, "The Houseful franchise owes its massive success to the audiences, and we hope for a similar reception for Houseful 5. The team has crafted an absolutely mind-blowing story that demands top-notch VFX.

Therefore, we've made the decision to push the release to ensure we deliver five times the entertainment with great cinematic experience. Housefull 5 will now be releasing on 6th June 2025."The first Housefull movie was released in 2010 and starred Akshay Kumar with Jiah Khan, Arjui Rampal, Jacqueline Fernandez, Lara Dutta and Chunky Panday in the lead. T second movie in the franchise hit theatres in 2012. On the other hand, Housefull 3 and 4 were released in 2016 and 2019 respectively. Now, Housefull 5 will be directed by Tarun Mansukhani.

Kangana Kanaut

Claims To Be 'Most Imitated Actor In The World of Mimicry': 'I Don't Get Offended'

angana Ranaut is gearing up for her upcoming political drama 'Emergency', where she not only stars but also takes the director's chair. The actor, who portrays former Indian Prime -Minister Indira Gandhi in the film, has been receiving praise following the release of the film's trailer. In an interview with Bollywood Hungama, Kangana addressed the potential for controversy when dealing with sensitive political topics in films. When asked if she was concerned about people taking offense, given the film's politically charged subject matter, Kangana explained that she focuses on telling stories from her own perspective, rather than worrying about public reactions.

She drew a parallel to how she handles being imitated by mimicry artists, saying, "Main apni



mimicry dekhti hoon. Kitne log mujhe mimic karte hain. Main to bohot zyada popular hoon mimicry ki duniya me. Bohot mere mimicry artist hain. Aisa nahi hai ki hum dekhte hain aur hum offend ho jaate hain. (I often see people imitating me. There are a lot of mimicry artists who try to imitate me. I don't get offended when I see them)."Kangana further elaborated, "Jab koi bohot dil se kisine mimic kiya ho, mujhe bareeki se pees ke pi liya ho, uspe hum prabhavit aur mohit ho jaate hain. Kyuki wo bhav aap tak pahuch jaata hai. Main kabhi second guess nahi karti ki ye mere baare me kya sochega, wo kya sochega. Maine ye film

apne nazariye se banayi hai aur dekhte hain iska kya parinaam hoga (If someone mimics me with sincerity and captures my basic mannerisms, I am truly impressed and flattered. It's about connecting with the intent behind the act. I never second-guess what people will tink about me. I made this movie from my own perspective, so let's see how it will be received)."

Speaking about her film Emergency, she announced it in 2021 but later clarified that even though it is a political drama, it is not Indira Gandhi's biopic. The actress is not just playing the lead in the film but is also directing it. Besides Kangana, Emergency also stars Anupam Kher, Milind Soman, Mahima Chaudhry and Shreyas Talpade among others. While Shreyas Talpade will be seen playing the role of Atal Bihari Vajpayee, Anupam Kher will be seen as Jayaprakash Narayan. Late actor Satish Kaushik will also be seen as Former Deputy Prime Minister of India, Jagjivan Ram.